लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

सूचना विवरणिका

2021—2022

संपर्क सूत्र

www.lakshmibaicollege.in

91-11-27308598

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	शीर्षक	पृ.सं.
1	प्राचार्य की कलम से	3
2	दूरदर्शिता और मिशन	5
3	अस्वीकरण	6
4	श्रद्धांजलि	7
5	लक्ष्मीबाई कॉलेज में वर्ष 2020–21 के दौरान हुए वेबिनार	8
6	नव पहल	14
7	फिट इंडिया अभियान और सामुदायिक सेवाएँ	17
8	संचालक समूह/शासकीय निकायल	18
9	लक्ष्मीबाई महाविद्यालयः संक्षिप्त परिचय	19
10	संकाय सदस्यों की उपलब्धियां	21
11	पुरस्कार व सम्मान	22
12	प्रशासन	23
13	प्रवेश–समितियाँ (2021–22), एंटी रैगिंग कमेटी	24
14	विभाग प्रभारियों की सूची	26
15	पाठ्यक्रम	27
16	पाठ्यक्रमानुसार सीटें	27
17	बी.ए. प्रोग्राम के लिए विषय संयोजन	28
18	खेल व ईसीए कोटा के तहत सीटें	29
19	चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (सीबीसीएस)	32
20	स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु दिशा–निर्देश	37
21	आंतरिक शिकायत समिति	125
22	वर्ष 2020–21 की कट–ऑफ सूची	127
23	प्रवेश के बाद की प्रक्रिया	129
24	सुविधाएँ	133
25	वित्तीय सहायता	141
26	शैक्षणिक आवश्यकताएँ	142
27	आंतरिक मूल्यांकन योजना	143
28	सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ	145
29	सह पाठ्यक्रम सोसायटी	161
30	कॉपोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी	189
31	पुरस्कार	190
32	वार्षिक शुल्क का विवरण 2020–21	196
33	कॉलेज परिसर के नियम– क्या करें और क्या न करें	198
34	परिशिष्ट	205
35	फोटो गैलरी	208

प्राचार्य की कलम से.....

सितंबर, 2021

प्रिय विद्यार्थियो

"उन्मुक्त विचारों, आशाओं और आकांक्षाओं की दुनिया में आपका स्वागत है।"

अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों पर गर्व करने वाले आधुनिक मनुष्य ने अबतक स्वयं को कभी इतना लाचार और असहाय महसूस नहीं किया जितना विवश वह कोविड-19 और उसके परिवर्तनशील रूपों को देखकर हुआ ,वास्तव में भारत में अप्रैल -मई 2021 में स्थिति बहुत ही निराशाजनक और भयावह हो गई थी। वैसे संसार भर में ऐसी ही स्थिति विद्यमान रही जिसने मानव को तोड़ दियाथा ।वैसे यह दु: स्वप्न पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है, लेकिन आपातकालीन कोविड टीकाकरण के कारण कुछ हद तक परिस्थितियों में सुधार अवश्य हुआ है।

दिसम्बर 19 से पूर्व मानव सहज जीवन जी रहा था, लेकिन कोविड -19के आकस्मिक प्रकोप ने मानव मन के सोचने और जीवन जीने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया। परिवर्तन जीवन का अनिवार्य नियम है। इस महामारी ने मनुष्य के सामने बदलते परिवेश के साथ समझौता करते हुए, विकल्प खोजने के अतिरिक्त कोई मार्ग शेष नहीं छोड़ा। इस महामारी ने उसके जीवन में नए संघर्ष, चुनौतियाँ और मुश्किलें पैदा कर दी।

इस समय हमें उच्च शिक्षा संस्थानों में बदलाव की प्रकृति और संरचना को समझने की अत्यंत आवश्यकता है ताकि बदलती परिस्थितियों में परिवर्तन को स्वीकार कर हम बेहतरीन विकल्पों, माध्यमों की तलाश करने में सफल हो सकें।

उच्च शिक्षा संस्थान के प्रहरी होने के नाते। इस संकट से उबरने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। अपने संपूर्ण संसाधनों ,भौतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक क्षमताओं के साथ तकनीकी और

विचार प्रक्रिया में होने वाले परिवर्तन का विश्लेषण करके इस संकट से उबरने की रणनीति तैयार की जा सकती है। एसडीजी के अनुसार।

अगर हम शिक्षा के क्षेत्र को देखें तो डिजिटल शिक्षा और हाइब्रिड लर्निंग बिल्कुल नये.शब्द हैं। अगर परिस्थितियों में समुचित बदलाव नहीं होता तो ऐसे डिजिटल शिक्षा को बेहतरीन और प्रभावशाली बनाने के लिए हमें ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता है, जिसका बुनियादी ढांचा सुदृढ़ हो, कनेक्टिविटी ,उपकरण ,डिजिटल तकनीक में दक्ष शिक्षक ,उपयुक्त उपकरण और सबसे बढ़कर एक उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री की बहुत जरूरत है। स्थानीय और वैश्विक स्तर पर ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली को दुरुस्त करने की आवश्यकता है। डिजिटल गुणवत्ता शिक्षा के लिए एक रोडमैप तैयार करना चाहिए, जो हमारी संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा कर सकें क्योंकि मानव विकास के लिए सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मकता अत्यंत आवश्यक है।

जलवायु परिवर्तन के इस समय में हमें अपने स्वास्थ्य ,खुशी और मानसिक शांति के साथ साथ नौकरी, सुरक्षा, कानून व्यवस्था, एक मजबूत अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय प्रणाली के संदर्भ में भी विचार विमर्श करना होगा। अपने वर्तमान के साथ साथ भविष्य को बेहतर करना भी हमारा कर्तव्य है। ऐसे में शिक्षा प्रणाली में लोकतांत्रिक और सांस्कृतिक मूल्यों की अनिवार्यता और जरूरी हो जाती है।

इससे भी महत्वपूर्ण बात है कि भारत विश्वगुरु गुरु की भूमिका का निर्वाह करते हुए मानव मूल्यों में खोए हुए विश्वास को पुन: हासिल करते हुए मानव जाति को एक आशाजनक भविष्य के सुखद स्वप्न देखने के लिए प्रेरित करें ।नयी शिक्षा पद्धति हमें अपने खोए हुए आत्मविश्वास को पुन: हासिल करने के साथ साथ हमें हमारी राष्ट्रीयता, और भारतीय ज्ञान प्रणाली की अमृतमय धारा से जोड़ती है।

इस आकस्मिक और अपरिहार्य परिवर्तन और संकटकाल में अपनी कार्यकुशलता और बुद्धिमत्ता के ल पर एक कर्मयोगी की तरह अपने कर्तव्यों का पालन करने वाले सभी कर्मचारियों, छात्रों और समाज के लोगों के आपसी सहयोग का हम हृदय से धन्यवाद करते हैं और स्वयं पर विश्वास करते हुए वैदिक परंपरा का अनुपालन करते हुए आइये हम शिक्षक और छात्र एक साथ प्रार्थना करें।

"संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनासि जानताम ।

देवभागम यथापूर्वे संजानाना उपासते।"

प्रो. (डॉ.) प्रत्यूष वत्सला
प्राचार्य, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

दूरदर्शिता और मिशन

दूरदर्शिता

सत्यमज्ञानं अनंतम्

"सत्यं ज्ञानमअनंतम"

अर्थात, सच्चा ज्ञान अंतहीन है और इसे सदैव प्राप्त किया जा सकता है। - तैत्तिरेय उपनिषद (11.1)

मिशन

- *युवाओं में सत्यनिष्ठा, आत्म-जागरूकता और आत्मनिर्भरता की भावना पैदा करना।*
- *21 वीं सदी के जीवन और सतत विकास के लिए प्रासंगिक ट्रांसवर्सल अनुप्रस्थ कौशल प्रदान करना।*
- *सत्य और जाँच रचनात्मकता और ज्ञान के प्रति प्रेम की शाश्वत खोज को पोषित करना।*

जैसा कि आदर्श वाक्य में प्रतिष्ठापित है कि हमारा विजन (दृष्टि प्रबंधन) शिक्षकों और छात्रों को, लक्ष्मीबाई कॉलेज को, शिक्षा, खेल और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्टता का केंद्र बनाने के लिए प्रेरित करता है। हम सामाजिक जिम्मेदारी और एक मिशन की भावना के साथ काम करते हैं।

अस्वीकरण

यद्यपि इस विवरणिका की सामग्री की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए पूरी सावधानी बरती गई है, इसमें निहित डाटा अर्थात आंकड़े केवल सांकेतिक हैं और इसका उपयोग कानूनी उद्देश्य के लिए नहीं यह सूचना केवल लक्ष्मीबाई कॉलेज द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों से संबंधित है। विस्तृत जानकारी के लिए, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली विश्वविद्यालय सूचना बुलेटिन या डीन, छात्र कल्याण, दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यालय का संदर्भ ग्रहण करें। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रासंगिक नियमों, विनियमों, अध्यादेशों और विधियों में निहित जानकारी अंतिम होगी। किसी भी अन्य परिवर्तन और स्पष्टीकरण के लिए, छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे कॉलेज की वेबसाइट lakshmibaicollege.in और नोटिस बोर्ड देखें। लक्ष्मीबाई कॉलेज की विवरणिका में दी गई सूचना के आधार पर की गई किसी भी कार्रवाई से होने वाले किसी भी नुकसान या क्षति के लिए किसी भी व्यक्ति के प्रति किसी भी दायित्व को अस्वीकार करता है। विवरणिका में यदि कोई त्रुटि पाई जाती है, तो वह अनजाने में हुई चूक, लिपिकीय गलतियों या किसी अन्य कारण से हो सकती है।

श्रद्धांजलि

हम अपनी प्रिय शिक्षिकाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्हें हमने कोविड 19 के कारण खो दिया!

1=डॉ.संगीता शर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय सामाजिक सेवा, प्रोग्राम आफिसर, लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

पुण्यतिथि 22 अप्रैल 2021

2=डॉ.सीमा सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान विभाग, लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

पुण्यतिथि 29 सितंबर 2021

वर्ष 2020-21के दौरान लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में सम्पन्न हुए वेबिनार

क्रमांक	कार्यशाला/सेमिनार/वेबिनार का नाम	दिनांक
1	प्रमोशन के विकल्पों पर वेबिनार	31 जुलाई 2020
2	कटेंट मैनेजमेंट सिस्टम टू लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर कार्यशाला	04-अगस्त 2020
3	पीयर लर्निंग ग्रुप पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	अगस्त 11-21, 2020
4	वैदिक गणित :एक अंतर्दृष्टि	02 सितंबर, 2020
5	व्यक्तित्व विकास औरमेंटर प्रोग्राम उभरते कैरियर पर विशेष ध्यान देने के संदर्भ में	08 सितंबर, 2020
6	जीवन और किशोरावस्था के पूर्व 1000 दिनों में देखभाल में निवेश पर राष्ट्रीय पोषण माह एक वार्ता: कुपोषण के अंतर-पीढ़ी चक्र को तोड़ने के लिए महत्वपूर्ण	25 सितंबर, 2020
7	अप्रिशियेशन आफ इंडियन साड़ी पर वेबिनार का शीर्षक	08 अक्टूबर, 2020
8	एक्सेल पर कार्य करने की उन्नत माडल पद्धति पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	16,17अक्टूबर , 2020
9	श्री सौरभ मित्तल द्वारा कोविद -19 संकट के दौरान और बाद में अपने कैरियर को कैसे तेज करें- एमबीए क्यों करें	31 अक्टूबर, 2020
10	कोविड 19 संकट के दौरान और बाद में अपने करियर को कैसे गति दें, पर वेबिनार	31 अक्टूबर, 2020
11	वैदिक गणित में सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ	01 नवंबर, 2020
12	अभिविन्यास कार्यक्रम /ओरियेंटेशन प्रोग्राम	18 नवंबर, 2020
13	वेबिनार-कारपोरेट वर्ल्ड -थींग्स नाट टाट इन क्लास रूम	30 नवंबर, 2020
14	(ओबीई)ओपन बुक एग्जाम	02 दिसंबर, 2020
15	डिजिटल शिक्षाशास्त्र के परिचय पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	3-4दिसंबर 2020
16	परिचयात्मक वेबिनार, युवा शोधकर्ता फोरम	28 दिसंबर, 2020
17	इनसाइट्स इन रिसर्च मेथडोलॉजी, यंग रिसर्चर्स फोरम	8जनवरी 2021
18	वैदिक गणित की शक्ति: हमारे प्राचीन ज्ञान के द्वार खोलना	09 जनवरी, 2021
19	उद्यमिता और उसके संचालन पर राष्ट्रीय वेबिनार	15 जनवरी, 2021
20	अमेजॉन पर विक्रेता कैसे बनें पर वेबिनार	19 जनवरी 2021
21	" शोध पत्र लेखन और जर्नल चयन" पर वेबिनार	20 जनवरी 2021

22	सीआईई सेल द्वारा क्रीयेट -ओ-प्रीनेयर CREATE-O-PRENEUR पर इंट्रा-कॉलेज प्रतियोगिता	31 जनवरी, 2021
23	अनुसंधान का अधिनियम: एक परिचय-यंग रिसर्च फोरम	32 जनवरी, 2021
24	पर्यावरण और महिला स्वास्थ्य के संदर्भ में सतत मासिक धर्म प्रथाओं पर वेबिनार	03 फरवरी, 2021
25	परिचयात्मक वेबिनार, भारतीय भाषा मंडल	04 फरवरी, 2021
26	सीआईई सेल द्वारा सुलेख कार्यशाला	7फरवरी, 2021
27	अनुसंधान और अनुसंधान परियोजनाओं की मूल बातों पर वेबिनार	10 फरवरी, 2021
28	बिनब्रश प्रतियोगिता - सीआईई सेल द्वारा ऑनलाइन प्रतियोगिता	19-23फरवरी 2021
29	अंतर-राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	21 फरवरी, 2021
30	दृश्यों के माध्यम से समाजशास्त्र को समझने पर विशेष व्याख्यान	22 फरवरी, 2021
31	साहित्य की समीक्षा	23 फरवरी, 2021
32	सीआई ई सेल द्वारा रिज्यूम बिल्डिंग वर्कशॉप	26 फरवरी, 2021
33	वेबिनार: विक्टोरियन साहित्य में केक, पाई, ग्रैप्स, जाम और टी	5 मार्च 2021
34	रेनोवेटियो1.0 . के तहत माक्स्ड हंटर प्रतियोगिता	13 मार्च 2021
35	उद्यमिता शिखर सम्मेलन- सीआईई सेल द्वारा रेनोवेटियो 1.0	13-14मार्च 2021
36	वेबिनार: उत्तर-औपनिवेशिक काल को पढ़ना और लिखना: सैकत मजूमदार के साथ एक वार्तालाप	18 मार्च, 2021
37	उत्तर-औपनिवेशिक पढ़ना और लिखना: सैकत मजूमदार के साथ एक वार्तालाप"	18 मार्च, 2021
38	भारत में कार्यक्षमताओं और पूंजी जटिलताओं पर वेबिनार	24 मार्च 2021
39	आयुर्वेद पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सेमिनार: प्राकृतिक चिकित्सा	25 मार्च, 2021
40	इंटेक्चुअल प्रोपर्टी राईट्स पर वेबिनार: एक परिचय	26 मार्च, 2021
41	सही करियर कैसे चुनें?: कैरियर सुरक्षा कार्यक्रम	31मार्च 2021
42	योग दर्शन में चेतना पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	24 अप्रैल, 2021
43	विक्टोरियन साहित्य में केक, पाई, ग्रैप्स जैम और टी पर वेबिनार	03 मई, 2021
44	कहानी कहने की कला (स्टोरी टेलींग) पर कार्यशाला	5 मई 2021
45	सतत आहार और खाद्य प्रणालियों पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार- वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य में	25 जुलाई, 2021

वेबिनार

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी विभाग
द्वारा आयोजित
अन्तर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी
विषय हिन्दी का वैश्विक स्वरूप
आमन्त्रित वक्ता
दिनांक : 10 जनवरी 2021 (रविवार)
समय: दोपहर 3 बजे से 4 30 बजे तक (भारतीय समयानुसार)
प्लेटफार्म: गूगल मीट (पंजीकृत प्रतिभागियों को ई-मेल पर लिंक भेजा जायेगा)।
एवं सीधा प्रसारण-https://w.w.w.facebook.com/ibodu
रजिस्ट्रेशन लिंक : https://forms.gle/AW2WnMe91FduzK78A
श्रीमती प्रमिला (संयोजक)
डॉ. रजीत कौर (विभाग प्रभारी)
डॉ. प्रत्यूष वत्सला (प्राचार्य)

THE DEPARTMENT OF SOCIOLOGY
LAKSHMIBAI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
INVITES YOU TO A SPECIAL LECTURE ON:
RE-IMAGINING THE CLASSROOM IN A PANDEMIC: CONSTRAINTS AND POSSIBILITIES
BY
PROF. AVIJIT PATHAK
Principal
Dr. Pratyush Vatsala
Lakshmibai College
Convenors
Mr. Anurag Singh
Ms. Aishani Khurana

LAKSHMIBAI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
Two Days Virtual
National Students' Symposium
"Mapping the Landscape of Higher Education in India: Issues, Challenges and Future Prospects"
6th-7th September, 2021
THEMES OF THE SESSION

LAKSHMIBAI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
Psychology Resource Centre
PRESENTS
A Psycho-social Support Helpline for Covid Care
सारथी
Helpline Numbers
Monday - 8595910336
Tuesday - 8595910336
Wednesday - 9354802736
Thursday - 9315672038
Friday - 9354802736
Saturday - 7827278154
NEW NORMAL
Timings for Call - 5pm - 7 pm
WhatsApp - 10am - 8pm
Initiative by:
Dr Pratyush Vatsala
Principal
Co-ordinators:
Dr Aakanksha Bhatia
Madhulika Sharma

INTERNATIONAL WEBINAR
TOKYO OLYMPICS AND COVID: THREATS AND CHALLENGES
23RD JUNE, 2021
SPEAKERS
ORGANISED BY :
DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION
LAKSHMIBAI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
NCSPE
SUPPORTERS

DEPARTMENT OF HOME SCIENCE
LAKSHMIBAI COLLEGE
(UNIVERSITY OF DELHI)
PRESENTS
INTERNATIONAL WEBINAR SERIES
ON
SUSTAINABLE PRACTICES
Webinar 1
Sustainable Practices in Fashion & Apparel: Global & Indian Perspective
Date: Tuesday, June 15, 2021
Time: 5:30 PM IST
Dr. Ela Dedhia
Dr. Claudia Henninger

HEALTH AND WELLNESS SOCIETY
LAKSHMIBAI COLLEGE
Cordially invites you to the
ORIENTATION 2020-21
Join us to stay Healthy and stay Fit
Date: November 28th,2020
Timings: 3Pm-4Pm
Via: Google Meet
Principal
Dr.Pratyush Vatsala
Coordinators
Dr.Sunita Arora,Associate Professor
Dr.Gayatri,Associate Professor

LAKSHMIBAI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
YOUTH RED CROSS
LIFE SAVING PROGRAM
IN COLLABORATION WITH
ST. JOHN AMBULANCE (DELHI)
DATE: 22ND MARCH 2021
TIME: 9AM TO 12 PM
VENUE: LT-1
Dr. Pratyush Vatsala
Principal
Dr. Juhi Singh & Ms. Rashmita Behera
Co-Convenors, Youth Red Cross

DEPARTMENT OF SOCIOLOGY
Lakshmibai college
University of Delhi
Presents a special lecture on
Understanding Sociology
By
Dr. Reema Bhatia
Associate Professor
Miranda House
University of Delhi
Date: 23rd February 2021
Time: 1 PM
Meeting link:

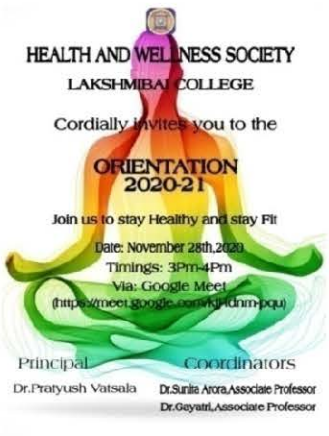

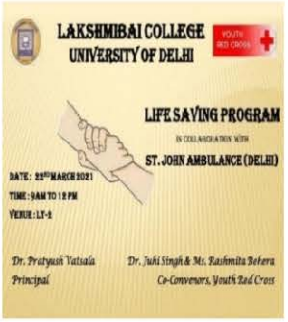

वेबिनार

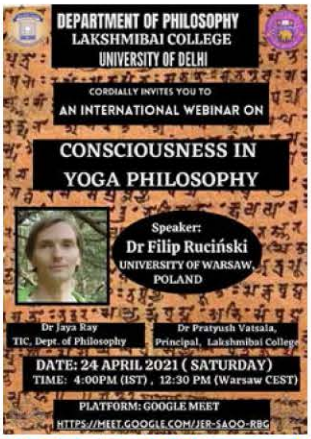
DEPARTMENT OF PHILOSOPHY
LAKSHMIBAI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
CORDIALLY INVITES YOU TO
AN INTERNATIONAL WEBINAR ON
CONSCIOUSNESS IN YOGA PHILOSOPHY
Speaker:
Dr Filip Ruciński
UNIVERSITY OF WARSAW, POLAND
Dr Jaya Ray
TIC, Dept. of Philosophy
Dr Pratyush Vatsala,
Principal, Lakshmibai College
DATE: 24 APRIL 2021 (SATURDAY)
TIME: 4:00PM (IST) , 12:30 PM (Warsaw CEST)
PLATFORM: GOOGLE MEET
HTTPS://MEET.GOOGLE.COM/JER-SAOO-RBG

LAKSHMIBAI COLLEGE
National Cadet Corps
Presents
Enlighten Within
ON THE OCCASION OF
INTERNATIONAL YOGA DAY
Online Yoga Training
Session
FROM
18 JUNE - 21 JUNE, 2021
VENUE: GOOGLE MEET
https://meet.google.com/uhz-bjzm-zks
Time: 7am to 8 am
NEEVA SINGH
Dr. Pratyush Vatsala
Principal
Lt.(Dr.) Seema Kaushik
Associate NCC Officer
Student Coordinators
SUO Harshita Yadav +91 93183 73074
JUO Khushboo Sharma +91 88516 79639
LCPL Ekta +91 84488 27151

Lakshmibai College
Department Of Physical Education
Presents
Yog Utsav
Dr. Pratyush Vatsala
Principal
Dr. Sunita Arora
Dr. Seema Kaushik
ONLINE TRADITIONAL YOGASANA COMPETITION
Date :15th - 16th June,2021
PLATFORM: ZOOM
CASH PRIZE FOR WINNERS
Ms Neeva
Yoga Coach
Mt Aayushi Goyal
Co-ordinator

The Department of Economics
Lakshmibai College , University of Delhi
cordially invites you to an
INTERNATIONAL WEBINAR on
ENHANCING ENGAGEMENT AND MOTIVATION IN WRITING : CAREERS TO EXPLORE IN WRITING AND EDITING
Speaker:
Dr. Jyoti Tyagi
Associate Editor,
Diaspora Studies,
Dusseldorf, Germany
Date: April 24, 2021, Saturday
Time:12 P.M.(IST); 8:30 A.M.(CET)
Google Meet Link:
Live broadcast on Department of Economics Facebook page
Dr. Pratyush Vatsala
Principal
Lakshmibai College
Dr. Suman Sonkar
Teacher-in-charge
Department of Economics

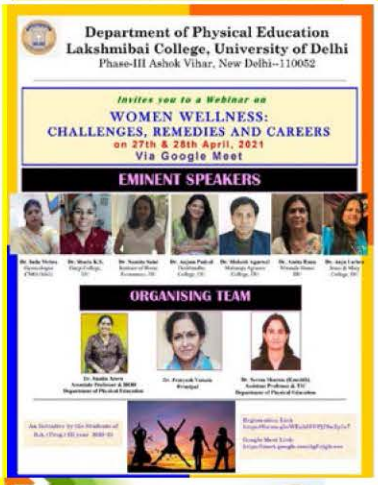
Department of Physical Education
Lakshmibai College, University of Delhi
Phase-III Ashok Vihar, New Delhi--110052
Invites you to a Webinar on
WOMEN WELLNESS:
CHALLENGES, REMEDIES AND CAREERS
on 27th & 28th April, 2021
Via Google Meet
EMINENT SPEAKERS
ORGANISING TEAM

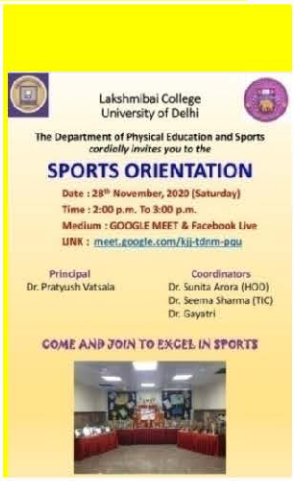
Lakshmibai College
University of Delhi
The Department of Physical Education and Sports
cordially invites you to the
SPORTS ORIENTATION
Date : 28th November, 2020 (Saturday)
Time : 2:00 p.m. To 3:00 p.m.
Medium : GOOGLE MEET & Facebook Live
LINK : meet.google.com/kij-tdnm-pgu
Principal
Dr. Pratyush Vatsala
Coordinators
Dr. Sunita Arora (HOD)
Dr. Seema Sharma (TIC)
Dr. Gayatri
COME AND JOIN TO EXCEL IN SPORTS

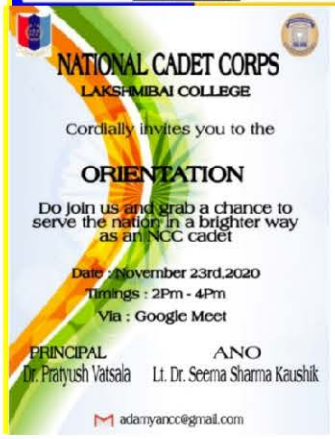
NATIONAL CADET CORPS
LAKSHMIBAI COLLEGE
Cordially invites you to the
ORIENTATION
Do join us and grab a chance to serve the nation in a brighter way as an NCC cadet
Date : November 23rd,2020
Timings : 2Pm - 4Pm
Via : Google Meet
PRINCIPAL
Dr. Pratyush Vatsala
ANO
Lt. Dr. Seema Sharma Kaushik
adamyancc@gmail.com

वेबिनार

International Webinar on Sustainable Practices in Fashion and Apparel: Global and Indian Perspective

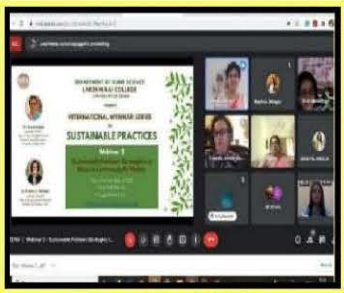

International Webinar on SustainableFashion: Strategies to Make it Commercially Viable

Webinar on Art of Effective Dressing

Webinar on Appreciation of Indian sarees: Dr Seema Sekhri, Associate Professor, Lady Irwin College

Webinar on How to become a seller on Amazon: Ms Rashi, a young entrepreneur and III year student of ADC

Red Dot Project: Best Practice of College, An Initiative of Fabric and Apparel Science (Department of Home Science)

Three Day **Workshop on Lippan** Work, an art form of Gujrat

Student Project on Development of Patterns using Natural Dyeing/Printing

Warli Painting, an art form of Maharashtra

Wall Graffiti painting :Main Stage in front of Library

वेबिनार

International Webinar on "Sustainable Practices Sustainable Diets & Food Systems: Global & Indian Perspectives".

Nutribite- Student Entrepreneurial Project

Webinar on "Investing in care in the first 1000 days of life and adolescence: critical for breaking the intergenerational cycle of malnutrition".

Preserved Products from Organic Produce in the Campus: A Feasibility Study'

Alumni Talk

Virtual Bakery Workshop

पहल

Lakshmibai College
परम्परा
Immunity Booster Traditional Food Service
30th July, 2021 Onwards
HOT COOKED SNACKS
PARAMPARA SPECIAL
Juices
COOKED MILLETS
Soups
At Gate No. 3
Timings: 3:00 - 9:00 PM

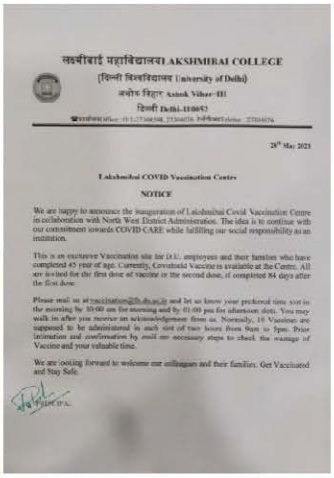
लक्ष्मीबाई महाविद्यालय LAKSHMIBAI COLLEGE
(दिल्ली विश्वविद्यालय University of Delhi)
अशोक विहार Ashok Vihar-III
दिल्ली Delhi-110052
Lakshmibai COVID Vaccination Centre
NOTICE

LAKSHMIBAI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
FREE WALK IN VACCINATION DRIVE
Share your vaccination experience with
#LBCVaccinationDrive
#LBCFightsCovid19
MISSION VACCINATION
TARGET:100 Percent Vaccinated Campus by 20th JULY,2021
StaysafeMustvaccinate

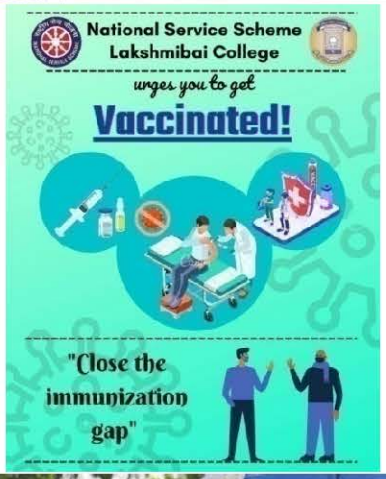
National Service Scheme
Lakshmibai College
urges you to get
Vaccinated!
"Close the immunization gap"

पहल

Covid care centre at DU LBC 29 Apr 2021.pdf

DU college creates a 100-bed isolation centre

180

पहल

Sustainable, Reusable,
Fabric Sanitary Napkins...
Join the "स्त्री" Movement
A single woman uses
16,000 PADS
in her lifetime.
90%
of component present in these pads
are made up of plastic
Each pad takes
600-800 YEARS
to decompose.
Your purchase shall help in contributing
to the lives of underprivileged women,
who have stitched the Fabric Sanitary Napkins.
- An initiative of Fabric and Apparel Science
(Department of Home Science), Lakshmibai College

Bio diverse Campus

AWARENESS PROGRAMMES

फिट इंडिया अभियान

1 से 28 फरवरी सायं 5 से 6 बजे के बीच एक सामुदायिक जागरूकता पहल के रुप में महाविद्यालय परिसर में कर्मचारियों, छात्राओं और आसपास के समुदायों के लिए महाविद्यालय में फिट इंडिया अभियान के तहत योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया।

फिट इंडिया अभियान के तहत लक्ष्मीबाई कॉलेज के छात्रों और आसपास के समुदाय के बच्चों की आत्मरक्षा हेतु ' आत्मरक्षा-शिविर ' का 10 दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया । 18 से 28 फरवरी, 2021 को शाम 4 बजे से शाम 5 बजे के बीच महाविद्यालय के परिसर में यह आयोजन सम्पन्न हुआ

संचालक समूह

क्रमांक	नाम	पद
1.	प्रो. रूपम कपूर, प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग	अध्यक्ष
2.	प्रो. अंजू वली टीकू, प्रोफेसर, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय	विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
3	डॉ.प्रत्यूष वत्सला प्राचार्या, लक्ष्मी बाई महाविद्यालय	सदस्य सचिव
4	डॉ.मधु अग्रवाल ,एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग	शिक्षक प्रतिनिधि
5	सुश्री ललिता कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, इतिहास विभाग	शिक्षक प्रतिनिधि

लक्ष्मीबाई कॉलेजः संक्षिप्त परिचय

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा के प्रमुख संस्थानों में से एक है। इसकी स्थापना 1965 में महिला कॉलेज के रूप में की गई थीं, जिसका नामकरण बाद में प्रेरणात्मक, अनुकरणीय और उत्साही झांसी की रानी 'लक्ष्मीबाई महाविद्यालय' दिया गया। यह दिल्ली विश्वविद्यालय का संघटक महाविद्यालय है। महाविद्यालय के पास अपना सुसज्जित भवन, विशाल लॉन, खेल मैदान और हैं। यह महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के समीप है।

महाविद्यालय विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और गैर शिक्षक कर्मचारियों के लिए अपनी ढांचागत क्षमता बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है। आठ कक्षाओं (पोर्टा केबिन) के निर्माण से लेकर एक अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटरीकृत पुस्तकालय के साथ क्रेच (परवरिश), ओपन जिम और एक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (आरोग्यम) के विकास के साथ एक ध्यान कक्ष सुसज्जित प्रतीक्षालय, आधुनिक प्रशासनिक ब्लॉक (कौटिल्य), पुस्तकालय के पीछे विश्वकर्मा भवन, विद्यार्थी कक्ष, सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए खुला मंच की सुविधा है। महाविद्यालय प्रवेश द्वार पर लगे 76.8 वाट के सौर पैनल भी इसकी एक अन्य विशेषता है।

महाविद्यालय ने परिसर के अंदर सभी प्रकार के वित्तिय लेनदेन के लिए आरएफआईडी कार्ड की शुरुआत और लाइब्रेरी गेट पर आरएफआईडी प्रवेश रिकॉर्डिंग प्रणाली के स्थापना के साथ उच्च शिक्षा में तकनीकी प्रगति में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस दिशा में यह दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला महाविद्यालय है जो शायद भारत में विमुद्रीकरण से पहले कैशलेस हो गया है। ये कार्ड सभी विद्यार्थियों के लिए पहचान पत्र के साथ–साथ और उन्हें 'कैशलेस ट्रांजेक्शन' करने की भी सुविधा देते हैं। महाविद्यालय अपने मोबाइल एप्प, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, इंटरैक्टिव स्मार्ट बोर्ड, सूचना कियोस्क को विभिन्न क्षेत्रों में अपने एसेट बेस को मजबूत करने का दावा करता है।

हम भाग्यशाली हैं कि लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में कुशल और योग्य संकाय सदस्य हैं, साथ ही सहायक और सक्षम प्रशासनिक और गैर–शैक्षणिक कर्मी भी

हैं। हमारे पास विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ समर्पित शिक्षकगण हैं जिनमें से अधिकांश पीएचडी या एमफिल की उच्च डिग्री प्राप्त हैं। वे अपने संबंधित विषय के विशेषज्ञ और उत्साही शिक्षक हैं। लक्ष्मीबई महाविद्यालय कई शिक्षकों के प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं, पुस्तकों और शोध पत्रिकाओं में अनेक लेख प्रकाशित हैं।

शिक्षा के अतिरिक्त हमारा महाविद्यालय खेल, राष्ट्रीय कैडेट कीट और राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट है। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के लिए यह गर्व की बात है कि रिया कुमारी को गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2019 का हिस्सा बनने का सुनहरा अवसर मिला। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय को दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ कॉलेज (एसडब्ल्यू) होने के लिए एनसीसी के पूर्व छात्रा क्लव दिल्ली द्वारा एनसीसी अचीवर्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हमारे महाविद्यालय की छात्राओं में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता के प्रति गहरी सचेतता है और वे लगातार भेदभाव और उत्पीड़न से रहित समुदाय का निर्माण करने के लिए प्रेरित रहती हैं। छात्राओं की रचनात्मकता विभिन्न सांस्कृतिक, कार्यक्रमों के द्वारा स्पष्ट लक्षित होती है।

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय अकादमिक उत्कृष्टता और मानवतावाद के मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने छात्रों को स्वशासन की दिशा में प्रशिक्षित करते हैं और उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास को प्रोत्साहित करते हैं। महाविद्यालय की गतिविधियों के लिए ऊर्जा और जीवन शक्ति, मैत्री और सामाजिक एकजुटता की सामूहिक भावना से आती है। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय के लिए यह बहुत संतोष और गर्व की बात है कि यह न केवल आकार में, बल्कि सही दिशा में भी बड़े हैं। हम नई ऊंचाईयों को हासिल करने के लिए अपने क्षितिज का विस्तार कर रहे हैं।

पिछले पांच दशकों में कॉलेज ने महिलाओं के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाते हुए कला और सामाजिक विज्ञान तथा शिक्षा के क्षेत्र में अपने लिए एक विशेष जगह बनाई है। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय एक विस्तृत महाविद्यालय है जिसमें करीब 3700 छात्र हैं। महाविद्यालय उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अपने संसाधनों का यथाशक्ति उपयोग करता है। रविवार और अन्य छुट्टियों पर यह नॉन कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड के रूप में एक शिक्षण केंद्र है।

संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ

प्रो. (डॉ.) प्रत्यूष वत्सला
प्राचार्य, लक्ष्मीबाई कॉलेज

पुरस्कार : राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान 2018 संसदीय हिंदी समिति

2017 **Dr. Anita Malhotra** Department of Home Science	**2018** **Dr. Sucheta Gauba** Department of Commerce

2019 **Dr. Alka Harneja** Department of Commerce	**2020** **Dr. Lata Sharma** Department of Commerce

	 दिल्ली विश्वविद्यालय University of Delhi **PRESS RELEASE** Sixteen colleges of the University of Delhi ranked among the best colleges of India in the India Today Group Ranking, 2021, which has been conducting the most authentic college ranking surveys over the last two decades. The Hon'ble Vice Chancellor felicitated the Principals of the colleges in the Council Hall of the Viceregal Lodge. He congratulated them for their commendable achievements and tireless efforts in upholding the academic excellence of the university. He went on to admire their sustained efforts in Covid care and highlighted the importance of camaraderie among the various colleges. The principals, on their part, expressed their deep sense of appreciation at this very warm gesture on the part of the university. Each Principal individually expressed heartfelt gratitude for the inspiring leadership, the administration's deep sense of involvement and constant encouragement of their activities. 30th June, 2021 REGISTRAR	
Lakshmibai College **One of the Best Upcoming College in Rankings** **2020**		**Dr. Sangita Sharma** **Department of Political Science** **Best Programme Officer University Level** **NSS Award 2019** **(Left for Heavenly Abode in 2021)**

Dr. Isha Chawla **Department of Economics** **2019** **(Took VRS from College in 2021)**	**Dr. T.K. Janaki** **Department of Commerce** **International Faculty Award** **2020**	**Dr. Seema Sharma** **Dr. G.P. Gautam National Award for being the Best Physical Education Teacher in India** **Department of Physical Education** **2019**

प्रशासन

प्राचार्य	डॉ प्रत्यूष वत्सला
कोषाध्यक्ष	डॉ गायत्री
प्रशासनिक अधिकारी	मोनिका कपूर
अनुभाग अधिकारी (प्रशासनिक)	श्री प्रेमकान्त
अनुभाग अधिकारी (लेखा)	श्री शैलेन्द्र

सहायक समूह (विभागवार)

श्री विजय प्रकाश	बी.ए. प्रोग्राम	dealing1@lb.du.ac.in
समीक्षा लूथरा	बी. कॉम (ऑनर्स) बी. कॉम (प्रोग्राम) बीएससी गणित (ऑनर्स) बी.बी.ई.	dealing2@lb.du.ac,.in
... हिमांशु राही	सभी ऑनर्स पाठ्यक्रम	dealing3@lb.du.ac.in

प्रवेश के लिए समितियाँ (2021–2022)

प्राचार्य	डॉ० प्रत्यूष वत्सला
प्रवेश समिति	डॉ० अनीता गोयल (नोडल अधिकारी एवं संयोजक) डॉ० सीमा शर्मा (सदस्य) डॉ० टी० के० जानकी (सदस्य)
बी.ए. (प्रोग्राम) प्रवेश समिति	डॉ० अनीता अग्रवाल (समन्वयक) डॉ० निर्मल शाहिद डॉ० रेनू जैन
बी. कॉम प्रवेश समिति	डॉ० मीनू (विभाग प्रभारी) डॉ० ए० प्रोचेल्वी अमिता मल्होत्रा
शिकायत निवारण समिति	डॉ० पिंकी मौर्या (संयोजक) डॉ० गीता सहारे रूचि आहूजा
शिकायत निवारण उपसमिति एससी / एसटी / ओबीसी / इडब्ल्यूएस के लिए	राजश्री रॉय (सम्पर्क अधिकारी) डॉ० मनीषा शंखवार
दिव्यांग छात्र सहायता	डॉ० सोनिया डबास
हेल्प डेरक (एससी / एसटी / ओबीसी / इडब्ल्यूएस)	डॉ० रामाथॉट खोन्ग्रेवू (संयोजक) डॉ० एल आरएस लक्ष्मी डॉ० सोनिया डबास
खेल प्रवेश समिति	डॉ० सुनीता अरोडा (संयोजक) डॉ० सीमा शर्मा (सदस्य) डॉ० मीनू (सदस्य)

ईसीए प्रवेश समिति	सुश्री राजश्री रॉय (संयोजक) डॉ० सुचेता चतुर्वेदी सुश्री दीबा जाफिर
पीएसएसएसएस संपर्क अधिकारी	डॉ० ए० प्रो. चेल्वी
अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समन्वयक	सुश्री हेमलता
बिजनेस इकोनॉमिक्स	श्रीमती अमिता मल्होत्रा
वाणिज्य	डॉ० मीनू
अर्थशास्त्र	सुश्री उज्जयिनी रॉय
अंग्रेजी	सुश्री आशिमा कँवर
हिंदी	डॉ० अंशु सिंह झरवाल
इतिहास	डॉ० गीतांजलि डे
गृहविज्ञान	डॉ० अनीता मल्होत्रा
गणित	डॉ० गुनीत भाटिया
संगीत	डॉ० रेनू जैन
दर्शनशास्त्र	डॉ० मानसी गुप्ता
शारीरिक विज्ञान	सुश्री आँचल
पंजाबी	डॉ० निर्मल शाहिद
मनोविज्ञान	श्रीमती प्रमिला (प्रवेश समन्वयक)
समाजशास्त्र	श्रीमती प्रमिला (प्रवेश समन्वयक)
महिला हेल्पलाइन और आपातकालीन नंबर	181, 112, 132, 1091

रैगिंग निषेध समिति

डॉ० सीमा शर्मा seemakaushik@lb.du.ac.in

डॉ० टी.के. जानकी janaki@lb.du.ac.in

विभाग प्रभारियों की सूची

विभाग	नाम	ई–मेल
बिजनेस इकोनॉमिक्स	श्रीमती अमिता मल्होत्रा	amitamalhotra@lb.du.ac.in
वाणिज्य	डॉ० मीनू	commercehod@lb.du.ac.in
अर्थशास्त्र	सुश्री उज्जयिनी रॉय	ujjayini@lb.du.ac.in
अंग्रेजी	सुश्री आशिमा कँवर	englishhod@lb.du.ac.in
हिंदी	डॉ० अंशु सिंह झरवाल	hindihod@lb.du.ac.in
इतिहास	डॉ० गीतांजलि डे	historyhod@lb.du.ac.in
गृह विज्ञान	डॉ० अनीता मल्होत्रा	hsciencehod@lb.du.ac.in
गणित	डॉ० गुनीत भाटिया	mathhod@lb.du.ac.in
संगीत	डॉ० रेनू जैन	musichod@lb.du.ac.in
दर्शनशास्त्र	डॉ० मानसी गुप्ता	philosophyhod@lb.du.ac.in
शारीरिक शिक्षा	डॉ० सुनीता अरोड़ा	physicaleducationhod@lb.du.ac.in
राजनीति विज्ञान	सुश्री आँचल	polsciencehod@lb.du.ac.in
पंजाबी	डॉ० निर्मल शाहिद	punjabihod@lb.du.ac.in
संस्कृत	डॉ० डोलामणि आर्या	sanskrithod@lb.du.ac.in
मनोविज्ञान (प्रवेश समन्वयक)	श्रीमती प्रमिला	psychologyhod@lb.du.ac.in
समाजशास्त्र (प्रवेश समन्वयक)	श्रीमती प्रमिला	socialogyhod@lb.du.ac.in

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

1. स्नातक स्तरीय

1.1 मेरिट आधारित

1.1(a) (ऑनर्स) पाठ्यक्रम

बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र

बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी

बीए (ऑनर्स) हिंदी

बीए (ऑनर्स) इतिहास

बीएसी (ऑनर्स) गणित

बीए (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र

बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान

बीए (ऑनर्स) संस्कृत

बीए (ऑनर्स) समाजशास्त्र

बीकॉम (ऑनर्स)

बीए (ऑनर्स) गृह विज्ञान

1.1(ख) (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

बीए (प्रोग्राम)

बीकॉम (प्रोग्राम)

1.2 प्रवेश परीक्षा आधारित पाठ्यक्रम

बीए (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स (बीबीई)

2. अल्पावधि पाठ्यक्रम/अन्य पाठ्यक्रम

महिला और कानूनी साक्षरता

विदेशी भाषाओं में प्रमाण पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम (चीनी, जापानी, स्पेनिश, जर्मन और फ्रेंच)

अंग्रेजी भाषा और व्यक्ति विकास पाठ्यक्रम

2D और 3D और स्टॉप मोशन,

3. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए. दर्शनशास्त्र

एम.ए. राजनीति विज्ञान

एम.ए. संस्कृत

विदेशी भाषा और कौशल पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में महाविद्यालय की बेवसाइट से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

2021–22 के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम और छात्रों की संख्या

विभाग / पाठ्यक्रमानुसार छात्र संख्या 2020–21

	प्रस्तावित सीटों की संख्या					
कोर्स का नाम	कुल	सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	ईडब्ल्यूएस
बी.ए. (प्रोग्राम)	531	214	80	40	144	53
बी.कॉम (प्रोग्राम)	231	94	35	17	62	23
बी.ए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	115	46	17	9	31	12
बी.कॉम	115	46	17	9	31	12
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	58	23	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी	58	23	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	58	23	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	58	23	9	4	16	6
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	58	23	9	4	16	6

बी.ए. (ऑनर्स) दर्शन	58	23	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	58	23	9	4	16	6
बी.बी.ई.	38	15	6	3	10	4
बी.ए. (ऑनर्स) समाजशास्त्र	58	23	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	58	23	9	4	16	6
बी.एससी. (ऑनर्स) गृह विज्ञान	40	16	6	3	11	4

बी.ए. प्रोग्राम डिसिप्लिन विषयों का संयोजन (2021–22)

1	राजनीति विज्ञान	इतिहास	71	23	11	5	19	7
2	राजनीति विज्ञान	कम्प्यूटर अनुप्रयोग	16	6	3	1	4	2
3	राजनीति विज्ञान	पंजाबी	14	6	2	1	4	1
4	राजनीति विज्ञान	शारीरिक शिक्षा	45	18	8	3	12	4
5	राजनीति विज्ञान	दर्शनशास्त्र	50	20	9	3	13	5
6	राजनीति विज्ञान	हिन्दी	13	5	2	1	4	1

7	इतिहास	संस्कृत	28	12	4	2	7	3
8	इतिहास	संगीत	12	5	2	1	3	1
9	इतिहास	हिन्दी	25	10	3	2	7	3
10	अर्थशास्त्र	विज्ञापन, एस पी, एस सम	46	19	8	3	12	4
11	अर्थशास्त्र	अंग्रेजी	25	10	3	2	7	3
12	अर्थशास्त्र	गणित	25	10	3	2	7	3
13	अर्थशास्त्र	कम्प्यूटर अनुप्रयोग	32	13	5	2	9	3
14	दर्शनशास्त्र	गणित	10	4	1	1	3	1
15	दर्शनशास्त्र	समाजशास्त्र	48	19	7	4	13	5
16	दर्शनशास्त्र	मनोविज्ञान	22	9	3	2	6	2
17	समाजशास्त्र	संगीत	08	3	1	1	2	1
18	समाजशास्त्र	पंजाबी	08	3	1	1	2	1
19	मनोविज्ञान	अंग्रेजी	13	5	2	1	4	1
20	मनोविज्ञान	विज्ञान एसएस पी. एस एच	10	4	1	1	3	1
21	मनोविज्ञान	शारीरिक शिक्षा	10	4	1	1	3	1
	कुल संख्या		531	214	80	40	144	53

नोट– दी गई सूची से छात्रों को डिसिप्लिन पाठ्यक्रम के संयोजन/कोबिनेशन चुनना अनिवार्य है।

श्रेणी

वर्ष 2021–22 खेलल संवर्ग के अन्तर्गत स्नातक पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या

क्रमांक	खेल	सीटों में संख्या
1	तीरंदाजी	2
2	व्यायाम	7
3	मुक्केबाजी	3
4	क्रिकेट	4
5	जूडो	4
6	खो–खो	4
7	कबड्डी	5
8	नेटबॉल	5
9	सॉफ्ट बॉल	7
10	शूटिंग	26
11	वॉली बॉल	16
12	कुश्ती	3
	कुल	54

वर्ष 2021–22 ईसीए संवर्ग के अन्तर्गत स्नातक पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या–

श्रेणी	उपश्रेणी	सीटों की संख्या
नृत्य	भारतीय शास्त्रीय	5
वाद–विवाद	वाद–विवाद (हिन्दी)	3
डिजिटल मीडिया	वाद–विवाद (अंग्रेजी)	3
	फोटोग्राफी	3
	फिल्म बनाना	2
ललित कला	स्केचिंग और पेंटिंग	2
संगीत (गायन)	भारतीय शास्त्रीय नृत्य और सामान्य	
संगीत वाद्य भारतीय	हारमोनियम	1
संगीत पाश्चात्य	की बोर्ड	1
थिएटर	थिएटर	2
योग	योग	2
कुल		25

नोट– दी गई सूची में छात्रों को डिसिप्लिन पाठ्यक्रम के संयोजन चुनना अनिवार्य है।

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली – सीबीसीएस

सीबीसीएस छात्रों को दिये गए पाठ्यक्रम से चयन वैकल्पिक/लघु या कौशल आधारित पाठ्यक्रम जो पारंपरिक मूल्यांकन ग्रेडिंग प्रणाली के आधार पर होता है। यह पारंपरिक मूल्यांकन से बेहतर होता है। भारत की सम्पूर्ण उच्चतर शिक्षा में सामान्य ग्रेडिंग प्रणाली के इसे पुनर्स्थापित किया गया है। इससे छात्रों को भारत के शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश करने में मदद मिलती है। सामान्य ग्रेडिंग प्रणाली से चयनकर्ताओं को उम्मीदवारों के प्रदर्शन का पता लगाने में मदद मिलती है। मूल्यांकन प्रणाली में एकरूपता लाने और संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सी.जी.पी.ए.) की गणना करने के लिए यू.जी.सी ने निम्नलिखित दिशा–निर्देश दिए हैं–

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली की रूपरेखा (सी.बी.सी.एस)'

1. कोर कोर्सः एक कोर, जिसे अनिवार्य रूप से एक उम्मीदवार द्वारा मुख्य रूप में अध्ययन किया जाना चाहिए।

2. वैकल्पिक पाठ्यक्रम : आम तौर पर वह पाठ्यक्रम जिसे पाठ्यक्रमों के पूल से चुना जा सकता है और जो अध्ययन के विषय में एक विस्तारित दायरा प्रदान करता है जो किसी अन्य अनुशासन/ विषय के लिए सहायक हो सकता है। इसे वैकल्पिक पाठ्यक्रम कहा जाता है, यह उम्मीदवार की दक्षता/कौशल को पोषित करता है।

2.1 डिसिप्लिन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसई) पाठ्यक्रम : इलेक्टिव कोर्स मुख्य अनुशासन/विषय अध्ययन द्वारा प्रस्तुत किए जा सकते हैं जिसे अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक कहा जाता है। विश्वविद्यालय/संस्थान अंतः विषय प्रकृति के अनुशासन में संबंधित ऐच्छिक पाठ्यक्रमों (मुख्य अनुशासन/अध्ययन के विषय द्वारा पेश किए जाने की पेशकश भी कर सकता है)।

2.2 शोध प्रबंध/ परियोजना : एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम विशेष/उन्नत ज्ञान प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया गया है, जैसे कि एक परियोजना कार्य के लिए पूरक अध्ययन/समर्थन अध्ययन, और एक उम्मीदवार एक शिक्षक/संकाय

सदस्य द्वारा सलाहकार सहायता के साथ अपनी प्रतिभा के अनुसार पर इस तरह के पाठ्यक्रम का अध्ययन करता है, जिसे शोध प्रबंध/परियोजना कहा जाता है।

2.3 जेनेरिक सामान्य वैकल्पिक (जीई) पाठ्यक्रम : एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम है जो आम तौर पर एक अनुशासन/विषय से चुना जाता है। इसे सामान्य वैकल्पिक कहा जाता है। पुनश्च+ एक अनुशासन/ विषय में प्रस्तुत किए गए एक कोर कोर्स को अन्य डिसिप्लिन / विषय द्वारा ऐच्छिक माना जाता है और इसके विपरीत और ऐसे ऐच्छिक को सामान्य वैकल्पिक भी कहा जा सकता है।

3. क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (एइसीसी)/योग्यता संवर्धक पाठ्यक्रम/कौशल संवर्धक पाठ्यक्रम/ फ़ांउडेशन कोर्स : "एइसीसी" पाठ्यक्रम ज्ञान वृद्धि की ओर ले जाने वाली सामग्री के आधार पर चुना गया पाठ्यक्रम है। यह (i) पर्यावरण विज्ञान, (ii) अंग्रेजी/एमआईएल संचार सभी विषयों के लिए अनिवार्य है। एइसीसी पाठ्यक्रम मूल्य आधारित/कौशल आधारित है। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण, दक्षता, कौशल आदि प्रदान करना है।

3.1 एइसीसी अनिवार्य पाठ्यक्रम (एइसीसी): पर्यावरण विज्ञान, अंग्रेजी संप्रेषण/ हिंदी संप्रेषण/एमआइएल

3.2 एइ ऐच्छिक पाठ्यक्रम (एइइसी) : इन पाठ्यक्रमों को मूल्य–आधारित/ कौशल आधारित निर्देश प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रमों के पूल से चुना जा सकता है। परियोजना कार्य/शोध प्रबंध को एक विषय पाठ्यक्रम के रूप में माना जाता है जिसमें वास्तविक जीवन की स्थिति/कठिन समस्या को सुलझाने/विश्लेषण/खोज करने में ज्ञान का अनुप्रयोग शामिल है।

3.3 कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम–(एसइसी) मूल्य आधारित है और इसका उद्देश्य प्रशिक्षण, दक्षताएं कौशल आदि प्रदान करना है।

संरचना से संबंधित जानकारी, चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली के तहत विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों के अन्य विवरणों से संबंधित जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक को देखें।

http://www.du.ac.in/du/index.php? page=undergraduate

बीए (प्रो.) पाठ्यक्रम की संरचना (सीबीसीएस)

सेमेस्टर–I	सेमेस्टर II	सेमेस्टर III	सेमेस्टर IV	सेमेस्टर V	सेमेस्टर VI
डिसिप्लिन विशिष्ट कोर पेपर I	डिसिप्लिन विशिष्ट कोर पेपर III	डिसिप्लिन विशिष्ट कोर पेपर B	डिसिप्लिन विशिष्ट कोर पेपर VII	डिसिप्लिन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसइ–1 अ)	डिसिप्लिन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसइ–2ब))
डिसिप्लिन विशिष्ट कोर पेपर II	डिसिप्लिन विशिष्ट कोर पेपर IV	डिसिलिपन विशिष्ट कोर पेपर VI	डिसिलिपन विशिष्ट कोर पेपर VIII	डिसिप्लिन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसइ–2अ)	डिसिप्लिन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसइ–2ब)
एनसीसी–1 अंग्रेजी/एमआइएसल कम्पयूनिकेशन	एइसीसी–2–इवीएस	एसईसी–1	एसइसी–2	एसइसी–3	एसइसी–4
कोर भाषा अंग्रेजी–1	कोर भाषा 2–एमआइएसल–1 (हिन्दी/संस्कृत/पंजाबी)	कोर भाषा एमआइएसल–2 (हिंदी/संस्कृत/पंजाबी)	कोर भाषा – अंग्रेजी 2	जीइ–1	जीइ–2

बी कॉम (प्रो) पाठ्यक्रम की संरचना (सीबीसीएस)

सेमेस्टर I	सेमेस्टर II	सेमेस्टर III	सेमेस्टर IV	सेमेस्टर V	सेमेस्टर VI
कोर पेपर I	कोर पेर III	कोर पेपर V	कोर पेपर VII	डिसिप्लिन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसइ–1अ)	डिसिल्पिन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसइ–1ब)
कोर पेपर II	कोर पेपर IV	कोर पेपर VI	कोर पेपर VIII	डिसिप्लिन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसइ–2अ)	डिसिप्लिन विशिष्ट वैकल्पिक (डीएसइ–2ब)

एइसीसी–1– इवीएस	एससी–2– अंग्रेजी / एमआइल कम्यूनिकेशन	एसइसी–1	एमइसी–2	एसइसी–3	एमइसी–4
कोर भाषा– अंग्रेजी–1	कोर भाषा 2–एमआइएल 1 (हिंदी / संस्कृत / पंजाबी)	कोर भाषा– एमआइएल 2 (हिंदी / संस्कृत / पंजाबी	कोर भाषा– अंग्रेजी–2	जीइ–1	जीइ–2

बी ए / बी कॉम / बी एस सी ऑनर्स पाठ्यक्रम– सीबीसीएस की संरचना के अनुसार

सेमेस्टर 1	सेमेस्टर 2	सेमेस्टर 3	सेमेस्टर 4	सेमेस्टर 5	सेमेस्टर 6
एइसीसी1– इवीएस / संप्रेषण (अंग्रेजी, हिन्दी संस्कृत)	एइसीसी2 – इवीएस / कम्यूनिकेशन (अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत)	कोर पेपर–5	कोर पेपर–8	कोर पेपर–11	कोर पेपर – 13
कोर पेपर–1	कोर पेपर–3	कोर पेपर–6	कोर पेपर–9	कोर पेपर–12	कोर पेपर–14
कोर पेपर–2	कोर पेपर–4	कोर पेपर–7	कोर–10	डीएसई – पेपर 1	डीएसई – पेपर 3
जीइ–1	जीइ–2	जीइ–3	जीइ–4	डीएसइ – पेपर 2	डीएसइ – पेपर 4
		एसइसी–1	एसइसी–2		

- एइसीसी सभी छात्रों के लिए सेमेस्टर 1 अथवा 2 में पढ़ना अनिवार्य है।
- डीएससी–डिसिप्लिन विशिष्ट कोर
- डीएसइ (डिसिप्लिन विशिष्ट इलेक्टिव) जो विभाग द्वारा प्रस्तावित है।
- जीई–जेनरिक इलेक्टिव किसी असम्बंधित डिसिप्लिन से चुना गया।
- एमआइएल– आधुनिक भारतीय भाषाएं – (हिन्दी/संस्कृत/पंजाबी)
- एसइसी– (कौशल संवर्धक पाठ्यक्रम) महत्व आधारित है इसका उद्देश्य दक्षताओं, कौशल को मजबूती प्रदान करना है।

शैक्षणिक सत्र 2020–21 के लिए विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु दिशानिर्देश और अनुसूची

1. स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश 2021–22

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश योग्यता आधारित है (यानी कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में मिले अंकों के आधार पर) या प्रवेश आधारित (इच्छुक छात्र द्वारा चयनित पाठ्यक्रम के आधार पर लिखित/व्यावहारिक परीक्षाओं के आधार पर) होगा।

1. सभी आवेदकों को दिल्ली विश्वविद्यालय के निम्न पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। www.admission.uod.ac.in

2. 2021–21 के लिए सभी स्नातक प्रवेश केवल इसी पोर्टल के माध्यम से किए जाएंगे।

3. किसी भी आवेदक के लिए ऑफलाइन प्रवेश नहीं है।

4. जिन आवेदकों ने विश्वविद्यालय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कराया है, वे ही प्रवेश के पात्र हो सकते हैं।

5. आवेदकों को दिल्ली विश्वविद्यालय/कॉलेज द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए प्रवेश प्रक्रिया के अंत में विश्वविद्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

6. अन्य सभी प्रवेश प्रक्रियाएं आवेदक द्वारा अपनी विशिष्ट लॉगिन आईडी का उपयोग करके पूरी की जा सकती है जो उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक पोर्टल पर अपनी आईडी बनाई है (पंजीकरण प्रक्रिया की सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दी जाएगी)।

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पात्रता मानदंड

- आवेदक को भारत का नागरिक होना चाहिए। (विदेशी छात्रों की श्रेणी के अंतर्गत प्रवेश के इच्छुक आवेदक पंजीकरण के लिए निम्न वेबसाइट पर अलग से आवेदन करे http:/fsi.du.ac.in)
- आवेदक को किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय से कक्षा 12वीं कक्षा पास होना आवश्यक है। जो भारत में या विदेश में एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज (एआईयू) द्वारा 10+2 प्रणाली के समकक्ष हो।
- आवेदक को प्रत्येक विषय में पास होना चाहिए। (प्रायोगिक परीक्षा सहित यदि कोई हो) योग्यता और पाठ्यक्रम के लिए पात्रता की गणना के लिए यदि वे प्रवेश चाहते हैं।
- स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए अंतर वर्षों वाले आवेदकों को प्रवेश के उद्देश्य से कोई नुकसान नहीं होगा।
- यूआर/एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस श्रेणियों के तहत आवेदक सभी कॉलेज/विभागों में पाठ्यक्रमों में योग्यता और प्रवेश परीक्षा दोनों के आधार पर प्रवेश लेने के पात्र हैं। (अल्पसंख्यक कॉलेज में कुछ श्रेणियां लागू नहीं हो सकती हैं)।

- सिख और ईसाई अल्पसंख्यकों से संबंधित आवेदक अल्पसंख्यक कोटा के तहत विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक कॉलेजों में प्रवेश की मांग कर सकते हैं।
- निम्नलिखित श्रेणियों को "अधिसंख्य" नामित किया गया है:–

i) दिव्यांग (विकलांग व्यक्ति);

ii) सीडब्ल्यू (अर्धसैनिक सहित सशस्त्र बलों के कर्मियों के बच्चें/विधवाएं)

iii) केएस (कश्मीरी प्रवासी);

iv) जम्मू–कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति;

v) एसएन (सिक्किम छात्रों को नामित);

vi) डब्लू क्यू (वार्ड कोटा);

vii) इसीए (पाठ्येत्तर गतिविधियां);

viii) खेल

नोटः उपर्युक्त i से viii तक की श्रेणियां उन पाठ्यक्रम पर लागू होती हैं, जहां प्रवेश योग्यता के आधार पर होता है। उपर्युक्त i, II और vi श्रेणियां केवल उन पाठ्यक्रमों पर लागू होती हैं जहां परीक्षाओं के आधार पर प्रवेश होता है।

1.1 ऑनलाइन पंजीकरण के लिए शुल्क

अनारक्षित /ओबीसी/इडब्ल्यूएस के लिए योग्यता पाठ्यक्रमों में पंजीकरण शुल्क	रु. 250
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग के लिए	रु. 100
इसीए/खेल के लिए अतिरिक्त	रु. 100
अनारक्षित/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस के लिए प्रवेश परीक्षा पर आधारित पाठ्यक्रम के लिए	रु. 750
अ.जा/अ.ज.जा./दिव्यांग के लिए प्रवेश परीक्षा पर आधारित पाठ्यक्रम के लिए	रु. 300
प्रवेश निरस्तीकरण शुल्क	रु. 1000

पंजीकरण शुल्क की अदायगी के बाद ही ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया पूरी की जाती है। आवेदकों को सुनिश्चित करना होगा कि पंजीकरण शुल्क सही पोर्टल पर प्रस्तुत किया गया है; विश्वविद्यालय स्नातक प्रवेश पोर्टल पर आवेदक के डैशबोर्ड के माध्यम से उपलब्ध कराए गए निवेशकों पर विचार नहीं किया जाएगा।

आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे पंजीकरण प्रक्रिया को समय पर अच्छी तरह से पूर्ण करें और अंतिम दिन का इंतजार न करें।

आवेदन में त्रुटि पाए जाने पर पंजीकरण शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। बाद के चरण में पाठ्यक्रम या संबंधित श्रेणी के लिए अयोग्य आवेदक को सलाह दी जाती है कि जांच करें कि वे पाठ्यक्रम के लिए सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं जिसके लिये वे आवेदन कर रहे हैं।

प्रवेश परीक्षा में बैठने की अनुमति आवेदक के अध्ययन से संबंधित पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने के अधीन है। यदि कोई आवेदक संबंधित पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित किसी भी पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करता है और प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होता है, तो इसकी जिम्मेदारी आवेदक की है। यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं कर रहे हैं, प्रवेश यदि दिया गया है, तो उसे निरस्त कर दिया जाएगा।

2 स्नातक योग्यता आधारित प्रवेश प्रक्रिया

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित किए गए पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित सुझाए गए पाठ्यक्रम और श्रेणीवार योग्यता सूची का पालन दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजो/विभागों द्वारा किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न संकायों जैसे कला, सामाजिक, विज्ञान, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी, अभितीय विज्ञान, अनुप्रयुक्त

सामाजिक विज्ञान और मानविकी, गणित विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और इंटर–डिसिप्लिनरी और एप्लाइड साइंसेज के तहत विभिन्न संकायों में अपने संबद्ध कॉलेजों के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने सभी स्नातक कार्यक्रमों (पाठ्यक्रम संरचना के बारे में जानकारी के लिए परिशिष्ट देखें) के लिए चयन आधारित पाठ्यक्रम प्रणाली (सीबीसीएस) लागू किया है। स्नातक स्तर पर प्रस्तावित प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए पात्रता के लिए विभिन्न मानदंड नीचे सूचीबद्ध हैं आवेदकों को इन बिंदुओं को अच्छी तरह से जांच करने के बाद ही आवेदन प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहिए।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश सूचना के इस बुलेटिन में विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट विभिन्न मानदंडों और प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जाता है। सूचना बुलेटिन के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित लोगों के अलावा कॉलेजों द्वारा कोई अतिरिक्त पात्रता मानदंड निर्धारित नहीं किए गए हैं।

2.1 योग्यता आधारित स्नातक प्रवेश के लिए पाठ्यक्रम– वार योग्यता सूची

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित सुझाए गए पाठ्यक्रम और श्रेणीवार मेघा सूची का पालन दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों/विभागों द्वारा किया जाएगा।

कला, वाणिज्य, गणित विज्ञान, संगीत, सामाजिक विज्ञान, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकायों के माध्यम से पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये आवेदन द्वारा दर्ज किए गये अंक पाठ्यक्रम विशिष्ट संयोजनों के 'श्रेष्ठ चार' के कुल अंकों की गणना के आधार पर तथा साइंस, एप्लाइड सामाजिक विज्ञान और मानविकी, और 'तीन विषयों' के तहत पाठ्यक्रमों में प्रवेश के रूप में काम करेंगे। यह यूजी प्रवेश पोर्टल पर पहले प्रदर्शित किया जा सकता है।

कॉलेजों/विभागों द्वारा कट ऑफ मार्क्स की घोषणा

सुझास गए कोर्स और श्रेणीवार मेघा सूची के प्रकाशन के बाद जिन आवेदकों के अंक अद्यतन किए जाते हैं, उनके लिए एक अलग अद्यतन मेघा सूची को अनुबंध के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

उक्त मेघा सूची को सुगम बनाने के लिए आवेदक सूची ए और सूची बी के प्रासंगिक विषयों का चयन कर सकता है।

- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के आवदेकों की पात्रता और योग्यता निर्धारित करने के लिए उनको अनारक्षित श्रेणी के आवेदकों के लिए निर्धारित संबंधित पात्रता मानदंड और निर्धारित प्रवेश के लिए योग्यता में 5% छूट देने के बाद यदि ये आरक्षित सीटें खाली रहती हैं, तो संबंधित पाठ्यक्रम सभी आरक्षित सीटों को भरने के लिए आवश्यक सीमा तक छूट दी जाएगी। ऐसे मामलों में पात्रता उत्तीर्णता प्रतिशत मात्र है।
- पात्रता और योग्यता निर्धारित करने के लिए ओबीसी वर्ग के आवेदकों को यूआर श्रेणी से आवेदकों के लिए निर्धारित पात्रता अंकों में से 10 प्रतिशत तक अर्हता परीक्षा में संबंधित पात्रता में छूट दी जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी कोर्स में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता यूआर श्रेणी के आवेदकों के लए 40% है, तो ओबीसी श्रेणी के लिए न्यूनतम पात्रता 36% यानि 40% का 10% कम होगी।)
- दिव्यांग श्रेणी के आवेदकों को उत्तीर्णता परीक्षा से संबंधित कोर्स के लिए पात्रता में 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी कोर्स में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता यूआर श्रेणी के आवेदकों के लिए 40% है, तो सीडब्ल्यू श्रेणी के लिए न्यूनतम पात्रता 38% (यानी 4% माइनस 40% की 5%) होगी।
- इडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत योग्यता आधारित प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड अनारक्षित श्रेणी के समान होंगे।

2.1.2 पाठ्यक्रम–विशिष्ट पात्रता और विषयों की मेरिट सूचियों की गणनाः

टेबल पेज 19

कम्पुटिंग मेरिट गणनाः सामान्य दिशा निर्देश : पाठ्यक्रम विशिष्ट पात्रता मानदंड उस मेरिट स्कोर का निर्धारण करते हैं जिस पर प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश आधारित होता है। आवेदकों को इन मानदंडों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना चाहिए ताकि वे यह समझ सकें कि क्या वे अर्हता प्राप्त करते हैं। विस्तृत पाठ्यक्रम विशिष्ट मानदंड नीचे अनुभाग 2.2 – 2.9 में हैं।

1. सभी अकादमिक विषयों को "वैकल्पिक" माना जा सकता है। गणना के लिए पात्र विषय (के अधीन पाठ्यक्रम–विशिष्ट मानदंड) सूची ए और सूची बी में ऊपर सूचीबद्ध हैं।

2. विश्वविद्यालय किसी विशेष पाठ्यक्रम के लिए अकादमिक/ऐच्छिक के रूप में किसी अन्य प्रासंगिक विषयों को पारिभाषित कर सकता है।

3. योग्यता की गणना कला, वाणिज्य, गणित विज्ञान, संगीत, सामाजिक विज्ञान, एप्लाइड सामाजिक विज्ञान और मानविकी के संकायों के माध्यम से पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए "सर्वश्रेष्ठ चार" विषयों में क्वालीफाइंग परीक्षा में प्राप्त अंकों के पाठ्यक्रम–विशिष्ट संयोजनों और विज्ञान और एप्लाइड साइंसेज के संकायों के तहत पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए "तीन विषयों" के पाठ्यक्रम–विशिष्ट संयोजनों के माध्यमों से की जाती हैं।

1. यदि किसी पेपर का शीर्षक ऊपर सूची 'ए' और सूची 'बी' में निर्दिष्ट है, तो आवेदक के लिए संस्थान के प्रधान/प्रमुख से सत्यापन प्रमाण–पत्र के साथ मेल नहीं खाता है, यह प्रमाणित करता है मानक प्रमाण पत्र उस पेपर के लिए एनसीइआरटी कक्षा 12वीं पाठ्यक्रम के बराबर है। मानक प्रमाण पत्र संस्थान के

प्रमुख द्वारा सत्यापित पेपर के पाठ्यक्रम की प्रति के साथ होना चाहिए। हालांकि इस मामले पर दिल्ली विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

2. यदि आवेदक ने "वनस्पति विज्ञान" और "प्राणी विज्ञान" का अलग से अध्ययन किया है, तो इन दोनों पेपरों में कुल अंक आपके प्रवेश फार्म में प्रदान किए गए "जीव विज्ञान" शीर्ष के तहत सैद्धांतिक और प्रायोगिक अंकों के लिए संबंधित क्षेत्रों में दर्ज किए जाने चाहिए।

3. यदि आवेदक के अंत पत्र में में 11 और 12वीं दोनों के अंक होते हैं तो आवेदक को प्रवेश फार्मों में दिए गए संबंधित क्षेत्रों में केवल 12वीं कक्षा के अंक ही दर्ज करने होंगे।

4. आवेदकों को सैद्धांतिकी और प्रायोगिकमी दोनों में सफल होना आवश्यक है। अगर पेपर सैद्धांतिकी में 70% से कम हो तब भी सैद्धांतिकी और प्रायोगिकी वाले किसी भी पेर के लिए केवल 70% सैद्धांतिकी 30% प्रायोगिकी के अनुसार विचार किया जाएगा। आवेदक को ऑनलाइन आवेदन पत्र में अपने अंक पत्र के अनुसार सैद्धांतिकी और प्रायोगिकी प्रत्येक के लिए अधिकतम अंक और कुल योग अलग–अलग भरना चाहिये। यदि सैद्धांतिकी और प्रायोगिकी का विभाजन निर्दिष्ट नहीं है, तो आवेदक को इसके लिए पहले क्षेत्र ("सैद्धांतिकी") में केवल अपने कुल अंक दर्ज करने की आवश्यकता होगा। ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म में (नमूना गणना के लिए परिशिष्ट नौंवी, उदाहरण 1 दखें।

5. किसी भी अंक यंत्र में उल्लिखित "आंतरिक मूल्यांकन" अंक, यदि कोई हो, तो किसी के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा। सैद्धांतिकी , प्रायोगिकी थ्योरी, प्रैक्टिकल या योग से संबंधित अंकों में कोई विसंगति की ज़िम्मेदारी आवेदक की होगी। आवेदक को फार्म भरने में अत्यंत सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। प्रवेश फॉर्म में त्रुटियां होने पर पंजीकरण फॉर्म निरस्त किया जा सकता है।

2.1 योग्यता–आधारित स्नातक प्रवेश के लिए कार्यक्रम–अनुसार मेरिट सूची

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित सुझाए गए कार्यक्रम–और श्रेणी–अनुसार मेरिट सूची का पालन दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों/विभागों द्वारा किया जाएगा। उम्मीदवार द्वारा दर्ज किए गए अंक (स्नातक प्रवेश पोर्टल पर पंजीकरण के समय) कला, वाणिज्य संकायों के माध्यम से कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए **''सर्वश्रेष्ठ चार''** के कार्यक्रम–विशिष्ट संयोजनों के लिए कुल अंकों की गणना के आधार के रूप में काम करेंगे। विज्ञान और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकायों के तहत कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए गणितीय विज्ञान, संगीत, सामाजिक विज्ञान, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी, और **''तीन विषय''**। इसे कॉलेजों/विभागों द्वारा प्रथम कट–ऑफ अंक घोषित करने से पहले स्नातक प्रवेश पोर्टल पर प्रदर्शित किया जा सकता है।

उन उम्मीदवारों के लिए एक अलग अद्यतन योग्यता सूची एक अनुलग्नक के रूप में प्रकाशित की जाएगी, जिनके अंक सुझाए गए कार्यक्रम और श्रेणी–अनुसार मेरिट सूची के प्रकाशन के बाद अपडेट किए गए हैं। उक्त मेरिट सूची को सुविधाजनक बनाने के लिए, उम्मीदवार सूची ए और सूची बी से प्रासंगिक विषयों का चयन कर सकते हैं।

2.1.1 कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड में छूट

- उनकी पात्रता और योग्यता निर्धारित करने के लिए, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों को संबंधित पात्रता मानदंड में 5% की सीमा तक छूट दी जाएगी और अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित प्रवेश के लिए योग्यता दी जाएगी। यदि 5% छूट देने के बाद भी ये आरक्षित सीटें रिक्त रहती हैं, तो संबंधित कार्यक्रम में सभी आरक्षित सीटों

को भरने के लिए आवश्यक सीमा तक और छूट दी जाएगी। ऐसे मामलों में योग्यता उत्तीर्ण प्रतिशत है।

- पात्रता और योग्यता निर्धारित करने के लिए, ओबीसी श्रेणी के उम्मीदवारों को अर्हक परीक्षा में संबंधित पात्रता में अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित पात्रता अंकों के 10% की सीमा तक छूट दी जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए किसी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता 40% है, तो ओबीसी श्रेणी के लिए न्यूनतम पात्रता 36% (अर्थात 40% से 40% घटा 10%) होगी।
- पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के उम्मीदवारों को योग्यता परीक्षा में संबंधित कार्यक्रम के लिए संबंधित पात्रता में 5% की सीमा तक छूट दी जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए किसी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता 40% है, तो पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए न्यूनतम पात्रता 38ः (अर्थात 40% से 40% घटा 5%) होगी।
- सीडब्ल्यू श्रेणी के उम्मीदवारों को योग्यता परीक्षा में संबंधित कार्यक्रम के लिए संबंधित पात्रता में 5% की छूट दी जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए किसी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता 40% है, तो सीडब्ल्यू श्रेणी के लिए न्यूनतम पात्रता 38% (अर्थात 40% से 40% घटा 5%) होगी।
- ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत योग्यता आधारित प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड अनारक्षित श्रेणी के समान होगा।

2.1.2 कार्यक्रम–विशिष्ट योग्यता का पता लगाना और विषयों की योग्यता सूची की गणना करनाः।

असमिया सार / असमिया	गुजरातीकोर / ऐच्छिक	मैथिली कोर / मैथिली निर्वाचित	उड़िया कोर / उड़िया ऐच्छिक	तमिल कोर / तमिल ऐच्छिक	अरबी कोर / अरबी वैकल्पिक

बंगालीकोर / बंगाली निर्वाचित	हिंदी कोर / ऐच्छिक	मलयालम सार / मलयालम निर्वाचित	पंजाबीकोर / पंजाबी निर्वाचित	तेलुगु कोर / तेलुगु ऐच्छिक	फ्रेंच कोर / फ्रेंच निर्वाचित
बोडो कोर / बोर्ड निर्वाचित	कन्नड़कोर / ऐच्छिक निर्वाचित	मणिपुरी कोर / मणिपुरी निर्वाचित	संस्कृत कोर / संस्कृत निर्वाचित	उर्दू कोर / उर्दू ऐच्छिक	जर्मनकोर / जर्मन ऐच्छिक
डोगरी कोर / डोगरी निर्वाचित	कश्मीरी कोर / कश्मीरी निर्वाचित	मराठी कोर / मराठी निर्वाचित	संथाली कोर / संथाली निर्वाचित		इतालवी कोर / इटानियन ऐच्छिक
अंग्रेजीकोर / अंग्रेजी निर्वाचित	कोंकणीकोर / कोंकणी ऐच्छिक	नेपाली कोर / नेपाली वैकल्पिक	सिंधी कोर / सिंधी ऐच्छिक		फारसीकोर / फारसी वैकल्पिक
					स्पेनिशकोर / स्पेनिश ऐच्छिक

सूची B. वैकल्पिक विषय

लेखा कर्म	कंप्यूटर विज्ञान / कम्प्यूटर अनुप्रयोगों / सूचना विज्ञान अभ्यास	गणित
मनुष्य जाति का विज्ञान	अर्थशास्त्र	फिलॉसफी / लॉजिक एंड फिलॉसफी
जीव विज्ञान / जैव, रसायन जैव प्रौद्योगिकी	भूगोल	भौतिक विज्ञान
व्यापार गणित	भूगर्भशास्त्र	राजनीति विज्ञान
रसायन शास्त्र	इतिहास	मनोविज्ञान
नागरिक शास्त्र	गृह विज्ञान	समाज शास्त्र
वाणिज्य / व्यवसाय अध्ययन		
वाणिज्य / व्यवसाय अध्ययन	विधिक अध्ययन	आंकड़े

कंप्यूटिंग मेरिट स्कोरः सामान्य दिशानिर्देश कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता मानदंड योग्यता स्कोर निर्धारित करते हैं जिस पर प्रत्येक कार्यक्रम में प्रवेश आधारित

होता है। उम्मीदवारों को यह समझने के लिए इन मानदंडों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करना चाहिए कि क्या वे अर्हता प्राप्त करते हैं। विस्तृत कार्यक्रम विशिष्ट मानदंड नीचे खंड 2.2 – 2.7 में हैं।

1. सभी शैक्षणिक विषयों को ''वैकल्पिक'' माना जा सकता है। गणना के लिए पात्र विषय (कार्यक्रम–विशिष्ट मानदंडों के अधीन) सूची ए और सूची बी में ऊपर सूचीबद्ध हैं।

2. विश्वविद्यालय किसी विशेष कार्यक्रम के लिए किसी अन्य प्रासंगिक विषय को अकादमिक/वैकल्पिक के रूप में परिभाषित कर सकता है।

3. योग्यता की गणना कला, वाणिज्य, गणितीय विज्ञान, संगीत, सामाजिक विज्ञान, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी, और कार्यक्रम के संकायों के माध्यम से कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए ''सर्वश्रेष्ठ चार विषयों में योग्यता परीक्षा में प्राप्त अंकों के कार्यक्रम–विशिष्ट संयोजन के माध्यम से की जाती है। विज्ञान और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकायों के तहत कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए तीन विषयों के विशिष्ट संयोजन ।

2.1.3 सीबीएसई के अलावा अन्य बोर्ड के लिए विशेष निर्देश

1. यदि किसी पेपर का शीर्षक उपरोक्त सूची ए और सूची बी में निर्दिष्ट के साथ मेल नहीं खाता है, तो उम्मीदवार के लिए यह अनिवार्य है कि वह उस संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रमुख से सामग्री समकक्षता प्रमाण पत्र प्रदान करे जो यह प्रमाणित करता है कि पेपर की सामग्री समकक्ष है उस पेपर के लिए एनसीईआरटी बारहवीं कक्षा का पाठ्यक्रम। इस तुल्यता प्रमाण पत्र के साथ संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रमुख द्वारा सत्यापित पेपर के पाठ्यक्रम की एक प्रति संलग्न की जानी चाहिए। हालांकि, इस मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

2. यदि उम्मीदवार ने ''वनस्पति विज्ञान'' और ''जीव विज्ञान'' का अलग–अलग अध्ययन किया है, तो इन दोनों पत्रों में कुल अंक आपके प्रवेश पत्र में दिए गए क्षेत्र में ''जीव विज्ञान'' शीर्षक के तहत सिद्धांत और व्यावहारिक के लिए संबंधित क्षेत्रों में दर्ज किए जाने चाहिए।

3. यदि उम्मीदवार के अंक पत्र में कक्षा XI और XII दोनों के अंक हैं, तो उम्मीदवार को प्रवेश फॉर्म में दिए गए संबंधित क्षेत्रों में केवल बारहवीं कक्षा के अंक दर्ज करने होंगे।

4. उम्मीदवारों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रायोगिक अलग–अलग पास होना चाहिए। थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों घटकों वाले किसी भी पेपर को 70 (थ्योरी): 30 (प्रेक्टिकल) के अनुपात में ही माना जाएगा यदि पेपर का सैद्धांतिक कंपोनेंट 70% से कम है। उम्मीदवार को अलग से ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म में प्राप्त अंक और थ्योरी और प्रैक्टिकल के लिए अधिकतम अंक, और उनकी मार्कशीट के अनुसार योग अलग से भरना चाहिए। यदि थ्योरी/प्रैक्टिकल ब्रेकअप निर्दिष्ट नहीं है, तो उम्मीदवार को ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म में उस पेपर के लिए पहले क्षेत्र ("सैद्धांतिक") में केवल अपने कुल अंक दर्ज करने होंगे।

5. अंक पत्र में उल्लिखित ''आंतरिक मूल्यांकन अंक, यदि कोई हो, उसका उपयोग किसी गणना के लिए नहीं किया जाएगा। सैद्धांतिक प्रायोगिक या टोटल से संबंधित अंकों की प्रविष्टि में कोई भी विसंगति उम्मीदवार की पूरी जिम्मेदारी होगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे पंजीकरण फॉर्म को भरने में अत्यधिक सावधानी बरतें क्योंकि प्रवेश में त्रुटियों के कारण फॉर्म की संक्षिप्त अस्वीकृति हो सकती है।

22 कला संकाय के माध्यम से प्रस्तावित बीए (ऑनर्स) कार्यक्रमों में योग्यता आधारित प्रवेश

सर्वोत्तम चार संयोजनों के लिए अंकों की गणना के लिए अधिकतम दो भाषा विषयों की अनुमति दी जा सकती है; हालाँकि, दो भाषाओं में से केवल एक ही मुख्य भाषा हो सकती है।

की गणना के लिए कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड और विषयों का संयोजन

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी

योग्यता परीक्षा में कुल 45% अंक।

उम्मीदवार को अर्हक परीक्षा में अंग्रेजी का अध्ययन और उत्तीर्ण होना चाहिए और 'सर्वश्रेष्ठ चार प्रतिशत की गणना के लिए अंग्रेजी को शामिल करना चाहिए। सूची ए और सूची बी में विषयों में से एक भाषा और तीन सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक/वैकल्पिक विषयों की विशेषता वाले ''सर्वश्रेष्ठ चार'' के आधार पर मेरिट का निर्धारण सूची ए और सूची बी के अलावा किसी भी विषय को सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में शामिल करने से कुल ''सर्वश्रेष्ठ चार'' प्रतिशत में शामिल ऐसे विषय पर 2.5% की सर्वश्रेष्ठ चार प्रतिशत में 2% का लाभ उन उम्मीदवारों को दिया जाएगा जिन्होंने एक वैकल्पिक विषय के रूप में अंग्रेजी का अध्ययन किया है (सूची ए देखें)।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी

योग्यता परीक्षा में कुल 45: अंक।

एक परीक्षा में कुल मिलाकर 40% या अधिक अंक प्राप्त करने वाले और हिंदी में 50% अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार भी संबंधित ऑनर्स प्रोग्राम में प्रवेश के लिए। उम्मीदवारों ने भारतीय विश्वविद्यालय/बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा कुल मिलाकर कम से कम 40% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है और ''हिंदी में प्रभाकर'' भी प्रवेश द्वार को अर्हक परीक्षा में हिंदी का अध्ययन और उत्तीर्ण होना चाहिए

और 'सर्वश्रेष्ठ चार प्रतिशत की गणना के लिए हिंदी को शामिल करना चाहिए। ए और सूची बी में विषयों में से एक भाषा और तीन सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक/वैकल्पिक विषयों की विशेषता वाले ''सर्वश्रेष्ठ चार'' के आधार पर मेरिट का निर्धारण कि ए और सूची बी के अलावा किसी भी विषय को सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में शामिल करने से कुल ''सर्वश्रेष्ठ चार'' प्रतिशत में शामिल ऐसे विषय पर 2.5% की क श्रेष्ठ चार प्रतिशत में 2% का लाभ उन उम्मीदवारों को दिया जाएगा जिन्होंने एक वैकल्पिक विषय के रूप में हिंदी का अध्ययन किया है (सूची ए देखें)।

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत

योग्यता परीक्षा में कुल 45ः अंक।

कुल मिलाकर 40% अंक और संबंधित विषय में 50% अंक हासिल करने वाले उम्मीदवार भी संबंधित ऑनर्स प्रोग्राम में प्रवेश के लिए पात्र हैं। जन उम्मीदवारों ने किसी भारतीय विश्वविद्यालय/बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा कुल मिलाकर कम से कम 40ः अंकों के साथ उत्तीर्ण की है और निम्नलिखित संबंधित विषय में प्रवेश के लिए पात्र होंगेः

संस्कृत में शास्त्री

उपरोक्त सूची ए और सूची बी से एक भाषा और तीन सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक/ वैकल्पिक विषयों के आधार पर योग्यता निर्धारित की जाएगी। सूची ए और सूची बी के अलावा किसी भी विषय को सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में शामिल करने से ''सर्वश्रेष्ठ चार'' प्रतिशत में शामिल ऐसे विषय पर 2.5% की कटौती होगी। किसी भी भाषा कार्यक्रम में ऑनर्स में प्रवेश के लिए, उन उम्मीदवारों को कुल 'सर्वश्रेष्ठ चार प्रतिशत में 2% का लाभ दिया जाएगा, जिन्होंने उस विशेष वैकल्पिक यदि भाषा का अध्ययन किया है। यदि उम्मीदवार ने अर्हक परीक्षा स्तर पर किसी

भाषा का अध्ययन नहीं किया है और वह उस भाषा में ऑनर्स प्रोग्राम में प्रवेश चाहता है, तो 'सर्वश्रेष्ठ चार कुल प्रतिशत पर 5% की कटौती की जाएगी।

2.3 सामाजिक विज्ञान संकाय के माध्यम से प्रस्तावित बीए (ऑनर्स)/बीए (व्यावसायिक) कार्यक्रमों में योग्यता आधारित प्रवेश

कार्यक्रम की गणना के लिए कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड और विषयों का संयोजन

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, राजनीति विज्ञान, दर्शन मनोविज्ञान, समाजशास्त्र

योग्यता परीक्षा में कुल 45% अंक।

योग्यता सूची ए और सूची बी में निर्दिष्ट एक भाषा और तीन सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक/वैकल्पिक विषयों के आधार पर निर्धारित की जाएगी। सूची ए और सूची बी के अलावा किसी भी विषय को सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में शामिल करने से कुल ''सर्वश्रेष्ठ चार'' प्रतिशत में शामिल ऐसे विषय पर 2.5% की ऊपर चुने गए तीन शैक्षणिक/ऐच्छिक विषयों में से एक संबंधित विषय होना चाहिए जिसमें प्रवेश मांगा गया है, ऐसा न करने पर कुल ''सर्वश्रेष्ठ चार'' प्रतिशत ऑनर्स) सामाजिक कार्य और बीए (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र पर लागू नहीं होगी।

बीए (ऑनर्स) एप्लाइड साइकोलॉजी में प्रवेश बीए (ऑनर्स) साइकोलॉजी की तरह बेस्ट फोर' प्रतिशत के आधार पर होगा। बीए (ऑनर्स) सामाजिक कार्य और बीए (ऑनर्स) फिलॉसफी में प्रवेश सर्वश्रेष्ठ चार प्रतिशत पर आधारित होगा जिसमें एक भाषा और तीन अकादमिक/वैकल्पिक विषय शामिल है।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र

योग्यता परीक्षा में कुल 45% अंक।

अर्थशास्त्र में बीए (ऑनर्स) में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को योग्यता परीक्षा में गणित का अध्ययन और उत्तीर्ण होना चाहिए।

योग्यता एक भाषा और तीन सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक/वैकल्पिक विषयों के आधार पर निर्धारित की जाएगी जैसा कि ऊपर सूची ए और सूची बी में निर्दिष्ट है।

ऊपर चुने गए तीन शैक्षणिक/ऐच्छिक विषयों में से एक संबंधित विषय होना चाहिए जिसमें प्रवेश मांगा गया है, ऐसा न करने पर कुल ''सर्वश्रेष्ठ चार'' प्रतिशत पर 2 सूची ए और बी में दिए गए विषयों के अलावा किसी भी विषय को ''सर्वश्रेष्ठ तीन'' में शामिल करने से सर्वश्रेष्ठ चार के योग पर प्रति विषय 2.5% की कटौती होगी।

2.4 बीए/स्नातक (कार्यक्रम) में योग्यता आधारित प्रवेश

उम्मीदवार कॉलेजों द्वारा प्रस्तावित संयोजनों में से दो ''अनुशासन'' विषयों के संयोजन का चयन करते हैं (संबंधित कॉलेजों द्वारा प्रस्तावित संयोजनों और सीटों को देखने के लिए परिशिष्ट II देखें)। इस कार्यक्रम में प्रवेश के लिए मानदंड वांछित संयोजन पर आधारित हैं।

कार्यक्रम	योग्यता की गणना के लिए कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड और विषयों का संयोजन
बीए प्रोग्राम (अनुशासन विषय संयोजन आधारित प्रवेश)	• योग्यता परीक्षा में कुल 40% अंक। • योग्यता एक भाषा (मूल/वैकल्पिक/कार्यात्मक) के आधार पर निर्धारित की जाएगी और ऊपर विषय सूची ए और सूची बी में निर्दिष्ट तीन सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक/वैकल्पिक विषयों का चयन किया जा सकता है।

	• एक गैर–सूचीबद्ध विषय (सूची ए और बी में वैकल्पिक विषयों के अलावा) को बिना किसी प्रवेश) कटौती के 'सर्वश्रेष्ठ चार' की गणना में शामिल किया जा सकता है। • यदि 'सर्वश्रेष्ठ चार की गणना के लिए एक से अधिक गैर–सूचीबद्ध विषयों को शामिल किया जाता है, तो 'सर्वश्रेष्ठ चार' में शामिल प्रति विषय 2.5% की कटौती की जा सकती है।

2.5 बीकॉम में मेरिट आधारित प्रवेश। (ऑनर्स)/बी.कॉम. वाणिज्य और व्यवसाय अध्ययन संकाय के माध्यम से पेश किए जाने वाले कार्यक्रम

बी.कॉम (ऑनर्स) कार्यक्रम की गणना के लिए कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड और विषयों का संयोजन

योग्यता परीक्षा में कुल 45% अंक।

उम्मीवार ने बी.कॉम में प्रवेश के लिए योग्यता परीक्षा में परिशिष्ट VIII में निर्दिष्ट गणित/व्यावसायिक गणित / समकक्ष पेपर का अध्ययन और उत्तीर्ण होना चाहिए। चयन निम्नलिखित के अनुसार एक भाषा और तीन सर्वश्रेष्ठ विषयों सहित अर्हक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा।

अंग्रेजी/हिंदी में कुल 45% या उससे अधिक और निम्नलिखित विषयों में से सर्वश्रेष्ठ तीन का संयोजन गणित, लेखा, अर्थशास्त्र और व्यावसायिक अध्ययन / वाणिज्य श्रेष्ठ तीन के संयोजन में ऊपर वर्णित सूची बी के अलावा किसी भी विषय को शामिल करने से कुल मिलाकर 1% प्रति विषय की कटौती होगी। सूची ए और सूची बी के अलावा किसी भी विषय को सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में शामिल करने से सर्वश्रेष्ठ चार के कुल योग पर प्रति विषय 2.5% की कटौती होगी।

बी.कॉम परीक्षा में कुल 40% अंक। निम्नलिखित के अनुसार एक भाषा और तीन सर्वश्रेष्ठ विषयों सहित अर्हक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगाः अंग्रेजी / हिंदी में कुल 40% या अधिक और निम्नलिखित विषयों में से सर्वश्रेष्ठ तीन का संयोजन गणित, लेखा, अर्थशास्त्र और व्यावसायिक अध्ययन / वाणिज्य। श्रेष्ठ तीन के संयोजन में ऊपर वर्णित सूची बी के अलावा किसी भी विषय को शामिल करने से कुल मिलाकर 1% प्रति विषय की कटौती होगी। सूची ए और सूची बी के अलावा किसी भी विषय को सर्वश्रेष्ठ तीन के संयोजन में शामिल करने पर सर्वश्रेष्ठ चार के योग पर प्रति विषय 2.5% की कटौती होगी।

2.6. गणितीय विज्ञान संकाय के माध्यम से प्रस्तावित कार्यक्रमों में योग्यता आधारित प्रवेश

बीएससी (ऑनर्स।) गणित	• गणित में 50% अंक और योग्यता परीक्षा में कुल 45% अंक। • सूची ए और सूची बी में निर्दिष्ट एक भाषा, गणित और दो सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक/वैकल्पिक विषयों में आधार पर मेरिट का निर्धारण किया जाएगा।

2.7 विज्ञान संकाय और अंतर–विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान के माध्यम से पेश किए जाने वाले कार्यक्रमों में योग्यता–आधारित प्रवेश

कार्यक्रम की गणना के लिए कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड और विषयों का संयोजन

बीएससी (ऑनर्स)

सूची से भौतिकी / रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन और अन्य विषयों में से किन्हीं तीन के कुल में 50% या अधिक अंक।

गृह विज्ञान

मेरिट की गणना कुल प्रतिशत के आधार पर की जाएगी, जिसमें भौतिकी/रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन का कम से कम एक विषय और

2.8 स्नातक योग्यता आधारित प्रवेश प्रक्रिया

चरण I: यूजी पोर्टल पर पंजीकरण उम्मीदवार अपना व्यक्तिगत उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड बनाने के लिए विश्वविद्यालय यूजी प्रवेश पोर्टल का उपयोग करता है, अपना पंजीकरण फॉर्म भरता है, अपनी रुचि के अनुसार कार्यक्रम चुनता है और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करता है। (पंजीकरण कैसे करें, इस पर विस्तृत दिशा–निर्देश विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर नियत कार्यक्रम में अपलोड किए जाएंगे)। उम्मीदवारों को अपना फॉर्म भरने में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। उम्मीदवारों द्वारा फॉर्म में दर्ज की गई अधिकांश जानकारी को फॉर्म जमा करने के बाद संपादित करना और सही करना संभव नहीं होगा।

1. स्नातक (यूजी) कार्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक सभी उम्मीदवारों को ऑनलाइन पंजीकरण करना आवश्यक है।

2. यूजी प्रवेश पोर्टल तक पहुंचने के लिए किसी भी पहली बार उपयोगकर्ता को एक वैध ई–मेल आईडी के साथ पोर्टल पर पंजीकरण करने की आवश्यकता है (एक बार पोर्टल पर पंजीकृत ईमेल आईडी डीयू में प्रवेश के लिए किसी अन्य पंजीकरण के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है)।

3. जिन उम्मीदवारों के पास वैध ई–मेल आईडी नहीं है, उन्हें आगे बढ़ने से पहले एक ई–मेल आईडी बनानी होगी।

4. उम्मीदवार को इस ई–मेल आईडी को संभाल कर रखना होगा क्योंकि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान और प्रवेश प्रक्रिया के बाद भी पोर्टल पर उसके खाते के साथ–साथ भविष्य के सभी पत्राचार के लिए भी इसकी आवश्यकता होगी।

5. डिफॉल्ट सेटिंग्स सभी उम्मीदवारों को सभी कार्यक्रमों (बिना किसी दंड के) के लिए पंजीकरण करने की अनुमति देती हैं।

6. उम्मीदवार सभी कॉलेजों और कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के पात्र होंगे बशर्ते वे कॉलेजों की कट–ऑफ और चयनित कार्यक्रमों के लिए पात्रता को पूरा करते हों।

7. यदि उम्मीदवारों के परीक्षा परिणाम लंबित हैं या पेपर में फिर से उपस्थित हुए हैं, तो वे विश्वविद्यालय में प्रवेश की तारीख से अंतिम 3 दिन पहले तक (डीयू द्वारा अधिसूचित होने पर) अपने डैशबोर्ड में लॉग इन करके इन अंकों को अपडेट कर सकेंगे।

8. दस्तावेजों को अपलोड करने में अत्यधिक सावधानी बरती जानी चाहिए। उम्मीदवारों को उन प्रमाणपत्रों की स्कैन प्रतियों की आवश्यकता होगी जिनके आधार पर वे प्रवेश का दावा करना चाहते हैं

a. दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र
b. बारहवीं कक्षा का प्रमाण पत्र
c. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रासंगिक आरक्षण प्रमाण पत्र
d. खेल/ईसीए श्रेणी के तहत प्रवेश के लिए अपेक्षित प्रमाणपत्रों की स्व–सत्यापित प्रतियां
e. संगीत के लिए प्रवेश के लिए अपलोड की गई क्लिप का लिंक
f. फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट या स्कूल पहचान पत्र)

9. प्रमाण पत्र की प्रतियों सहित उनके द्वारा अपलोड की जाने वाली सभी सूचनाओं के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे। वे अपने द्वारा अपलोड की जाने वाली फाइलों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए भी जिम्मेदार होंगे। उम्मीदवार अपने फॉर्म और अपलोड किए गए दस्तावेजों का पूर्वावलोकन देख सकेंगे। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान इस आधार पर अस्वीकृति से बचने के लिए पूरी सावधानी बरतें।

चरण II: पंजीकरण शुल्क का भुगतान

पंजीकरण फॉर्म को संबंधित पंजीकरण शुल्क लेने के बाद ही जमा माना जाएगा। यह शुल्क केवल उम्मीदवार के डैशबोर्ड के माध्यम से दिए गए लिंक के माध्यम से भुगतान किया जाना चाहिए। पंजीकरण शुल्क के भुगतान के लिए उत्पन्न इस ऑनलाइन लिंक के अलावा उम्मीदवारों के लिए कोई अन्य विधि उपलब्ध नहीं है। जब उम्मीदवार ने सफलतापूर्वक पंजीकरण शुल्क ऑनलाइन जमा कर दिया है, तो उन्हें सलाह दी जाती है कि वे भविष्य के संदर्भ के लिए भुगतान के लेनदेन आईडी, क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/ नेट बैंकिंग विवरण और लेनदेन की तारीख का रिकॉर्ड रखें। इसके अलावा, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम समय में किसी भी तरह की गड़बड़ी से बचने के लिए समय सीमा से पहले प्रक्रिया को अच्छी तरह से पूरा कर लें।

कट ऑफ और अन्य प्रवेश संबंधी घोषणाओं से संबंधित दिशा–निर्देशों के लिए डीयू की वेबसाइट (www-admission.uod.ac.in) चेक करते रहें।) नियमित आधार पर।

3 स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश आधारित प्रवेश

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) को दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक प्रवेश 2021–22 के लिए निम्नलिखित कार्यक्रमों के प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का काम सौंपा गया है:

1. बीए (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स [बीए (ऑनर्स) बीई]
2. प्रबंधन अध्ययन स्नातक [बीएमएस]
3. बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (वित्तीय निवेश विश्लेषण) [बीबीए (एफआईए)]
4. बीटेक। (सूचना प्रौद्योगिकी और गणितीय नवाचार) (बी.टेक (आईटी एंड एमआई),
5. बीए (ऑनर्स।) मानविकी और सामाजिक विज्ञान [बीए (ऑनर्स) एचएसएस]
6. प्रारंभिक शिक्षा स्नातक [B-El-Ed]
7. शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा और खेल में विज्ञान स्नातक (बीएससी (पीई, एचई एंड एस),
8. बीए (ऑनर्स) मल्टीमीडिया और मास कम्युनिकेशन (बीए (एच) एमएमसी)
9. पत्रकारिता में पांच वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम (एफवाईआईपीजे)।
10. फिजियोथेरेपी में स्नातक
11. व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातक
12. प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में स्नातक

प्रवेश परीक्षा के आधार पर स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश (जिसमें प्रवेश प्रवेश परीक्षा और बारहवीं कक्षा की परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपने कुछ कॉलेजों/विभागों के माध्यम से अध्ययन की विभिन्न धाराओं में दिया जाता है।

3.1 राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के बारे में

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार (जीओआई) ने कुशल, पारदर्शी और अंतर्राष्ट्रीय संचालन के लिए सोसायटी पंजीकरण अधिनियम (1860) के तहत एक स्वतंत्र स्वायत्त और आत्मनिर्भर प्रीमियर परीक्षण संगठन के रूप में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की स्थापना की है। प्रमुख

उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों की योग्यता का आकलन करने के लिए मानक परीक्षण।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) को 2019 से दिल्ली यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (DUET 2021) आयोजित करने का जिम्मा सौंपा गया है।

3.2 परीक्षा की योजना

परीक्षा का तरीका	सीबीटी (कंप्यूटर आधारित टेस्ट)
अवधि	2 घंटे
प्रश्नों के प्रकार	बहुवैकल्पिक प्रश्न
प्रश्नों की संख्या	100
प्रति प्रश्न अंक	प्रत्येक सही प्रतिक्रिया के लिए 4(चार)
स्कोरिंग	–(एक) गलत प्रतिक्रिया के लिए अंकन
कागज का माध्यम	कागज का माध्यम/केवल अंग्रेजी (भाषा कार्यक्रमों में अपवाद हो सकते हैं)

(* – विषय की प्रकृति के आधार पर कुछ विषयों में भिन्न हो सकते हैं)

3.2.1 परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम

DUET 2021 के प्रश्न पत्र / टेस्ट डीयू द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे जो दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर डीयू के सूचना बुलेटिन में उपलब्ध है।

COVID &19 महामारी के संबंध में संक्षिप्त सलाहः

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा स्थल पर केवल निम्नलिखित को अपने साथ ले जाएंः

ए) एनटीए वेबसाइट से डाउनलोड किए गए स्व–घोषणा (अंडरटेकिंग) के साथ प्रवेश पत्र (ए 4 आकार के कागज पर एक प्रिंटआउट) विधिवत भरा हुआ।

बी) एक साधारण पारदर्शी बॉल प्वाइंट पेन।

ग) अतिरिक्त फोटोग्राफ, उपस्थिति पत्र पर चिपकाया जाना है।

d) पर्सनल हैंड सैनिटाइजर (50 मिली)।

ई) व्यक्तिगत पारदर्शी पानी की बोतल। च) पहचान पत्र

छ) यदि उम्मीदवार को मधुमेह है तो मधुमेह की दवाइयाँ/फल सेब/संतरा लेकर आए।

3.2.2 प्रवेश परीक्षा के लिए केंद्र

प्रवेश परीक्षा निम्नलिखित शहरों में स्थित केंद्रों पर आयोजित की जाएगीः

क्रमांक	शहर	क्रमांक	शहर
1.	अहमदाबाद/गांधीनगर	15.	जम्मू
2.	अमृतसर	16.	कोलकाता
3.	बैंगलोर	17.	लखनऊ
4.	भोपाल	18.	मुंबई/नवी मुंबई
5.	भुवनेश्वर	19.	नागपुर
6.	चंडीगढ़/मोहाली	20.	पटना
7.	चेन्नई	21.	रायपुर
8.	कटक	22.	रांची
9.	देहरादून	23.	शिलांग
10.	दिल्ली (एनसीआर)*	24.	शिमला

11.	गुवाहाटी	25.	श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर)
12.	हैदराबाद	26.	तिरुवनंतपुरम
13.	जयपुर	27.	वाराणसी

*दिल्ली/एनसीआर में शामिल हैं: दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, साहिबाबाद, गाजियाबाद

3.3 कार्यक्रम जिनके लिए प्रवेश परीक्षा पर आधारित हैं

संकाय	कार्यक्रम	कॉलेज/निर्देश विभाग
एप्लाइड के संकाय सामाजिक विज्ञान और मानविकी	बीए (ऑनर्स) व्यापार [बीए (एच) बीई]	• आर्यभट्ट कॉलेज • अर्थशास्त्र (बीए (एच) बीई) • भीमराव अंबेडकर कॉलेज • व्यावसायिक अध्ययन कॉलेज • गार्गी कॉलेज • लक्ष्मीबाई कॉलेज • महाराजा अग्रसेन कॉलेज • शिवाजी कॉलेज • श्री गुरु गोबिंद कॉलेज ऑफ कॉमर्स • श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज • श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज

3.4 प्रवेश आधारित प्रवेश के साथ स्नातक कार्यक्रमों के लिए पात्रता और चयन प्रक्रिया

सूची ए और सूची बी पिछले खंड की तरह ही रहती है।

3.4.1 अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय के माध्यम से पेश किए जाने वाले कार्यक्रम कार्यक्रम

कार्यक्रम	कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड और चयन का आधार
बीए (ऑनर्स) बिजनेस अर्थशास्त्र	• चार विषयों में अर्हक परीक्षा में कुल 60% या अधिक अंकः सूची बी में शामिल अंग्रेजी, गणित और कोई भी दो अन्य विषय। • चयन प्रवेश परीक्षा में प्राप्त प्रतिशत के संयुक्त भारित औसत से गणना की गई रैंक और योग्यता परीक्षा में प्राप्त प्रतिशत पर आधारित होगा जहां भार हैंः प्रवेश परीक्षाः 65%, योग्यता परीक्षाः 35% प्रवेश परीक्षा निम्नलिखित क्षेत्रों की जांच करेगीः • क्वांटिटेटिव एबिलिटी रीजनिंग • विश्लेषणात्मक क्षमता सामान्य अंग्रेजी • व्यापार और सामान्य जागरूकता

3.5 प्रवेश आधारित स्नातक प्रवेश प्रक्रिया

चरण 1: यूजी पोर्टल पर पंजीकरण

उम्मीदवार अपना व्यक्तिगत उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड बनाने के लिए विश्वविद्यालय यूजी प्रवेश पोर्टल का उपयोग करता है, अपना पंजीकरण फॉर्म भरता है, अपनी रुचि के कार्यक्रम चुनता है और आवश्यक दस्तावेज अपलोड

करता है। (पंजीकरण कैसे करें, इस पर विस्तृत दिशा–निर्देश विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर नियत कार्यक्रम में अपलोड किए जाएंगे)। उम्मीदवारों को अपना फॉर्म भरने में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। उम्मीदवारों को एक बार जमा किए गए फॉर्म को संपादित करने और सही करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

1. स्नातक (यूजी) कार्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक सभी उम्मीदवारों को ऑनलाइन पंजीकरण करना आवश्यक है।

2. यूजी प्रवेश पोर्टल तक पहुंचने के लिए किसी भी पहली बार उपयोगकर्ता को वैध ई–मेल आईडी के साथ पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा।

3. जिन उम्मीदवारों के पास वैध ई–मेल आईडी नहीं है, उन्हें आगे बढ़ने से पहले एक ई–मेल आईडी बनानी होगी।

4. उम्मीदवार को इस ई–मेल आईडी को संभाल कर रखना होगा क्योंकि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान पोर्टल पर अपने खाते के साथ–साथ भविष्य के सभी पत्राचार के लिए इसकी आवश्यकता होगी।

5. उम्मीदवार इच्छा अनुसार एक से अधिक प्रवेश आधारित कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। प्रत्येक प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण शुल्क व्यक्तिगत रूप से लिया जाएगा। यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक कार्यक्रमों के लिए आवेदन करता है और कार्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम मेल खाता है, तो विश्वविद्यालय इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा। हालांकि, सक्षम अधिकारी उन उम्मीदवारों की पहचान करने की पूरी कोशिश करेंगे, जो पंजीकरण पोर्टल से कई कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर रहे हैं, यदि इन कार्यक्रमों के लिए परीक्षाएं एक ही दिन होती हैं, तो समान या नजदीकी परीक्षा केंद्र आवंटित करने के लिए।

6. कई कॉलेजों में कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, या एक से अधिक कार्यक्रमों को कवर करने वाली प्रवेश परीक्षा के मामले में, उम्मीदवारों को कार्यक्रम और/या कॉलेज की वरीयता के क्रम को बताना आवश्यक है।

(ए) बीएमएस/बीए (ऑनर्स) बीई / बीबीए (एफआईए) के उम्मीदवारों को सभी कॉलेज–कार्यक्रमों को भरना होगा। महिला उम्मीदवारों के लिए 21 और पुरुष उम्मीदवारों के लिए 17 विकल्प हैं। उम्मीदवार को अपने सबसे पसंदीदा कॉलेज–कार्यक्रम के लिए ''1'', अगले सबसे पसंदीदा के लिए ''2'' और इसी तरह से चिह्नित करना चाहिए। जिस महाविद्यालय–कार्यक्रम में अभ्यर्थी प्रवेश नहीं चाहता है, उस पर कोई वरीयता नहीं अंकित की जानी चाहिए। जहां 'कोई वरीयता नहीं का चयन किया जाता है, उस कॉलेज–कार्यक्रम को उम्मीदवार को पेश नहीं किया जाएगा। यदि एक कॉलेज–कार्यक्रम को वरीयता संख्या के साथ चिह्नित किया जाता है, तो उसे उम्मीदवार को आवंटित किया जा सकता है और उम्मीदवार को कॉलेज और कार्यक्रम में भविष्य में किसी भी बदलाव के लिए पात्र होने के लिए उस कॉलेज–कार्यक्रम में प्रवेश लेने की आवश्यकता होगी।

(बी) बी.ईएल.एड के उम्मीदवारों को कॉलेज के सभी आठ विकल्पों को भरना होगा। कार्यक्रम केवल महिलाओं के लिए उपलब्ध है। उम्मीदवार को अपने सबसे पसंदीदा कॉलेज के लिए ''1'', अगले सबसे पसंदीदा कॉलेज के लिए ''2'' और इसी तरह से चिह्नित करना चाहिए। जिस कॉलेज में उम्मीदवार प्रवेश नहीं चाहता है, उसे ''कोई वरीयता नहीं'' चिह्नित किया जाना चाहिए। जहां, 'कोई वरीयता नहीं का चयन किया जाता है, वह कॉलेज उम्मीदवार को नहीं दिया जाएगा। यदि एक कॉलेज–कार्यक्रम को वरीयता संख्या के साथ चिह्नित किया जाता है, तो उसे उम्मीदवार को आवंटित किया जा सकता है और उम्मीदवार को कॉलेज में भविष्य में किसी भी बदलाव के लिए पात्र होने के लिए उस कॉलेज में प्रवेश लेने की आवश्यकता होगी। उम्मीदवारों को जांच करने की सलाह दी जाती है उदार विकल्पों का चयन (विभाग की वेबसाइट http://doe.du.ac.in पर देखें)

प्रत्येक कॉलेज द्वारा उनके वरीयता क्रम को अंतिम रूप देने से पहले पेश किया जाता है।

7. किसी भी उम्मीदवार को प्रवेश नहीं दिया जाएगा जिसका नाम आवंटन सूची में शामिल है, लेकिन जो कार्यक्रम के लिए न्यूनतम पात्रता मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है। प्रवेश परीक्षा शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा।

8. यदि परीक्षा परिणाम लंबित हैं या यदि उम्मीदवार ने पुनर्मूल्यांकन या पुनः उपस्थित होने के लिए आवेदन किया है, तो वे कार्यक्रम में प्रवेश खुले होने तक अपने डैशबोर्ड में लॉग इन करके इन अंकों को अपडेट कर सकेंगे।

9. दस्तावेजों को अपलोड करने में अत्यधिक सावधानी बरती जानी चाहिए। उम्मीदवारों को उन प्रमाणपत्रों की स्कैन प्रतियों की आवश्यकता होगी जिनके आधार पर वे प्रवेश का दावा करना चाहते हैं

(ए) दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र

(बी) बारहवीं कक्षा का प्रमाण पत्र

(सी) सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रासंगिक आरक्षण प्रमाण पत्र

(डी) संगीत के खिलाफ प्रवेश के लिए अपलोड की गई क्लिप का लिंक

(इ) फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट या स्कूल पहचान पत्र)

उम्मीदवार यह सुनिश्चित करें कि प्रस्तुत प्रमाण पत्र पर उल्लिखित नाम समान हैं।

10. प्रमाण पत्र की प्रतियों सहित उनके द्वारा अपलोड की जाने वाली सभी सूचनाओं के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे। वे अपने द्वारा अपलोड की जाने वाली फाइलों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए भी जिम्मेदार होंगे। उम्मीदवार अपने फॉर्म और अपलोड किए गए दस्तावेजों का पूर्वावलोकन देख

सकेंगे। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान इस आधार पर अस्वीकृति से बचने के लिए पूरी सावधानी बरतें।

चरण II: **पंजीकरण शुल्क का भुगतान**

पंजीकरण शुल्क की वसूली के बाद ही पंजीकरण फॉर्म जमा माना जाएगा। यह शुल्क केवल उम्मीदवार के डैशबोर्ड के माध्यम से दिए गए लिंक के माध्यम से भुगतान किया जाना चाहिए। पंजीकरण शुल्क के भुगतान के लिए उत्पन्न इस ऑनलाइन लिंक के अलावा उम्मीदवारों के लिए कोई अन्य विधि उपलब्ध नहीं है। जब उम्मीदवार ने सफलतापूर्वक पंजीकरण शुल्क ऑनलाइन जमा कर दिया है, तो उन्हें सलाह दी जाती है कि वे भविष्य के संदर्भ के लिए भुगतान के लेनदेन आईडी, क्रेडिट कार्ड / डेबिट कार्ड / नेट बैंकिंग विवरण और लेनदेन की तारीख का रिकॉर्ड रखें। इसके अलावा, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम समय में किसी भी तरह की गड़बड़ी से बचने के लिए समय सीमा से पहले प्रक्रिया को अच्छी तरह से पूरा कर लें। प्रत्येक प्रवेश आधारित कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क अलग से लिया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि कोई उम्मीदवार अनारक्षित श्रेणी के अंतर्गत बीएमएस/बीए(एच)बीई/बीबीए(एफआईए) और एफवाईआईपीजे का चयन करता है तो उसे 750/– रुपये + 750/– रुपये का भुगतान करना = रु. 1,500/–

चरण III: प्रवेश परीक्षा (लिखित/व्यावहारिक/परीक्षण)

उम्मीदवार को प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण करना होगा और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अधिसूचना के अनुसार इसके लिए उपस्थित होना होगा।

i. बीए (ऑनर्स) बीई/ बीएमएस/बीबीए (एफआईए), बीटेक (आईटी एंड एमआई), बीए (एचएसएस), बी.एल.एड, बीएससी (पीई, एचई एंड एस), बीए (ऑनर्स) एमएमसी और एफवाईआईपीजे, बीपीटी, बीओटी के लिए उम्मीदवार कार्यक्रम में प्रवेश के लिए विचार करने के लिए प्रत्येक कार्यक्रम के लिए लागू

लिखित प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित होना आवश्यक है। परीक्षा बहुविकल्पीय प्रकार की होगी। लिखित प्रवेश परीक्षा एनटीए द्वारा आयोजित की जाएगी (प्रवेश परीक्षा के विवरण के लिए अनुलग्नक IV देखें)।

ii. कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए विचार करने के लिए उम्मीदवारों को बीए (ऑनर्स।) संगीत के लिए एक व्यावहारिक प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित होना आवश्यक है। तौर–तरीकों को दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अधिसूचित किया जाएगा। हालांकि, उन्हें पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा।

iii. बीएससी (पीई, एचई एंड एस) के उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा के साथ कार्यक्रम में प्रवेश के लिए विचार करने के लिए खेल दक्षता का विवरण भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। तौर–तरीकों को दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अधिसूचित किया जाएगा।

एनटीए द्वारा दी गई प्रवेश परीक्षा के तौर–तरीके अनुबंध में संलग्न हैं।

चरण IV: परिणाम / मेरिट सूची की घोषणा

प्रत्येक कार्यक्रम के लिए उम्मीदवारों की एक रैंकिंग तैयार की जाएगी जो प्रवेश प्रक्रिया का मार्गदर्शन करेगी और प्रवेश पोर्टल पर प्रदर्शित की जाएगी। यह रैंकिंग निम्न पर आधारित होगी:

I. बीटेक (आईटी एंड एमआई), बीए (एच एंड एसएस), बी.एल.एड, बीए (एच) एमएमसी और एफवाईआईपीजे कार्यक्रमों, बीपीटी, बीओटी, बीपीओ के लिए प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंक।

II. बीए (ऑनर्स) बीई, बीएमएस, बीबीए (एफआईए) के लिए, प्रवेश परीक्षा में और बारहवीं कक्षा (पात्रता के अनुसार) में प्राप्त अंकों का भारित माध्य क्रमशः 65% और 35% का भार देता है।

III. बीएससी के लिए (पीई, एचई एंड एस) कार्यक्रम लिखित परीक्षा और खेल प्रवीणता में प्राप्त अंकों का मतलब है।

IV. बीए (ऑनर्स) संगीत कार्यक्रमों के लिए व्यावहारिक परीक्षा में प्राप्त अंक।

अंतिम रैंकिंग में कोई दोहराई गई रैंक नहीं होगी। रैंक के लिए टाई के मामले में, निम्नलिखित टाई–ब्रेकिंग नियम नीचे दिए गए क्रम में लागू किया जाएगाः

I. अर्हक परीक्षा में उच्च प्रतिशत अंक (एक भाषा सहित सर्वश्रेष्ठ चार विषयों का कुल) वाले उम्मीदवार को आवंटन / प्रवेश के लिए पहले माना जाएगा।

ii. उच्च प्रवेश परीक्षा स्कोर वाले उम्मीदवार को आवंटन / प्रवेश के लिए पहले माना जाएगा।

iii. अर्हक परीक्षा में उच्च प्रतिशत अंक (एक भाषा सहित सर्वश्रेष्ठ पांच विषयों का कुल) वाले उम्मीदवार को आवंटन / प्रवेश के लिए पहले माना जाएगा।

IV. पूर्व जन्म तिथि (दसवीं कक्षा के प्रमाण पत्र में उल्लिखित) वाले उम्मीदवार को आवंटन / प्रवेश के लिए विचार किया जाएगा।

मेरिट लिस्ट और स्पॉट प्रवेश घोषणाओं से संबंधित दिशा–निर्देशों के लिए, यदि कोई हो, तो डीयू की वेबसाइट (www.admission.uod.ac.in) को नियमित आधार पर चेक करते रहें।

एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस के लिए 4 आरक्षण अनारक्षित श्रेणी (यूआर) सीटों के लिए मेरिट सूची में योग्यता के क्रम में सभी उम्मीदवार शामिल होंगे। इससे किसी को भी बाहर नहीं किया जाएगा। दूसरे शब्दों में, अनारक्षित (यूआर) के लिए मेरिट सूची में एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस उम्मीदवार भी शामिल होंगे, चाहे वे किसी भी वर्ग के हों, अगर वे यूआर श्रेणी के लिए योग्यता की कसौटी पर खरे उतरते हैं।

किसी भी उम्मीदवार को यूआर श्रेणी की मेरिट सूची से सिर्फ इसलिए बाहर नहीं किया जा सकता है क्योंकि उम्मीदवार एससी/ एसटी/ ओबीसी/ईडब्ल्यूएस श्रेणी से संबंधित है या आवेदन किया है। ऐसा उम्मीदवार अनारक्षित श्रेणी के साथ–साथ आरक्षित श्रेणी के तहत विचार करने का हकदार है। अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को बाहर किए बिना यूआर श्रेणी की सीटों में प्रवेश योग्यता के क्रम में सख्ती से होगा।

श्रेणी/जाति के आधार पर भेदभाव पूरी तरह से गैर कानूनी है। दिल्ली विश्वविद्यालय इस आधार पर किसी भी उम्मीदवार/छात्र के साथ भेदभाव बर्दाश्त नहीं करता है। किसी भी उल्लंघन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को सत्यापन प्रमाण पत्र अपने नाम पर प्रस्तुत करने होंगे।

4.1 अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण

- सीटों की कुल संख्या का 22.5% अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है (अनुसूचित जाति के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%, यदि आवश्यक हो तो विनिमेय)।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना कॉलेजों की ओर से एक वैधानिक दायित्व है।
- कॉलेज किसी भी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार को शिक्षा के माध्यम के आधार पर प्रवेश से मना नहीं करेगा। किसी विशेष भाषा के ज्ञान में किसी भी कमी को दूर किया जाना चाहिएय इस प्रयोजन के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से उपलब्ध अनुदानों का उपयोग करके महाविद्यालय द्वारा उपचारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को संबंधित कार्यक्रम में प्रवेश के लिए उनकी योग्यता और योग्यता निर्धारित करने के लिए न्यूनतम अंकों में 5% की छूट दी जाएगी।
- यदि 5% छूट देने के बाद भी आरक्षित सीटें रिक्त रहती हैं, तो सभी आरक्षित सीटों को भरने के लिए आवश्यक सीमा तक और छूट दी जाएगी। (एसी संकल्प ए88,14.6.1983)(ईसी संकल्प 157, 24.12.2001)। सभी कॉलेजों/विभागों के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना अनिवार्य है। इन मामलों में योग्यता उत्तीर्ण प्रतिशत है।

निम्नलिखित को अपेक्षित एससी/एसटी प्रमाणपत्र जारी करने का अधिकार हैः

ए) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/उपायुक्त/अतिरिक्त। डिप्टी कमिश्नर/ डिप्टी कलेक्टर / प्रथम श्रेणी के वजीफा मजिस्ट्रेट / सिटी मजिस्ट्रेट / सब–डिविजनल मजिस्ट्रेट / तालुका मजिस्ट्रेट रु कार्यकारी मजिस्ट्रेट / अतिरिक्त सहायक आयुक्त।

बी) मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त। मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट।

सी) राजस्व अधिकारी जो तहसीलदार के पद से नीचे का नहीं होना चाहिए।

डी) उस क्षेत्र का उप–मंडल अधिकारी जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार सामान्य रूप से रहता है।

इ) प्रशासक/प्रशासक के सचिव/विकास अधिकारी (लक्षद्वीप द्वीपसमूह)।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि किसी अन्य व्यक्ति/प्राधिकरण से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र किसी भी मामले में स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उम्मीदवार अनुसचित जाति या अनुसूचित जनजाति से

संबंधित होता है, तो उम्मीदवार की जाति/जनजाति को उपयुक्त सरकार में सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। भारत की अनुसूची।

जाति प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिएः (ए) उसकी जाति / जनजाति का नाम (बी) उम्मीदवार एससी या एसटी से संबंधित है या नहीं (सी) जिला और राज्य या केंद्र शासित प्रदेश उम्मीदवार के सामान्य निवास स्थान, और (डी) उपयुक्त सरकार भारत की अनुसूची जिसके तहत उसकी जाति / जनजाति को अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के रूप में अनुमोदित किया गया है।

यदि उम्मीदवार के पास पंजीकरण/आवेदन के समय उनका अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति जाति/जनजाति प्रमाण पत्र नहीं है, तो वे अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति जाति/जनजाति प्रमाण पत्र आवेदन की पावती पर्ची अपलोड कर सकते हैं। हालांकि, प्रवेश के समय, उम्मीदवार को वैध मूल अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति जाति/जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

हालांकि, यदि कोई अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का उम्मीदवार किसी अन्य श्रेणी (उदाहरण के लिएः पीडब्ल्यूबीडी/कर्मचारी वार्ड, आदि) के तहत प्रवेश चाहता है, तो उम्मीदवार को उस विशेष श्रेणी के लिए न्यूनतम पात्रता आवश्यकता को पूरा करना चाहिए।

नोटः अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार जो खुली योग्यता (अनारक्षित) के तहत प्रवेश प्राप्त करते हैं, उन्हें आरक्षित कोटे में शामिल नहीं किया जाएगा, अर्थात 22.5% (अनुसूचित जाति के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%)।

3.4.2 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी, नॉन–क्रीमी लेयर, सेंट्रल लिस्ट) के लिए सीटों का आरक्षण

- 27% सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) (नॉन–क्रीमी लेयर, सेंट्रल लिस्ट) से संबंधित उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी।
- ओबीसी उम्मीदवार को प्रवेश देते समय, कॉलेज यह सुनिश्चित करेगा कि जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल है (ओबीसी की स्थिति केंद्रीय (भारत सरकार) ओबीसी की अधिसूचित सूची के आधार पर निर्धारित की जानी है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वेबसाइट http%//ncbc.nic.in/ पिछड़े वर्ग index-html पर उपलब्ध है।)
- प्रमाण पत्र में उम्मीदवार की गैर–क्रीमी लेयर स्थिति का उल्लेख होना चाहिए (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93स्था। (एससीटी) दिनांक 15.11.1993 में उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा जारी नॉन क्रीमी लेयर की स्थिति)।
- ओबीसी उम्मीदवार जो 'नॉन–क्रीमी लेयर से संबंधित हैं और जिनकी जाति केवल ओबीसी की केंद्रीय सूची में दिखाई देती है, ओबीसी श्रेणी के तहत प्रवेश के लिए पात्र होंगे ('नॉन क्रीमी लेयर' के संबंध में ओबीसी प्रमाण पत्र की वैधता अवधि) डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36036/2/ 2013–स्थापना (आरएसआई) दिनांक 31 मार्च 2016 के अनुसार उम्मीदवारों की क्रीमी लेयर की स्थिति)। गैर–क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र की वैधता वित्तीय वर्ष 2020–2021 के लिए होगी, जो 31 मार्च, 2021 को या उसके बाद जारी की जाएगी।
- यदि उम्मीदवार के पास पंजीकरण के समय नवीनतम वित्तीय वर्ष 2021–2022 का ओबीसी नॉन –क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र नहीं है, तो उम्मीदवार पहले से जारी (पुराना) ओबीसी नॉन–क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र या ओबीसी गैर की पावती पर्ची अपलोड कर सकता है। –क्रीमी लेयर सर्टिफिकेट एप्लीकेशन। हालांकि, प्रवेश के समय, उम्मीदवार को हाल ही के वित्तीय वर्ष (2021–22) ओबीसी नॉन–क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र का उत्पादन करना होगा, जो उसी सक्षम

प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया हो। इस अतिरिक्त प्रमाण पत्र में उम्मीदवार के पहले से जारी मूल जाति प्रमाण पत्र का संदर्भ होना चाहिए।

- ओबीसी उम्मीदवारों को उक्त कार्यक्रम के न्यूनतम पात्रता अंकों में 10% की छूट दी जाएगी और प्रवेश परीक्षा के लिए सामान्य / अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित न्यूनतम पात्रता अंकों के 10% की छूट दी जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि न्यूनतम अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए एक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्रता 40% है, ओबीसी श्रेणी के लिए न्यूनतम पात्रता 36% (अर्थात 40% से 40% घटा 10%) होगी।
- ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना कॉलेजों की ओर से एक वैधानिक दायित्व है।

4.3 आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण नीति

आरक्षण के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय अधिसूचना (संदर्भ संख्या एसीए । / ईडब्ल्यूएस का आरक्षण / 2019/63 दिनांक 28 मार्च 2019 और संदर्भ संख्या एसीए। / ईडब्ल्यूएस का आरक्षण / 2019 / 101 दिनांक 15 मई 2019) के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के लिए, विश्वविद्यालय के विभागों / केंद्रों / कॉलेजों ने शैक्षणिक वर्ष 2021–22 में प्रवेश के लिए 10% सीटें आरक्षित की हैं। ऐसे उम्मीदवारों की पात्रता निर्धारित मानदंडों को पूरा करने के आधार पर तय की जाएगी। उपरोक्त अधिसूचनाएं, और सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए दस्तावेजों को परिशिष्ट IV में दिए गए प्रारूप में प्रस्तुत करने के अधीन।

अस्वीकरण

1. किसी भी परिस्थिति में आवश्यक प्रमाण पत्र जमा करने के लिए कोई और विस्तार/छूट नहीं दी जाएगी।

2. यदि आवेदक को भूल से या किसी अन्य कारण से हाल ही के वित्त वर्ष (2021–22) के नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र के बिना प्रवेश दिया जाता है, तो विश्वविद्यालय/विभाग बिना किसी पूर्व सूचना के और बिना किसी पूर्व सूचना के प्रवेश को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

5. बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण, सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चों/विधवाओं के लिए; कश्मीरी प्रवासीय जम्मू–कश्मीर के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति; नामांकित सिक्किमी छात्र, वाडे कोटा

5.1 बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों के लिए सीटों का आरक्षण (PWBD)

विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार, कम से कम पांच प्रतिशत 5%) सीटें बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित हैं। ''बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति'' का अर्थ एक विशिष्ट विकलांगता के चालीस प्रतिशत (40%) से कम नहीं है, जहां निर्दिष्ट विकलांगता को मापने योग्य शर्तों में परिभाषित नहीं किया गया है और इसमें विकलांगता वाला व्यक्ति शामिल है जहां निर्दिष्ट अक्षमता को मापने योग्य शर्तों में परिभाषित किया गया है, जैसा कि प्रमाणीकरण प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित। यह ध्यान दिया जा सकता है कि पूर्ववर्ती विकलांग व्यक्ति अधिनियम, 1995, जिसके तहत पहले प्रवेश में विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण प्रदान किया गया था, अब निरस्त कर दिया गया है।

PWBD उम्मीदवारों को योग्यता परीक्षा में कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता में और प्रवेश प्रवेश परीक्षा में 5% की सीमा तक छूट दी जाएगी, जब तक कि सीटें भर नहीं जातीं। उदाहरण के लिए, यदि अनारक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए किसी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता 40% है, तो पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए न्यूनतम पात्रता 38% (अर्थात 40% से 38% का 5% घटा) होगी। विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की अनुसूची में उल्लिखित विकलांगों की निम्नलिखित निर्दिष्ट श्रेणियां विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016

की धारा 2 के खंड (जेडसी) देखें, का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र हैं। कहा आरक्षण।

I. शारीरिक अक्षमता

ए. चलन अक्षमता

1. चलन अक्षमता (एक व्यक्ति की स्वयं की गति से जुड़ी विशिष्ट गतिविधियों को निष्पादित करने में असमर्थता और वात रोग या तंत्रिका तंत्र या दोनों की पीड़ा के परिणामस्वरूप वस्तुओं), जिसमें शामिल हैं:

2. ''कुष्ठ रोगमुक्त व्यक्ति'' का अर्थ उस व्यक्ति से है जो कुष्ठ रोग से ठीक हो गया है लेकिन पीड़ित है

(मैं) हाथों या पैरों में संवेदना की हानि के साथ–साथ आंख और पलक में संवेदना और पक्षाघात की हानि लेकिन विकृति की कोई अभिव्यक्ति के साथ;

(ii) प्रकट विकृति और पक्षाघात लेकिन उनके हाथों और पैरों में पर्याप्त गतिशीलता होने के कारण वे सामान्य आर्थिक गतिविधियों में संलग्न हो सकें;

(iii) अत्यधिक शारीरिक विकृति के साथ–साथ उन्नत आयु जो उसे किसी भी लाभकारी व्यवसाय को करने से रोकती है, और अभिव्यक्ति ''कुष्ठ रोग'' का तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा;

3. ''सेरेब्रल पाल्सी' का अर्थ शरीर की गतिविधियों और मांसपेशियों के समन्वय को प्रभावित करने वाली गैर–प्रगतिशील न्यूरोलॉजिकल स्थिति का एक समूह है, जो मस्तिष्क के एक या अधिक विशिष्ट क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाता है, जो आमतौर पर जन्म से पहले, उसके दौरान या उसके तुरंत बाद होता है;

4. ''बौनापन'' का अर्थ एक चिकित्सा या आनुवंशिक स्थिति है जिसके परिणामस्वरूप 4 फीट 10 इंच (147 सेंटीमीटर) या उससे कम की वयस्क ऊंचाई होती है;

5. ''मस्कुलर डिस्ट्रॉफी'' का अर्थ वंशानुगत आनुवंशिक मांसपेशियों की बीमारी का एक समूह है जो मानव शरीर को स्थानांतरित करने वाली मांसपेशियों को कमजोर करता है और कई डिस्ट्रोफी वाले व्यक्तियों के जीन में गलत और अनुपलब्ध जानकारी होती है, जो उन्हें स्वस्थ मांसपेशियों के लिए आवश्यक प्रोटीन बनाने से रोकती है। यह प्रगतिशील कंकाल की मांसपेशियों की कमजोरी, मांसपेशियों के प्रोटीन में दोष और मांसपेशियों की कोशिकाओं और ऊतकों की मृत्यु की विशेषता है;

6. ''एसिड अटैक पीड़ित'' का अर्थ है तेजाब या इसी तरह के संक्षारक पदार्थ को फेंकने से हिंसक हमलों के कारण विकृत व्यक्ति।

B. दृश्य हानि

7. ''अंधापन'' का अर्थ उस स्थिति से है जहां किसी व्यक्ति को निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति है, सर्वोत्तम सुधार के बाद

(i) दृष्टि की पूर्ण अनुपस्थिति; या

(ii) दृश्य तीक्ष्णता कम से कम 3/60 या कम से कम 10/200 (स्नेलेन) सबसे अच्छा संभव सुधार के साथ बेहतर आंखों में; या

(iii) 10 डिग्री से कम के कोण को अंतरित करने वाली दृष्टि के क्षेत्र की सीमा।

8. ''कम दृष्टि'' का अर्थ ऐसी स्थिति से है जहां किसी व्यक्ति की निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति होती है, अर्थात्:

(मैं) दृश्य तीक्ष्णता से अधिक नहीं 6/18 या कम से कम 20/60 तक 3/60 या 10 तक /200 (स्नेलेन) सबसे अच्छा संभव सुधार के साथ बेहतर आंखों में; या

(ii) दृष्टि के क्षेत्र की सीमा 40 डिग्री से कम के कोण को 10 डिग्री तक घटाना।

C. श्रवण बाधित

9. ''बधिर' का अर्थ है दोनों कानों में भाषण आवृत्तियों में 70 डीबी सुनवाई हानि वाले व्यक्ति,

9. ''बधिर'' का मतलब है कि दोनों कानों में स्पीच फ्रीक्वेन्सी में 70 DB श्रव्यता हानि वाले लोग।

10. ''कम सुनाई देना'' का मतलब है कि दोनों कानों में स्पीच फ्रीक्वेन्सी में 60 डीसे 70 डीडी श्रव्यता हानि वाले लोग।

11. ''भाषण और भाषा निशक्तता''–एक स्थायी जो कि लेरिजेक्टोमी या वाचाघात जैसी स्थितियों से उत्पन्न होती है। यह कार्बनिक या न्यूरोलॉजिकल कारणों के चलते भाषण और भाषा के एक या अधिक घटकों को प्रभावित करती है।

II. बौद्धिक निःशक्तता– बौद्धिक कार्यप्रणाली (तर्क, शिक्षा, समस्या को हल करना) और अनुकूल व्यवहार दोनों में महत्वपूर्ण सीमा के कारण एक ऐसी स्थिति जिसमें हर दिन की व्यवस्था, सामाजिक और व्यावहारिक कौशल शामिल हैं

11. ''विशिष्ट सीखने की अक्षमता है विषम परिस्थितियों का एक समूह जिसमें का अर्थ'' बोलनेयालिखने में भाषा के प्रसंसकरण में कमी होती है जो समझने, बोलने, पढ़ने, लिखनेया गणितीय गणना करने में कठिनाई के रूप में प्रकट हो सकती है और इसमें अवधारणात्मक अक्षमता, डिस्लेक्सिया, डिस्ग्राफिया, डिस्केलकुलिया, डिस्प्रेक्सिया और विकास वाचाघात के रूप में ऐसी स्थितियाँ शामिल हैं –

13. ''ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर'' का अर्थ है कि जीवन के पहले तीन वर्षों में आम तौर पर दिखने वाली एक न्यूरो–विकासात्मक स्थिति जो किसी

व्यक्ति की संवाद करने, रिश्तों को समझने और दूसरों से संबंधित होने की क्षमता को काफी प्रभावित करती है, और अक्सर असामान्य या रूढ़िवादी अनुष्ठान या व्यवहार से जुड़ी होती है।

III. मानसिक व्यवहार

14. ''मानसिक बीमारी'' का अर्थ है सोच, मनोदशा, धारणा, अभिविन्यास या स्मृति का एक बड़ा विकार जो स्थायी रूप से निर्णय व्यवहार, वास्तविकता को पहचानने की क्षमता या जीवन की सामान्य जरूरतों को पूरा करने की क्षमता को बाधित करता है, लेकिन इसमें मंदता शामिल नहीं है जो कि किसी व्यक्ति के जड़ होने की स्थिति है। यह विशेष तौर से बुद्धि के कम सामान्य होने का लक्षण है।

v. निःशक्तता के कारण

(a) क्रोनिक तंत्रिका संबंधी स्थितियां, जैसे–

15. ''मल्टीपल स्केलेरोसिस'' का अर्थ है सूजा हुआ, नर्वस सिस्टम की बीमारी जिसमें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की तंत्रिका कोशिकाओं के अक्षतंतु के चारों और माइलिन क्षतिग्रस्त हो जाता है, जिसमें अपक्षय होता है और मस्तिष्क व रीढ़ की हड्डी में तालमेल स्थापित करने में तंत्रिका कोशिकाओं की क्षमता प्रभावित होती है।

16. ''पार्किंसंस रोग''का अर्थ है कंपन, मांसपेशियों की कठोरता और धीमी गति से तंत्रिका आंदोलन द्वारा चिह्नित तंत्रिका तंत्र की एक प्रगतिशील बीमारी, मुख्य रूप से मस्तिष्क के बेसल गैनिलया के अधः पतन और न्यूरोट्रांसमीटर डोपामाइन की कमी से जुड़े मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग लोगों को प्रभावित करती है।

(b) रक्त विकार

17. ''हीमोफिलिया'' एक वंशानुगत बीमारी है जो आमतौर पर केवल पुरुष को प्रभावित करती है, लेकिन महिलाओं द्वारा उनके पुरुष बच्चों में संप्रेषित होती है, जिसके लक्षण हैं रक्त के सामान्य थक्के जमने की अक्षमता या हानि जिससे मामूली घाव के कारण घातक रक्तस्राव हो सकता है।

18. ''थैलेसीमिया'' का अर्थ है वंशानुगत विकारों का एक समूह जिसके लक्षण हैं हीमोग्लोबिन की कम या शून्य मात्रा का होना।

19. ''सिकल सेल रोग'' से अभिप्राय है हिमोलिटिक विकार जो कि सम्बद्ध ऊतकों तथा अंग क्षतिग्रस्त होने के कारण एनीमिया, दर्द होने और विभिन्न प्रकार की जटिलताओं से परिलक्षित होती है। ''हीमोलाइटिक'' से अभिप्राय है लाल रक्त कोशिकाओं की कोशिका झिल्ली का नष्ट होना जिससे कि हीमोग्लोबिन स्रावित होने लगता है।

अ. बहु–दिव्यांगता (उपरोक्त निर्दिष्ट दिव्यांगताओं में एक से अधिक)

20. बहरेपन, अंधेपन सहित बहु–दिव्यांगता (उपरोक्त निर्दिष्ट दिव्यांगताओं में से एक से अधिक) से अभिप्राय है वह स्थिति जिसमें व्यक्ति सुनने एवं देखने में बाधित हो, जिससे उसके बोल चाल, विकास और शिक्षा में गंभीर समस्याएँ आती हों।

21. अन्य कोई ऐसी श्रेणी जिसे केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाए।

आवेदन को एक मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी वैध निशक्तताः प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जो आवेदक के चित्र से युक्त होगा।

5.1.1 निशक्तजनों के संबंध में शुल्क में छूट फीस/ छूट (PwBD)

a) विश्वविद्यालय के संकायों, विभागों, केंद्रों, और संस्थानों कॉलेजों में अध्ययन के विभिन्न /पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले शारीरिक निशक्तजनः आवेदकों

को शुल्क यथा परीक्षा शुल्क एवं अन्य विश्वविद्यालयी शुल्क के भुगतान से छूट मिलेगी। यद्यपि उन्हें प्रवेश शुल्क, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र संघ की सदस्यता और पहचान पत्र शुल्क विश्वविद्यालय के (अध्यादेश X 4) में संशोधन के अनुसार, में छूट नहीं मिलेगी।

b) पीडब्ल्यूबीडी आवेदक जो अनारक्षित वर्ग के लिए कट ऑफ से मिलते हैं और अनारक्षित श्रेणी में प्रवेश लेंगे, वे अनारक्षित श्रेणी के आवेदक से संबद्ध शुल्क का भुगतान करेंगे।

c) कार्यकारी परिषद के संकल्प संख्या 50 दिनांक 03.11.2012 के अनुसार, विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों में रहने वाले शारीरिक निशक्तजन छात्रों को सभी तरह की छात्रावास शुल्क और प्रभारों के भुगतान से छूट होगी। यद्यपि उन्हें वापसी योग्य शुल्क और मेस शुल्क देनी होगी। शारीरिक निशक्तजन छात्रों को मेस शुल्क का 50% भुगतान करना होगा और उनके शेष 50% मेस शुल्क का भुगतान दिल्ली विश्वविद्यालय करेगी। कॉलेजों के विभिन्न छात्रावासों में रहने वाले शारीरिक निशक्तजन (PWBD) छात्रों के संबंध में कॉलेजों द्वारा इसी तरह के मानदंड अपनाए गए हैं।

d) शारीरिक निशक्तजन (PWBD) छात्र जो कि फैलोशिप वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें निम्नलिखित शर्तों के अधीन शुल्क/प्रभारमेस शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी। कॉलेजों में भर्ती अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूडी के सभी छात्र जो कि फेलोशिप के लिए पात्र हैं, उन्हें फेलोशिप प्राप्त करने के लिए फरवरी तक अपना फॉर्म आवश्यक कार्यालय में जमा करना चाहिए।

फेलोशिप की राशि	फीस माफी या छूट आदि।
3000/– प्रति माह तक	फीस माफ +50% मेस शुल्क सब्सिडी

3001/– से 8000/–प्रति माह तक	फीस माफ लेकिन कोई मेस सब्सिडी नहीं
प्रति माह 8001/– उससे रुपए और अधिक	कोई फीस माफ नहीं और कोई मेस शुल्क सब्सिडी नहीं

5.2 सशस्त्र बलों के कर्मियों के बच्चों/विधवाओं के लिए आरक्षण

1. इस श्रेणी के तहत आवेदकों के लिए सभी कॉलेजों में पाठ्यक्रमवार पांच प्रतिशत (5%) सीट आरक्षित हैं।

2. ऐसे सभी आवेदकों को उचित लेटरहेड पर निम्नलिखित में से किसी भी अधिकारी द्वारा जारी किए जाने वाले शैक्षिक रियायत प्रमाणपत्र (परिशिष्ट VII) में दिए गए फॉर्मेट के अनुसार को अपलोड करना होगाः

क) सचिव, केंद्रीय सैनिक बोर्ड, दिल्ली।

ख) सचिव, राज्य जिला सैनिक बोर्ड।

ग) प्रभारी अधिकारी, रिकॉर्ड कार्यालय।

घ) प्रथम श्रेणी वजीफा मजिस्ट्रेट।

ड) गृह मंत्रालय (वीरता पुरस्कारों को प्राप्त करने वाले पुलिस कार्मिक के लिए) कोई अन्य प्रारूप स्वीकार्य नहीं होगा, माता–पिता या आश्रित के आईडी कार्ड के रूप में सीडब्ल्यू श्रेणी के प्रमाण पत्र, मेडिकल कार्ड, तर्कसंगत कार्ड, सीएसडी कार्ड आदि प्रमाण पत्र के बदले स्वीकार्य नहीं होंगे। प्रमाण पत्र में प्राथमिकता स्पष्ट रूप से उल्लिखित होनी चाहिए। प्रासंगिक प्राथमिकता का उल्लेख नहीं करने वाले प्रमाण पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

पैरा–मिलिटरी कार्मिक (केवल वरीयता I से V तक) सहित सशस्त्र बलों (प्राथमिकता I से IX) के कर्मियों के बच्चों/विधवाओं को निम्नांकित वरीयता क्रम में प्रवेश दिए जा सकते हैं:–

वरीयता I कार्रवाई में मारे गए रक्षा कर्मियों की विधवा/संतान।

वरीयता II कार्रवाई में निःशक्त हुए रक्षाकर्मियों तथा मिलिटरी सेवा करते हुए निःशक्तता के कारण सेवा से बाहर हुए सैनिकों की संतान

वरीयता III मिलिटरी सेवा करते हुए जान गंवाने वाले रक्षाकर्मियों की विधवाएं/संतान

वरीयता IV सेवारत निःशक्त रक्षा कर्मियों तथा मिलिटरी सेवा करते हुए निःशक्तता के कारण सेवा से बाहर हुए सैनिकों की संतान

वरीयता V पूर्व सैनिकों और सेवारत कर्मियों सहित वीरता पुरस्कारों यथा –

i. (परमवीर चक्र)

ii. अशोक चक्र

iii. महावीर चक्र

iv. कीर्ति चक्र

v. वीर चक्र

vi. शौर्य चक्र

vii. वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक

viii. (सेनापदक) वीरता (नौ सेना पदक के लिए पदक, वायु सेना

पदक (वीरता)

ix. मेंशन–इनडिस्पैच

x. वीरता संबंधी पुलिस पदक

– आदि की प्राप्ति वाले पुलिस बल कर्मी की संतान

वरीयता VI पूर्व सैनिकों की संतान

वरीयता VII i. कार्रवाई में निशक्त होने के कारण सेवा से बाहर हुए रक्षाकर्मियों की : पत्नियां

ii. सेवारत अक्षम रक्षाकर्मी तथा मिलिटरी सेवा करते हुए निःशक्तता के कारण सेवा से बाहर हुए रक्षा कर्मियों की पत्नियाँ

iii. वीरता संबंधी पुलिस पदक की प्राप्ति वाले पूर्व सैनिकों और सेवारत कर्मियों की पत्तियाँ

वरीयता VIII सेवारत कर्मियों की संतान

वरीयता IX सेवारत कर्मियों की संतान सेवारत कर्मियों की पत्नियां

5.3 कश्मीरी प्रवासियों का आरक्षण (सुपरन्यूमरेरी सीट)

1. कश्मीरी प्रवासियों के सभी वार्ड (पुत्र/पुत्री) जो विश्वविद्यालय के विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक हैं, उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा।

2. कश्मीरी प्रवासियों के वार्ड के लिए सभी कॉलेजों में पाठ्यक्रम–वार 5% सीटें आरक्षित हैं।

3. कश्मीरी प्रवासियों के सभी वार्डों को कश्मीरी प्रवासी के रूप में संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।

4. कश्मीरी प्रवासियों के वार्ड के प्रवेश कॉलेजों द्वारा घोषित किए जाने वाले कट–ऑफ के आधार पर होगा। अनारक्षित श्रेणी के आवेदकों के लिए निर्धारित अंतिम कट–ऑफ अंकों में अधिकतम 10% की छूट को कश्मीरी प्रवासियों तक बढ़ाया जाएगा।

5. इस श्रेणी के तहत आरक्षण उन पाठ्यक्रमों में उपलब्ध नहीं है, जहां प्रवेश प्रवेश–परीक्षा पर आधारित है।

5.4 जम्मू एवं कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना

जम्मू एवं कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत चयनित आवेदकों का कॉलेज में सीधे प्रवेश होगा। इस श्रेणी के अंतर्गत आरक्षण उन पाठ्यक्रमों में उपलब्ध नहीं है जहाँ प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश होता है। आवेदकों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर घोषित की जाने वाली अनुसूची के अनुसार विश्वविद्यालय के पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए।

5.5 सिक्किम के छात्रों के लिए आरक्षण

सिक्किम सरकार द्वारा नामित सिक्कम के छात्रों का उन कॉलेजों में विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश के लिए योग्य माना जाएगा जहां छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है (शैक्षिक परिषद संकल्प 51 दिनांक 05/06/1980 और संकल्प 122 दिनांक 17/12/1990)। प्रवेश के लिए और साथ ही संबंधित कॉलेजों में छात्रावास के लिए सिक्किम छात्रों का आवंटन कुलपति के विवेक पर होगा।

इस श्रेणी के तहत आरक्षण उन पाठ्यक्रमों में उपलब्ध नहीं है, जहां प्रवेश परीक्षाओं पर प्रवेश आधारित है। आवेदकों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर घोषित की जाने वाली अनुसूची के अनुसार विश्वविद्यालय के पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए।

इन नामांकित सीटों की संख्या नीचे दी गई है:

कोर्स	सीट
बी.ए. (प्रोग्राम)	3
बी.ए. (ऑनर्स)	1
बी.कॉम	4
बी.कॉम. (ऑनर्स)	2
बीएससी. भौतिक विज्ञान एप्लाइड भौतिक विज्ञान	2
बी एससी. (जीव विज्ञान) एप्लाइड जीव विज्ञान /	2
कुल	14

5.6 वार्ड कोटे के लिए सीट

विश्वविद्यालय और कॉलेज के स्थायी सेवारत कर्मचारियों–शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक– दोनों के वार्डो का विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश निम्नांकित मानदंडों के अनुसार दिया जाएगा। हालांकि ऐसे पाठ्यक्रमों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम और अन्य पाठ्यक्रम जिनमें प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है, शामिल नहीं हैं –

1. स्थायी सेवारत कर्मचारी जिस कॉलेज में कर्मचारी है, उस कॉलेज में उसके वार्ड को मेरिट के आधार पर प्रवेश मिलेगा। यह प्रवेश ऐसे आवेदकों के

बीच योग्यता के आधार पर दिया जाएगा, जो सामान्य तौर पर एक कोर्स में साठ छात्रों की प्रत्येक इकाई के लिए एक सीट सहित पाठ्यक्रम विशिष्ट पात्रता शर्तों–को पूरा करते हों।

2. विश्वविद्यालय के स्थायी (शिक्षण/गैर शिक्षण) अन्य कॉलेजोंमें सेवारत कर्मचारियों के वार्ड के प्रवेश के लिए प्रवेश (बेटीध्बेटे)की सीटों की कुल संख्या छह शैक्षिक कर्मचारी के लिए तीन और गैर शैक्षिक के लिए कर्मचाचारी के लिए तीन से अधिक नहीं होगी। यह प्रवेश ऐसे आवेदकों के बीच योग्यता के आधार पर दिया जाएगा, जो सामान्य तौर पर एक कोर्स में साठ छात्रों की प्रत्येक इकाई के लिए एक सीट सहित पाठ्यक्रम विशिष्ट पात्रता शर्तों को पूरा करते हों।

3. उपरोक्त मानदंडों पर प्रवेश सामान्य संख्या से अधिक की सीटों पर होगा।

4. वार्ड कोटे के तहत प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को विश्वविद्यालय के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म भरना होगा। उन्हें उन कॉलेजों का चयन करना होगा, जो वे पंजीकरण के समय प्रदान की गई सूची बनाने के लिए आवेदन करना चाहते हैं। इस कोटे के तहत प्रवेश की अनुसूची और प्रक्रिया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सूचित की जाएगी।

विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज के कर्मचारियों के बच्चों, शिक्षण और गैर–शिक्षण दोनों में प्रवेश अकादमिक परिषद के संकल्प 9 ए और बी दिनांक 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

6. पाठ्येतर गतिविधियां (ईसीए) और खेल कोटा

कोविड–19 महामारी की अभूतपूर्व स्थिति और प्रचलित सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के कारण, ईसीए कोटा के तहत स्नातक स्तरीय योग्यता–आधारित प्रवेश ऑनलाइन/ऑफलाइन परीक्षणों के संचालन के बिना होगा।

6.1 ईसीए कोटा

1. कॉलेजों को खेल सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए और सभी छात्रों को अंतकक्षा प्रतियोगिताओं और सामूहिक खेलों की शुरुआत करके खेल और पाठ्येतर गतिविधियों (ईसीए) में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

ईसीए और खेल के लिए कम से कम 1: (कॉलेज की कुल क्षमता का) का प्रतिनिधित्व सभी कॉलेजों के लिए अनिवार्य है, जो ईसीए और खेल के लिए कुल मिलाकर 5% (कॉलेज की कुल क्षमता का) की सीमा के अधीन है।

2. ईसीए को आवंटित की जाने वाली सीटों की कुल संख्या उपलब्ध सुविधाओं, कॉलेजों की आवश्यकता और अन्य प्रासंगिक कारकों के आधार पर तय की जाती है।

3. ईसीए कोटा के तहत स्नातक स्तरीय कार्यक्रमों में प्रवेश केवल योग्यता आधारित कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध है और उन कार्यक्रमों में उपलब्ध नहीं है जहां प्रवेश परीक्षा पर आधारित है।

4. ईसीए कोटा के तहत प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवार को 'दिल्ली विश्वविद्यालय यूजी प्रवेश पोर्टल' पर ऑनलाइन पंजीकरण करना आवश्यक है।

5. ईसीए के आधार पर उम्मीदवार को कार्यक्रम और कॉलेज का आवंटन विश्वविदयालय द्वारा एक केंद्रीकृत ईसीए मेरिट सूची के माध्यम से और कॉलेजों की प्राथमिकताओं और आवेदक द्वारा बताए गए कार्यक्रमों के आधार पर किया जाएगा। आवंटन केंद्रीकृत ईसीए मेरिट सूची, कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता मानदंड, कार्यक्रम की उपलब्धता और कॉलेज में ईसीए कोटा / उप–कोटा के क्रम में आवेदक के रैंक पर आधारित होगा।

6. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश वेबसाइट पर स्नातक स्तरीय प्रवेश 2021–2022 के लिए ईसीए प्रवेश और ईसीए सीट मैट्रिक्स की अनुसूची के बारे में अतिरिक्त जानकारी अधिसूचित की जाएगी। उम्मीदवारों से अनुरोध है कि

ईसीए कोटा के तहत प्रवेश के लिए आगे के दिशा–निर्देशों और प्रवेश संबंधी अन्य जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट नियमित रूप से देखते रहें।

7. ईसीए के आधार पर प्रवेश पाने के लिए अवैध/नकली प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने वाले उम्मीदवार को तीन साल के लिए किसी भी कॉलेज में प्रवेश से वंचित कर दिया जाएगा। ऐसे मामलों में प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा और सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

पाठ्येतर गतिविधियों (ईसीए) के आधार पर प्रवेश के लिए दिशानिर्देश

- दिल्ली विश्वविद्यालय ने यूजी कार्यक्रमों में ईसीए कोटा के माध्यम से प्रवेश के तहत अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों (ईसीए) के पिछले वर्ष की सभी चौदह श्रेणियों को शामिल करने का निर्णय लिया है।
- ईसीए कोटा के तहत प्रवेश कॉलेजों द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के लिए नीचे उल्लिखित विभिन्न श्रेणियों और उप–श्रेणियों में दी जाने वाली सीटों के अधीन किया जाएगाः

कोटा	कोटा	उप कोटा	उप–कोटा
क्रमांक			
1.	रचनात्मक	1. ए	रचनात्मक लेखन
	लेखन	1. बी	रचनात्मक लेखन (अंग्रेजी)
2.	नृत्य	2.एक	नृत्यः भारतीय शास्त्रीय
		2.बी	नृत्यः भारतीय लोक
		2.सी	नृत्यः पश्चिमी
		2.डी	नृत्यः कोरियोग्राफी

3.	वाद–विवाद	3.ए	वाद–विवादः हिंदी
		3.बी	वाद–विवादः अंग्रेजी
4.	डिजिटल	4.एक	डिजिटल मीडियाः फोटोग्रीफी
	मीडिया	4.बी	डिजिटल मीडियाः फिल्म निर्माण
		4.सी	डिजिटल मीडियाः एनिमेशन
5.	ललित कला	5.एक	ललित कलाः स्केचिंग और पेंटिंग
		5.बी	ललित कलाः मूर्तिकला
6.	संगीत(वोकल)	6.ए	संगीत (वोकल): भारतीय
		6.बी	संगीत (मुखर): पश्चिमी
7	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय)	7.ए	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) मृदंगम
		7.बी	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) मृदंगम
		7.सी	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) ढोलकी
		7.डी	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) पखावजी
		7.इ	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) घाटम
		7.एफ	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) हारमोनियम
		7.जी	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) बांसुरी
		7.एच	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) सितार
		7.आई	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) वायलिन
		7.जे	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) सरोद
		7.के	संगीत (वाद्य यंत्रः भारतीय) संतूर
8	संगीत (वाद्य यंत्रः पश्चिमी)	8.ए	संगीत (वाद्य यंत्रः पश्चिमी) ड्रम

		8.बी	संगीत (वाद्य यंत्रः पश्चिमी) पश्चिमी बांसुरी
		8.सी	संगीत (वाद्य यंत्रः पश्चिमी) सैक्सोफोन
		8.डी	संगीत (वाद्य यंत्रः पश्चिमी) गिटार (लीड)
		8.ई	संगीत (वाद्य यंत्रः पश्चिमी) गिटार (बास)
		8.एफ	संगीत (वाद्य यंत्रः पश्चिमी) वायलिन
		8.जी	संगीत (वाद्य यंत्रः पश्चिमी) कीबोर्ड
9	थियेटर	9	थियेटर
10	प्रश्नोत्तरी	10	प्रश्नोत्तरी
11	दिव्यता*	11	देवत्व
12	एनसीसी	12	एनसीसी
13	एनएसएस	13	एनएसएस
14	योग	14	योग
	*केवल सिख अलपसंख्यक कॉलेजों के लिए लागू		

महत्वपूर्ण नोटः इन श्रेणियों और उप–श्रेणियों में प्रवेश कॉलेजों द्वारा दी जाने वाली सीटों के अधीन है।

- विश्वविद्यालय उन ईसीए श्रेणियों/उपश्रेणियों के तहत प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के आवेदनों पर विचार नहीं करेगा, जिनके लिए किसी कॉलेज द्वारा सीटों की पेशकश नहीं की जाती है।
- उम्मीदवार अधिकतम तीन ईसीए श्रेणियों के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

- रुपये का अतिरिक्त पंजीकरण शुल्क होगा। (यूआर/ओबीसी/एससी/एसटी पीड/पीडल्यूबीडी/ईडब्ल्यूएस) पंजीकरण के लिए शुल्क के अलावा ईसीए कोटा के तहत आवेदन करने के लिए 100 रुपये।
- ईसीए के तहत प्रवेश उम्मीदवारों के योग्यता/भागीदारी प्रमाण पत्र के आधार पर किया जाएगा। कोविड –19 महामारी से उत्पन्न असाधारण स्थिति के कारण, इस वर्ष उम्मीदवारों को पिछले चार वर्षों के प्रमाण पत्र अपलोड करने की अनुमति है। (केवल शैक्षणिक वर्ष 2021–2022 के लिए)। उम्मीदवारों को पिछले चार वर्षों (1 मई 2017–30 अप्रैल 2021) के अधिकतम पांच सर्वश्रेष्ठ प्रमाण पत्र अपलोड करने होंगे।
- अदिनांकित लेटरहेड और आंशिक रूप से अपलोड किए गए प्रमाण पत्रों पर किसी भी परिस्थिति में अंकन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।
- एक प्रमाण पत्र एक से अधिक बार अपलोड नहीं किया जाना चाहिए। उम्मीदवार किसी आयोजन के लिए केवल एक बार अंक प्राप्त करने का दावा पॉइंट्स क्लेम कर सकता है।
- उम्मीदवार द्वारा अपलोड किए गए प्रमाण पत्रों की जांच की जाएगी और अधिकतम 100 अंकों में से उनका मूल्यांकन किया जाएगा। केवल अपलोड किए गए प्रमाण पत्रों (एनसीसी और एनएसएस को छोड़कर) में 20 अंक और उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार ईसीए के आधार पर प्रवेश की अंतिम योग्यता सूची के लिए पात्र होंगे। ईसीए कोटा के तहत अंक उम्मीदवार द्वारा अपलोड किए गए तीन सर्वश्रेष्ठ प्रमाण पत्रों (अपलोड किए गए पांच में से) में दिए गए कुल अंकों के योग के आधार पर निर्धारित किए जाएंगे।
- ईसीए मेरिट सूची में आने वाले उम्मीदवार का नाम किसी कॉलेज और किसी में प्रवेश की गारंटी नहीं देता है। उम्मीदवार का प्रवेश कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड, कॉलेज में ईसीए कोटा के तहत

कार्यक्रम और सीटों की उपलब्धता व मेरिट सूची के क्रम में रैंक के अधीन है।

- ईसीए मेरिट सूची में आने वाले उम्मीदवार का नाम कॉलेज और कार्यक्रम में प्रवेश की गारंटी नहीं देता है। उम्मीदवार का प्रवेश कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड की पूर्ति, कॉलेज में कार्यक्रम और ईसीए कोटा की उपलब्धता और योग्यता सूची के क्रम में रैंक के अधीन है।
- ईसीए कोटे के तहत भर्ती हुए सभी अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की फोरेंसिक जांच की जाएगी।
- अंतिम प्रासंगिक कट–ऑफ से अनारक्षित कोटा उम्मीदवारों की तुलना में शैक्षणिक योग्यता में 15% से अधिक छूट कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता मानदंड के अधीन किसी विशिष्ट कार्यक्रम में प्रवेश के लिए नहीं दी जाएगी। प्रत्येक कॉलेज द्वारा विशिष्ट छूट की घोषणा की जाएगी।
- कॉलेजों को शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए ईसीए के तहत प्रवेश के लिए प्रत्येक कोटा और उप कोटा में अपनी सीटों की संख्या घोषित करने के लिए कहा जाएगा।

योग्यता/भागीदारी ईसीए प्रमाणपत्रों को चिह्नित करने के लिए मानदंड

सीनियर नहीं	कोट	अधिकतम
1.	प्रतियोगिता में भागीदारी/पुरस्कार	44
2.	प्रशिक्षण/परीक्षाएं	28
3.	कार्यशालाएं	16
4.	प्रदर्शन/प्रकाशित कार्य/प्रदर्शनी (सार्वजनिक)	12
	कुल	100

ए) प्रतियोगिता में भागीदारी/पुरस्कार

प्रमाण पत्रों के लिए अधिकतम अंक–4.; सतत गतिविधि के लिए अंक–4**

सीनियर नहीं	स्तर	अधिकतम अंक			
		पहला पुरस्कार	दूसरा पुरस्कार	तीसरा पुरस्कार	भागीदारी
1.	अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय	24	20	16	12
2.	राज्य	20	16	12	8
3.	जोनल / इंटर स्कूल	16	12	8	0
4	अंतर स्कूल	12	8	4	0

- उपर्युक्त अंक एकल प्रदर्शन के लिए दिए जाएंगे। एक समूह गतिविधि के लिए, प्रत्येक समूह गतिविधि के लिए उपर्युक्त अंकों में से 4 अंक काटे जाएंगे।
- यदि इस कोटे के लिए किसी उम्मीदवार के कुल अंक 40 से अधिक हैं, तो उसे निरंतर गतिविधि के लिए 4 अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे।
- नोट : भागीदारी / पुरस्कारों में ''अंतर्राष्ट्रीय स्तर'' पर विचार किया जा सकता है। यदि उम्मीदवार ने किसी मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया है और या तो पूर्व राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है या चयन प्रक्रिया के माध्यम से एक प्रतिष्ठित एजेंसी द्वारा प्रायोजित किया गया है।
- अन्य राज्यों या देशों के स्कूलों से भाग लेने वाले स्कूलों द्वारा आयोजित इंटर स्कूल कार्यक्रमों को इंटर स्कूल स्तर पर माना जाएगा, न कि राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर।
- भारत में भी उपरोक्त सभी मानदंडों को पूरा करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया जा सकता है।

बी) प्रशिक्षण / परीक्षा

प्रमाण पत्रों के लिए अधिकतम अंक–24; सतत गतिविधि के लिए अंक–4**

सीनियर नहीं	स्तर	अधिकतम अंक			
		2 साल	3 वर्ष	चार वर्ष ढझ	> 4 साल
1.	गुरु / उस्ताद / संस्था के अधीन प्रशिक्षण	8	12	16	20
2.	उत्तीर्ण प्रमाण पत्र के साथ परीक्षा	8	12	16	20

- यदि एक उम्मीदवार ने कई गतिविधियों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है (उदाहरण के लिए, यदि किसी छात्र ने हिंदुस्तानी गायन के साथ–साथ कर्नाटक शैली के गायन में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है), तो प्रत्येक प्रशिक्षण गतिविधि के लिए अंकन की समान योजना का पालन किया जाएगा और अंक जोड़े जाएंगे।
- परीक्षा प्रमाण पत्रों के मूल्यांकन के लिए, परीक्षा की उस विशेष प्रणाली में छात्र द्वारा उत्तीर्ण उच्चतम स्तर की परीक्षा पर विचार किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी छात्र के पास दूसरे वर्ष के साथ–साथ तीसरे वर्ष के लिए गंधर्व शैली प्रमाण पत्र हैं, तो केवल तीसरे वर्ष के परीक्षा प्रमाण पत्र पर विचार किया जाएगा।
- कोटा (परीक्षा अनुभाग) के तहत अंकों के लिए सीसीआरटी छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र / पुरस्कार पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, सीसीआरटी छात्रवृत्ति सीसीआरटी द्वारा जारी निर्धारित प्रारूप में होनी चाहिए।
- यदि इस कोटे के लिए किसी भी उम्मीदवार के कुल अंक 24 से अधिक हैं, तो उसे सतत गतिविधि के लिए 4 अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे।

सी) कार्यशालाएंः

प्रमाण पत्रों के लिए अधिकतम अंक 12 व सतत गतिविधि के लिए अंक 4**

क्रमांक	कार्यशाला	अधिकतम अंक
1.	1 सप्ताह से कम	4
2.	1 सप्ताह से 1 माह (30 दिन)	8
3.	30 दिनों से अधिक	12

- यदि इस कोटे के लिए किसी उम्मीदवार के कुल अंक 12 से अधिक हैं, तो उसे सतत् गतिविधि के लिए 4 अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे।

डी) सार्वजनिक प्रदर्शन / प्रकाशित कार्य । प्रदर्शनी (सार्वजनिक):

अधिकतम अंक – 12 (उम्मीदवार द्वारा प्रदान किए गए प्रमाण पत्रों के आधार पर)

मैं) संगीत (गायन/वाद्य) – एकल/बैंड/समूह/वाद्य

ii) नृत्य (शास्त्रीय/लोक/पश्चिमी) – एकल/समूह (अरंगेत्रम जैसे एकल सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए – प्रदर्शन स्थल के प्रबंधन से ब्रोशर और/या फ्लायर, समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों को दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में माना जा सकता है)

iii) कोरियोग्राफी – सोलो/ग्रुप शो

iv) रंगमंच – एकल/समूह

वी) ललित कला–प्रदर्शनी

vi) मीडियाः

ए) फिल्म निर्माण– फिल्म क्रेडिट में स्वीकृत

बी) एनिमेशन – फिल्म क्रेडिट में स्वीकृत

सी) फोटोग्राफी–प्रदर्शनी

vii) रचनात्मक लेखन – प्रकाशित कार्य (सार्वजनिक प्रिंट मीडिया और डिजिटल मीडिया पर विचार किया जाएगा।

- यदि किसी उम्मीदवार के पास सार्वजनिक प्रदर्शन/प्रदर्शनी या प्रकाशित कार्य है, तो उम्मीदवार को इस कोटे के तहत 12 अंक प्राप्त होंगे। प्रत्येक सार्वजनिक प्रदर्शन/प्रदर्शनी या प्रकाशित कार्य के लिए उसके नाम पर 4 अंक । कविताओं/लघु कथाओं/उपन्यासों/नाटकों के एकल लेखक संग्रह के लिए 4 अंक आवंटित किए जाएंगे। एक संकलन में कविता या कविता/कहानी या कहानियों नाटकों या नाटकों में से प्रत्येक के लिए 2 अंक आवंटित किए जाएंगे।

* इस कोटे के तहत सतत् गतिविधि के लिए कोई अतिरिक्त अंक नहीं दिए जाएंगे।

** सतत गतिविधि का अर्थ है पुरस्कार/प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद भी उसी गतिविधि को जारी रखना।

• वाद–विवादः

ए) उम्मीदार किसी आयोजन के लिए केवल एक बार अंक का दावा कर सकता है। एक ही आयोजन के लिए दो प्रमाण पत्रों में से, एक उच्च अंक प्राप्त करने वाले को गणना के उद्देश्य से माना जाएगा।

बी) प्रारंभिक दौर के प्रमाण पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। पूर्ण वाद–विवाद या अंतिम दौर में भाग लेने पर विचार किया जाएगा।

- नृत्य (भारतीय शास्त्रीय/भारतीय लोक/पश्चिमी/नृत्यकला):

ए) केवल उस फॉर्म से संबंधित प्रमाण पत्रों पर विचार किया जाएगा जिसके लिए उम्मीदवार ने आवेदन किया है।

बी) भागीदारी प्रमाणपत्र में कोटा/उप–कोटा और प्रदर्शन का स्तर (एकल और समूह) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट होना चाहिए।

- संगीत (इंडियन वोकल/वेस्टर्न वोकल): भागीदारी प्रमाण पत्रों में कोटा उप–कोटा और प्रदर्शन का स्तर (एकल और समूह) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट होना चाहिए।
- संगीत (वाद्य भारतीय/पश्चिमी):
  - केवल उस साधन से संबंधित प्रमाण पत्र जिसके लिए उम्मीदवार ने आवेदन किया है, पर विचार किया जाएगा।
- डिजिटल मीडिया (फिल्म निर्माण और एनिमेशन): अन्य गैर–सहकर्मी की समीक्षा की गई वीडियो स्ट्रीमिंग साइटों पर YouTube अपलोड और अपलोड को चिह्नित करने के लिए विचार नहीं किया जाएगा।
- **योग:** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लेने पर अंकन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।
- देवत्व:

a) केवल सिख अल्पसंख्यक कॉलेजों के लिए लागू

i) श्री गुरु तेगबहादुर खालसा

ii) श्री गुरु नानक देव खालसा

iii) माता सुंदरी कॉलेज फॉर विमेन

iv) श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स

ख) गुरबानी में भाषण प्रतियोगिता से संबंधित प्रमाण पत्र, आदिग्रंथ और दशम ग्रंथ से शब्द गुरबानी, गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ और दशम ग्रंथ और धाड़ी परंपरा, गायन के साथ धार्मिक/ऐतिहासिक कहानी कहने पर विचार किया जा सकता है।

- राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

1. कोविड –19 महामारी से उत्पन्न असाधारण स्थिति के कारण, इस वर्ष उम्मीदवारों को पिछले चार वर्षों के प्रमाण पत्र (केवल शैक्षणिक वर्ष 2021–2022 के लिए) अपलोड करने की अनुमति है। उम्मीदवारों को 30 मई 2017 के बाद चार साल पूर्ववर्ती के सर्वश्रेष्ठ पांच एनसीसी प्रमाण पत्र की एक अधिकतम अपलोड करने की आवश्यकता होगी *अप्रैल 2021

2. अदिनांकित प्रमाण पत्र और एनसीसी इकाई के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता की मुहर और हस्ताक्षर के बिना अंकन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

3. यदि वे उक्त परीक्षा में परिणाम का उल्लेख नहीं करते हैं तो 'ए' और 'बी' प्रमाण पत्र परीक्षा में उपस्थित होने के अनंतिम प्रमाण पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. स्कूल या एएनओ द्वारा प्रदान किए गए 'ए' और 'बी' प्रमाण पत्र परीक्षा के लिए अनंतिम प्रमाण पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. उम्मीदवार द्वारा अपलोड किए गए प्रमाण पत्रों की जांच की जाएगी और अधिकतम 100 अंकों में से उनका मूल्यांकन किया जाएगा। ईसीए के आधार पर प्रवेश पात्र होने के लिए उम्मीदवार को अपलोड किए गए एनसीसी प्रमाण पत्रों के अंकन में न्यूनतम 04 अंक सुरक्षित करने चाहिए।

पांच अलग–अलग शीर्षों के तहत उम्मीदवारों को उनके प्रदर्शन के आधार पर अंक प्रदान किए जाएंगे:

a. नियमित गतिविधि

b. इंतिहान

c. कैम्प

d. विशेष शिविर

e. आरडी कैंप

प्रत्येक कोटा (भागीदारी) में प्राप्त किए जा सकने वाले अधिकतम अंक नीचे दिए गए हैं:

क्र. स.	कोटा	न्यूनतम अंक	अधिकतम अंक
1.	नियमित गतिविधि–ऑनलाइन*** और ऑफलाइन (सर्वश्रेष्ठ 4 कैडेट / स्वतंत्रता दिवस / आत्मरक्षा / आईडीवाई सामाजिक जागरूकता, सामुदायिक विकास और प्राकृतिक आपदा में प्रशंसा प्रमाण पत्र	4	8
2.	परीक्षा ए / बी; एडीजी कॉम / डीजी कॉम	12	20
3.	कैंप (शूटिंग कैंप / एडवेंचर कैंप / सीएम रैली / पीएम रैली 19***	20	32
4.	विशेष शिविर (टीएससी / वीएससी / एनएससी)	16	16
5.	आरडी कैंप	24	24
	कुल अंक	100	

*** ईसीए के लिए लागू – एनसीसी उप कोटा सत्र 2021–2022 के लिए केवल कोविड–19 महामारी के कारण प्रवेश

नोटः न्यूनतम अंक एक गतिविधि के लिए हैं और अधिकतम अंक दो या अधिक गतिविधियों के लिए हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

1. कोविड–19 महामारी से उत्पन्न असाधारण स्थिति के कारण, इस वर्ष उम्मीदवारों को पिछले चार वर्षों के प्रमाण पत्र अपलोड करने की अनुमति है। (केवल शैक्षणिक वर्ष 2021–2022 के लिए)। उम्मीदवारों को पिछले चार वर्षों – 1 मई 2017 से 30 अप्रैल 2021 तक के अधिकतम पांच सर्वश्रेष्ठ एनसीसी प्रमाण पत्र अपलोड करने होंगे।

2. अदिनांकित प्रमाण पत्र और एनएसएस के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर रहित प्रमाण–पत्र को अंकन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

3. प्रमाण पत्र में उम्मीदवार का एनएसएस स्वयंसेवक के रूप में गतिविधियों में भाग लेने का उल्लेख होना चाहिए।

4. वर्क डायरी हाथ से लिखी होनी नही चाहिए। वर्क डायरी में प्रत्येक पृष्ठ पर कार्यक्रम अधिकारी और प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर और मुहर होनी चाहिए।

5. उम्मीदवार द्वारा अपलोड किए गए प्रमाण पत्रों की जांच की जाएगी और अधिकतम 100 अंकों में से उनका मूल्यांकन किया जाएगा। ईसीए के आधार पर प्रवेश के पात्र होने के लिए उम्मीदवार को अपलोड किए गए एनसीसी प्रमाण पत्रों के अंकन में न्यूनतम 04 अंक सुरक्षित करने चाहिए।

नीचे दिए गए पांच अलग–अलग शीर्षों के तहत उम्मीदवारों को उनके प्रदर्शन के आधार पर अंक दिए जाएंगे:

a) नियमित गतिविधि

b) काम के घंटे

c) राष्ट्रीय शिविर

d) विशेष शिविर

e) प्री–आरडी कैंप

प्रत्येक कोटा (भागीदारी) में प्राप्त किए जा सकने वाले अधिकतम अंक नीचे दिए गए हैं:

क्र.स.	कोटा	न्यूनतम अंक	अधिकतम अंक
1.	नियमित गतिविधि– ऑनलाइन*** और ऑफलाइन (स्वच्छता/वृक्षारोपण/ श्रमदान/सड़क सुरक्षा/मतदाता जागरूकता/महिला सुरक्षा/लिंग संवेदीकरण/कोविड–19*** या कोई भी समान सामाजिक जागरूकता गतिविधि)	4	8
2.	काम के घंटे (ऑनलाइन **** और ऑफलाइन)	120 घंटे के लिए 8	240 घंटे के लिए 16
3.	राष्ट्रीय शिविर– एसबीएसआई/आरडी/ एनएसएस आईजी पुरस्कार/ एनवाईएफ/ एनआईसी	24	32

4.	विशेष शिविर / वर्क डायरी / वर्क डायरी के साथ 20 विशेष शिविर	20	28
5.	प्री–आरडी कैंप / राज्य कैंप / कोविड–19 गतिविधियां 16 महीने से अधिक समय के लिए	16	16
	कुल अंक	100	

***ईसीए के लिए लागू – एनएसएस उप कोटा सत्र 2021–2022 के लिए केवल COVID-19 महामारी के कारण प्रवेश

नोटः न्यूनतम अंक एक गतिविधि के लिए हैं और अधिकतम अंक दो या दो से अधिक गतिविधि के लिए हैं।

टाई होने की स्थिति में

इसीए प्रमाण–पत्र में समान अंक हासिल करने वाले ऐसे उम्मीदवार जो एक ही कॉलेज और एक ही कार्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं को निम्नअनुसार हल किया जा सकता हैः–

i) सर्वश्रेष्ठ प्रमाणपत्र में उच्च अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को प्रवेश दिया जाएगा।

ii) यदि उम्मीदवारों के सर्वश्रेष्ठ प्रमाणपत्र में समान अंक हैं, तो दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रमाणपत्र अंक टाई तोड़ने के लिए माना जाएगा

iii) यदि उम्मीदवारों के दूसरे सर्वश्रेष्ठ प्रमाण पत्र में समान अंक हैं, तो तीसरे सर्वश्रेष्ठ प्रमाण पत्र के अंक को टाई तोड़ने के लिए माना जाएगा।

iv) यदि उम्मीदवारों के तीसरे सर्वश्रेष्ठ प्रमाण पत्र में समान अंक हैं, तो चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रमाण पत्र अंक को टाई तोड़ने के लिए माना जाएगा

v) यदि उम्मीदवारों के चौथे सर्वश्रेष्ठ प्रमाणपत्र में समान अंक हैं, तो पांचवां सर्वश्रेष्ठ प्रमाणपत्र अंक टाई तोड़ने के लिए माना जाएगा।

यदि टाई अभी भी बनी रहती है तो निम्नलिखित 'टाई–ब्रेकिंग' नियम अपनाया जाएगाः

i) उच्च अंक प्रतिशत वाले उम्मीदवार (एक भाषा सहित सर्वश्रेष्ठ चार विषयों का कुल) प्रवेश के लिए पहले विचार किया जाएगा।

ii) उच्च अंक प्रतिशत वाले उम्मीदवार पर (एक भाषा सहित सर्वश्रेष्ठ पांच विषयों का कुल योग) प्रवेश के लिए पहले विचार कियाजाएगा।

iii) पूर्व जन्म तिथि वाले उम्मीदवार पर (दसवीं कक्षा के प्रमाण पत्र में उल्लिखित) प्रवेश के लिए विचार किया जाएगा।

यदि टाई फिर भी बनी रहती है, तो सभी उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जा सकता है।

- अपलोड किए गए ईसीए प्रमाणपत्रों के अंक प्रदान करने से संबंधित शिकायत का निवारण विश्वविद्यालय की स्नातक ईसीए शिकायत समिति द्वारा होगा और इसका निर्णय अंतिम होगा।
- उम्मीदवार को प्रवेश के समय एक शपथ–पत्र प्रस्तुत करनी होगी जिसमें कहा गया हो कि उम्मीदवार कॉलेज के लिए सांस्कृतिक/एनएसएस /एनसीसी गतिविधियों में भाग लेंगे। यदि अध्ययन के स्नातक कार्यक्रम की अपनी पूरी अवधि के दौरान शपथ–पत्र का उल्लंघन करता है तो विश्वविद्यालय/कॉलेज को अधिकार है कि प्रवेश रद्द कर दें।

6.2 खेल कोटे में प्रवेश

COVID–19 महामारी की असाधारण स्थिति और सार्वजनिक स्वास्थ्य के संदर्भ में जारी दिशा–निदेश के कारण ईसीए और खेल के आधार पर प्रवेश ट्रायल के बिना होगा।

1. कॉलेजों को खेल सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए और सभी छात्रों को खेलों में भाग लेने के लिए अर्न्तकक्षा प्रतियोगिताओं और सामूहिक खेलों की शुरुआत करके पाठ्येतर गतिविधियों (ईसीए) के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

2. ईसीए और खेल में कम से कम 1% (कॉलेज की कुल सेवन क्षमता का) सभी कॉलेजों के लिए अनिवार्य, 5% (कॉलेज की कुल प्रवेश क्षमता का) प्रतिनिधित्व होना चाहिए।

2. ईसीए और खेल के आधार पर भरी जाने वाली सीटों की वास्तविक संख्या उपलब्ध सुविधाओं, कॉलेजों की आवश्यकताओं और अन्य प्रासंगिक कारक को देखते हुए तय की जाती है।

3. ईसीए और खेल के आधार पर प्रवेश उन पाठ्यक्रमों में उपलब्ध नहीं है जहां प्रवेश परीक्षा पर आधारित है।

4. आवेदक को पाठ्यक्रम एवं महाविद्यालय का आवंटन विश्वविद्यालय द्वारा केंद्रीकृत तरीके से ईसीए एवं खेलकूद के आधार पर किया जाएगा। पात्र आवेदक के प्रवेश हेतु पाठ्यक्रम का कोई विषय वार प्रतिबंध नहीं होगा।

5. ईसीए और खेल के कार्यक्रम और सीटों की उपलब्धता के बारे में अतिरिक्त जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अधिसूचित किया जाएगा।

6. एक आवेदक जो ईसीए के आधार पर प्रवेश लेने के लिए अवैध/नकली प्रमाण पत्र प्रस्तुत करता है उस पर किसी भी कॉलेज में तीन साल के लिए प्रवेश पर रोक लगा दी जाएगी। ऐसे प्रवेश को रद्द कर प्राथमिकी भी दर्ज की जाएगी।

खेल के आधार पर प्रवेश के लिए दिशा निर्देशः–

कॉलेज 'डीयू यूजी प्रवेश पोर्टल' पर कुल सीटों की संख्या के बारे में सूचित करेंगे।

विभिन्न खेलों/खेल में आवश्यकताओं के साथ खेल कोटा (अतिरिक्त अंक) पुरुष/महिला जैसा लागू हो।

खेल के आधार पर प्रवेश खेल प्रवेश सूची के आधार पर केंद्रीकृत खेल अंक पुरस्कार सूची में प्राप्त अंकों और रैंक पर जो अपलोड किए गए योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाणपत्रों के अंकन के मूल्यांकन पर, आधारित होगा जो आवेदक द्वारा पाठ्यक्रम और कॉलेज की प्राथमिकताएं और कॉलेज में खेल/खेल की उपलब्धता के अधीन इंगित किया गया होगा।

1. खेल के आधार पर प्रवेश पाने वाले आवेदक को 'डीयू यूजी प्रवेश पोर्टल' ऑनलाइन पंजीकरण करना आवश्यक है।

2. आवेदक एक खेल के लिए एक पंजीकरण कर सकते हैं। आवेदक अधिकतम तीन खेलों के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

3. प्रत्येक खेल के लिए 100/– रुपये का अतिरिक्त पंजीकरण शुल्क लागू होगा। इसके अतिरिक्त श्रेणी (यूआर/ओबीसी/एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी /ईडब्ल्यूएस) पंजीकरण के लिए लागू प्रवेश शुल्क निम्न आधार पर होगाः–

प्रवेश का आधार :

1 योग्यता/भागीदारी के आधार पर श्रेणी ए के अर्न्तगत सीधे प्रवेश–

2 श्रेणी बी, सी और डी के आधार पर प्रवेश मेरिट / भागीदारी के अंकन के लिए खेल प्रमाण पत्र के मानदंड।

1. **सीधे प्रवेश** के अंकन के लिए मानदंड की श्रेणी 'ए' के आधार पर योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र जिन खिलाडियों ने खेल और युवा मामले मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा वित्त पोषित मान्यता दी गई है और नीचे दी गई प्रतियोगिता (प्रतियोगिताओं) में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, उन्हें सीधे प्रवेश दिया जाएगा कॉलेजों द्वारा खेल/खेल के लिए प्वाइंट नं. ।। (बी) जहां खेल के लिए आवश्यकता दी गई है

a) अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) द्वारा ओलंपिक खेल

b) अंतर्राष्ट्रीय खेल संघों (ISF) द्वारा विश्व चौम्पियनशिप/विश्व कप

c) कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन (CGF) द्वारा कॉमनवेल्थ खेलों

d) एशिया ओलंपिक परिषद (OCA) द्वारा एशियाई खेल

e) अंतर्राष्ट्रीय खेल संघों (ISF) द्वारा एशियाई सीनियर चैंपियनशिप

f) दक्षिण एशिया ओलंपिक परिषद (एसएओसी) द्वारा दक्षिण एशियाई खेल (एसएजी)

g) अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) द्वारा पैरालंपिक खेल

II. मेरिट के अंकन के लिए मानदंड की श्रेणी 'बी', 'सी' और 'डी' के आधार पर प्रवेश/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र

A. योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र के लिए अधिकतम 100 अंक

1. योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र के अंकन के लिए मानदंड विभिन्न के लिए अंक प्रदर्शित करते हैं

खेल/खेल प्रतियोगिताओं का स्तर।

2. आमंत्रण/स्मारक/खुला/पुरस्कार राशि लीग/चयन परीक्षण का खेल प्रमाण पत्र/दस्ते/रैंकिंग प्रतियोगिताओं पर विचार नहीं किया जाएगा। पत्र/लेटरहेड खेल प्रतियोगिताओं में योग्यता/भागीदारी पर भी विचार नहीं किया जाएगा।

3. आवेदक को अपने प्रमाण पत्रों की तीन मेरिट/भागीदारी की स्वअभिप्रमाणित कॉपी अपलोड करनी होगी ।

4. अपलोड किए गए योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाणपत्र का मूल्यांकन योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र के अंकन मानदंड के अनुसार किया जाएगा। हालांकि उच्चतम अपलोड किए गए योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाणपत्र में प्राप्त अंको को केन्द्रीकृत खेल अंक पुरस्कार सूची तेयार करने के लिए माना जाएगा।

5. कोविड 19 महामारी से उत्पन्न स्थिति को ध्यान में रखते हुए पिछले चार साल के मेरिट/भागीदारी खेल प्रमाणपत्र (1 मई 2017 से 30 अप्रेल 2021) पर विचार किया जाएगा।

6. योग्यता का स्तर केवल उन आवेदकों के लिए निर्धारित किया जाएगा जिन्होनें बिन्दु '2 बी' पर खेल में पिछले चार वर्षों के दोरान विशिष्टता हासिल की है।

7. खेल के आधार पर प्रवेश के पात्र होने के लिए आवेदक को अपलोडेड मेरिट/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र के अंकन में न्यूनतम 10 अंक प्राप्त करने होंगे।

B. खेल के आधार पर प्रवेश के लिए निम्नलिखित खेल पर ही विचार किया जाएगा।

टीम गेम :

बेसबॉल (M), बास्केटबॉल (M & W), किकेट (M & W), फुटबॉल (M & W), हेडबॉल (M &W), हॉकी (M & w), कबड्डी (M & w), खो–खो (M & W), नेटबॉल (W), सॉफ्टबॉल (W) और वॉलीबॉल (M & W)

डूएल और कॉम्बेट गेम

बैड मिंटन (M & w), बॉक्सिंग (M & w), जूडो (M & w), स्क्वैश (M & w), टेबल टेनिस (M & w) ताइक्वांडो' (M & W), टेनिस (M & w) और कुश्ती (M & w),

एकल खेल

तीरंदाजी ** (M & w), एथलेटिक्स (M & w), शतरंज (M & w), डाइविंग (M & w), जिमनास्टिक (M & W) शूटिंग *** (M & W), तैराकी (M & W) और भारोत्तोलन (M & W) ** कम्पाउण्ड एण्ड रिकर्व' *** 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर राइफल

ध्यान दें:

1) आवेदक को पाठ्यक्रम का आवंटन पात्रता की विशिष्ट न्यूनतम शर्तों के अनुरूप और विश्वविद्यालय के नियमों के अनुरूप अधीन होगा।

2) 'खेल मेधा सूची' स्पोर्टस मेरिट लिस्ट में आने वाले आवेदक का नाम प्रवेश की गारंटी नहीं देता है। आवेदक का प्रवेश कॉलेज की खेल पाठ्यक्रम में सीटों की उपलब्धता के अधीन है।

3) कॉलेज की खेल प्रवेश समिति इस प्रकार होगी।

a. अध्यक्ष प्राचार्य/प्राचार्य द्वारा नामित

b. संयोजक शारीरिक शिक्षा, शारीरिक शिक्षा विभाग

C. सदस्यः शिक्ष, शारीरिक शिखा, शारीरिक शिक्षा विभाग

d. नामित सदस्यः कर्मचारी परिषद का एक संकाय सदस्य।

4) कॉलेज की खेल प्रवेश समिति :

a. आवेदक द्वारा अपलोड किए गए पंजीकरण फार्म की स्क्रीनिंग करेंगे।

b. आवेदक के मूल योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र से आंवटित अंकों के आधार पर आवेदक के अपलोड किए गए योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाण पत्रों का सत्यापान करें।

5. टाई होने की स्थिति में:

एक ही खेल स्पोर्ट में अपलोड किए गए मूल्यांकित मेरिट भागीदारी खेल प्रमाण पत्र में समान अंक हासिल करने वाले और उसी कॉलेज में समान पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र आवेदकों को निम्नलिखित क्रम में हल किया जा सकता है:

ए) सर्वश्रेष्ठ अपलोड किए गए योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाणपत्र में उच्च अंक प्राप्त करने वाले आवेदक को आवंटन प्रवेश के लिए विचार किया जाएगा।

बी) यदि आवेदकों के सर्वश्रेष्ठ अपलोड किए गए योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाणपत्र में समान अंक हैं, तो दूसरे सर्वश्रेष्ठ अपलोड किए गए योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाणपत्र पर टाई तोड़ने के लिए आवंटन प्रवेश के लिए विचार किया जाएगा।

सी) यदि आवेदकों के दूसरे सर्वश्रेष्ठ अपलोड किए गए मेरिट / भागीदारी खेल प्रमाण पत्र में समान अंक हैं, तो टाई को तोड़ने के लिए आवंटन / प्रवेश के लिए तीसरे सर्वश्रेष्ठ अपलोड किए गए मेरिट/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र पर विचार किया जाएगा।

यदि टाई अभी भी बनी रहती है तो प्रवेश आधारित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अपनाए गए 'टाई–ब्रेकिंग' नियम को निम्नलिखित क्रम में अपनाया जाएगा:

i. अर्हक बोर्ड परीक्षा में उच्च प्रतिशत अंक (एक भाषा सहित सर्वश्रेष्ठ चार विषयों का कुल) वाले आवेदक को आवंटन प्रवेश के लिए पहले माना जाएगा।

ii. उम्मीदवार द्वारा बोर्ड परीक्षा में प्राप्त उच्च प्रतिशत अंक (एक भाषा सहित सर्वश्रेष्ठ पांच विषयों का कुल) वाले आवेदक को आवंटन प्रवेश के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

iii. पहले जन्म तिथि (जैसा कि कक्षा X प्रमाण पत्र में उल्लिखित है) वाले आवेदक को आवंटन / प्रवेश के लिए पहले माना जाएगा।

यदि टाई फिर भी बनी रहती है, तो ऐसे सभी आवेदकों को प्रवेश दिया जा सकता है।

6. अपलोड किए गए योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र के अंक प्रदान करने से संबंधित शिकायत का निवारण विश्वविद्यालय की स्नातक स्तरीय खेल शिकायत समिति द्वारा किया जाएगा। अपलोड किए गए योग्यता भागीदारी खेल प्रमाणपत्रों के अंक शिकायत दर्ज करने के लिए तीन दिनों के लिए आवेदक के डैशबोर्ड पर प्रदर्शित किए जाएंगे, यदि कोई हो। विश्वविद्यालय की स्नातक स्तरीय खेल शिकायत समिति द्वारा तीन दिनों के भीतर सभी शिकायतों का समाधान किया जाएगा।

7. विश्वविद्यालय की स्नातक स्तरीय खेल शिकायत समिति द्वारा अपलोड किए गए योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र / दस्तावेजों के सत्यापन की अंतिम जांच के अधीन आवेदक के डैशबोर्ड पर प्रदर्शित किए गए अंक अंतिम हैं। विश्वविद्यालय की स्नातक स्तरीय खेल शिकायत समिति का निर्णय अंतिम होगा।

8. महाविद्यालय खेलकूद के आधार पर प्रवेश दिए गए आवेदकों के दस्तावेजों का उचित रिकार्ड रखेगा।

9. खेल के आधार पर अंतिम रूप से प्रवेश प्राप्त आवेदकों की सूची (सॉफ्ट कॉपी) विश्वविद्यालय के प्रवेश की अंतिम तिथि के सात दिनों के भीतर कॉलेजों द्वारा डीन, प्रवेश और निदेशक, डीयूएससी को भेजी जाएगी।

10. एक आवेदक को अपनी आयु के अनुसार अगले तीन वर्षों के लिए अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पात्र होना चाहिए और कहीं भी अंशकालिक / पूर्णकालिक आधार पर नियोजित नहीं होना चाहिए।

11. आवेदक को प्रवेश के समय एक शपत्र पत्र प्रस्तुत करनी होगी जिसमें कहा गया हो कि आवेदक कॉलेज के लिए अभ्यास करेगा और खेल प्रतियोगिता में भाग लेगा और यदि चयनित हो तो कॉलेज / विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित खेल प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगा। ऐसा न करने पर कॉलेज को प्रवेश रद्द करने का अधिकार है। यदि आवेदक अपने स्नातक कोर्स की पूरी अवधि के दौरान शपथ पत्र का उल्लंघन करता है तो कॉलेज को प्रवेश रद्द करने का अधिकार होगा

योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाणपत्र के अंकन के लिए मानदंड

श्रेणी	खेल/खेल का स्तर	प्रमाणपत्र जारी करने वाले अधिकारी	अधिकतम अंक (100)			
			प्रथम स्थान	दूसरा स्थान	तीसरी स्थान	भागीदारी
ए	ओलंपिक खेलों/विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप/राष्ट्रमंडल खेल/एशियाई खेल/ एशियाई वरिष्ठ चैंपियरनशिप/दक्षिण एशियाई खेल/ पराओलंपिक खेल में भारत का प्रतिनिधित्व किया	आईओसी/आईएसएफ /सीजीएफ/ ओसीए/ एसएओसी युवा मामलों और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा मान्यता प्राप्त और वित्त पोषित	सीधा प्रवेश			

बी	स्थिति और/या भागीदारी एशियाई जूनियर/युवा/चैम्पियनशिप/ प्रतियोगिता में/राष्ट्रीय खेल/फेडरेशन कम/सीनियर नेशनल/नेशनल/अंतर–क्षेत्रीय राष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्कूल गेम्स अंडर 17/19/ खेलों इंडिया स्कूल/युवा खेल अंडर 17/21/युवा/जूनियर नेशनल/सब–जूनियर/जोनल नेशनल प्रतियोगिताएं	आईएसएफ/आईओए/ एन एसएफ युवा मामलों और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा मान्यता प्राप्त और वित्त पोषित/ स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई)	100	90	80	70
सी	राज्य प्रतियोगिता में स्थिति/ अंतर–क्षेत्रीय/ अंतर जिला/सीसीएसई राष्ट्रीय/ केवीएस नेशनल/ आईपीएससी नेशनल/ डीएवी नेशनल/	राज्य खेल संघ/राज्य शिक्षा निदेशालय/ राज्य स्कूल बोर्ड	60	50	40	पात्र नहीं है
डी	जिला/जोनल प्रतियोगिता में स्थिति /सीबीएसई क्लस्टर/जोनल. केवीएस/ एनवीएस क्षेत्रीय, डीएवी/विद्याभारती जोनल. सुब्रतो कप/ स्कूल स्पोर्ट्स बोर्ड प्रतियोगिता	जिला खेल एसोसिएशन/ जिला का क्षेत्रीय निदेशालय/ जिला स्कूल बोर्ड	30	20	10	पात्र नहीं है

ध्यान दें:

1. आमंत्रण/स्मारक/ओपन/पुरस्कार राशि लीग/चयन ट्रायल दस्ते रैंकिंग प्रतियोगिताओं के खेल प्रमाण पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने 'लेटरहेड ऑफ मेरिट' पर भी विचार नहीं किया जाएगा।

2. कोविड–19 महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए 1 मई 2017 से 30 अप्रैल 2021 तक के पिछले चार साल के मेरिट/भागीदारी खेल प्रमाण पत्र पर विचार किया जाएगा

3. आवेदक अधिकतम तीन योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियां अपलोड कर सकते हैं।

4. अपलोड किए गए योग्यता / भागीदारी खेल प्रमाणपत्र का मूल्यांकन उपरोक्त मानदंडों के अनुसार किया जाएगा। हालांकि, अपलोड किए गए उच्चतम योग्यता भागीदारी खेल प्रमाणपत्र में प्राप्त अंकों को केंद्रीकृत खेल अंक पुरस्कार सूची तैयार करने के लिए विचार किया जाएगा।

5. अपलोड किए गए योग्यता/भागीदारी खेल प्रमाणपत्र के अपूर्ण/ कटिंग ओवरराइटिंग होने पर विचार नहीं किया जाएगा।

7. नॉन कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) में प्रवेश

नॉन–कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) उन हजारों छात्राओं को सक्षम बनाता है जो विभिन्न कारणों से नियमित कॉलेज में शामिल नहीं हो सकतीं और शनिवार/रविवार तथा शैक्षणिक अवकाश के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त करने के लिए कक्षाओं में शामिल हो सकती हैं। एनसीडब्लूईबी NCT दिल्ली की छात्राओं को नियमित कक्षाओं में उपस्थित हुए बिना सप्ताह में एक बार विशेष कोचिंग के साथ दिल्ली

विश्वविद्यालय की परीक्षा देने की सुविधा देता है। एनसीडब्लूईबी छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक विकल्प के रूप में उभरा है।

एनसीडब्लूईबी अब लगभग 32,000 छात्राओं के साथ 26 स्नातक केंद्रों और एक स्नातकोत्तर केंद्र में स्थापित है। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में 26 स्नातक स्तरीय केंद्र चलते हैं।

महिला उम्मीदवार जो अनुच्छेद 2.4 और 2.7 में निर्दिष्ट न्यूनतम पात्रता आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, उन्हें 'केंद्रीकृत स्नातक प्रवेश पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। उन्हें बीए (प्रो)/बी.कॉम (पास) (तीन वर्ष) में प्रवेश के लिए नॉन–कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड के शिक्षण केंद्रों द्वारा प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश अनुसूची के अनुसार कट–ऑफ घोषित करके योग्यता के आधार पर किया जाता है। नॉन–कॉलेजिएट छात्राओं को एक साथ किसी अन्य पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने की अनुमति नहीं है।

एनसीटी दिल्ली में रहने वाली इच्छुक महिला उम्मीदवारों को एनसीडब्ल्यूईबी में प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के चयन हेतु स्वचालित रूप से एनसीडब्ल्यूईबी अर्थात बीए (प्रोग्राम) या बी.कॉम अथवा दोनों के लिए नामांकित किया जाता है, एनसीडब्लूईबी केंद्रों पर शिक्षण प्रदान किया जाता है। छात्राओं से नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लेने की उम्मीद की जाती है क्योंकि विश्वविद्यालय परीक्षाओं में न्यूनतम 66.67% उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है, जो मई के महीने में सेमेस्टर मोड / वार्षिक रूप से आयोजित की जाती हैं। एनसीडब्लूईबी स्नातक स्तरीय छात्राओं को अपना तीन वर्षीय स्नातक स्तरीय डिग्री कोर्स बीए/बी.कॉम 5 साल में पूरा करने की अनुमति देता है। बोर्ड सभी स्नातक छात्रों को संबंधित शिक्षण केंद्रों में पुस्तकालय की सुविधा प्रदान करता है। बोर्ड जरूरतमंद और योग्य छात्रों को शैक्षणिक वर्ष के लिए वित्तीय सहायता और पुस्तक के लिए ऋण की सुविधा देता है। एक शैक्षणिक सत्र वर्ष में 50 शिक्षण दिवस होते हैं जो या तो शनिवार या रविवार को और

दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अवकाश के दौरान आयोजित किए जाते हैं। स्नातक केन्द्रों पर कक्षाएं प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे के बीच आयोजित की जाती हैं।

*** वर्तमान में कोविड परिस्थितियों के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। कक्षा में छात्राओं की उपस्थिति दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार है।***

नॉन–कॉलेजिएट शिक्षण के पाठ्यक्रम का एक प्रमुख लाभ इसकी नाममात्र की फीस और शैक्षणिक संस्थानों के मौजूदा बुनियादी ढांचे का उपयोग है। छात्राओं को कौशल विकास कार्यशालाओं, रोजगार के लिए प्लेसमेंट अभियान, स्वास्थ्य शिविर, पर्यावरण जागरूकता जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभिन्न सांस्कृतिक और पाठ्येतर गतिविधियाँ छात्राओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करती हैं। महिला शिक्षा के लिए एक नया क्षितिज प्राप्त करने की दिशा में, एनसीडब्लूईबी महिलाओं को सशक्त बनाने के अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए छोटे, लेकिन आत्मविश्वास से भरे कदम उठा रहा है। यह समग्र विकास प्रदान करने और सामाजिक परिवर्तन के एक एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए शैक्षणिक और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। इससे एक समतावादी समाज का उदय होता है।

बीए (प्रोग्राम)/बी.कॉम में प्रवेश प्रक्रिया :

बीए (प्रोग्राम) विषय संयोजन में सीटों की संख्या निश्चित है। एससी/एसटी/ओबीसी ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूडी/सीडब्ल्यू के लिए आरक्षण विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार लागू होगा।

कट–ऑफ प्रतिशत ''सर्वश्रेष्ठ चार'' विषयों में योग्यता परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर खंड 2.4 और 2.7 में मानदंड के अनुसार तय किया जाएगा।

कोई भी छात्र जो एनसीडब्ल्यूईबी के किसी एक केंद्र में प्रवेश लेता है, उसे प्रवेश प्रक्रिया के दौरान किसी भी स्थिति में केंद्र बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के संघटक/संबद्ध महाविद्यालयों में एनसीडब्ल्यूईबी केंद्रों की सूची नीचे दी गई है:

मौजूदा एनसीडब्लूईबी –स्नातक स्तरीय केंद्रों की सूची (रविवार को खुला)':

अदिति महाविद्यालय
भारती कॉलेज
डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
कालिंदी कॉलेज
लक्ष्मीबाई कॉलेज
महाराजा अग्रसेन कॉलेज
मैत्रेयी कॉलेज
माता सुंदरी कॉलेज
मिरांडा हाउस कॉलेज
मोतीलाल नेहरू कॉलेज
पीजीडीएवी कॉलेज
राजधानी कॉलेज
सत्यवती कॉलेज (सांध्य)
श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स,
श्री अरबिंदो कॉलेज

विवेकानंद कॉलेज

मौजूदा एनसीडब्लूईबी स्नातक स्तरीय केंद्रों की सूची (शनिवार को खुला)':

आर्यभट्ट कॉलेज

भगिनी निवेदिता कॉलेज

कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज

दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज

हंसराज कॉलेज

जीसस एंड मेरी कॉलेज

केशव महाविद्यालय,

रामानुजन कॉलेज

श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज फॉर विमेन

'विश्वविद्यालय बिना किसी पूर्व सूचना के NCWEB के लिए अन्य केंद्र खोलने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

सामान्य जानकारी:

- प्रवेश के समय अभ्यर्थियों को अपने मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे।
- प्रवेश शुल्क करीब एक हजार रुपये होगा। 3,500 (तीन हजार पांच सौ रुपये)।
- पीडब्ल्यूडी श्रेणी के छात्रों से केवल रु.100/– (एक सौ रुपये मात्र) का शुल्क लिया जाएगा।
- नॉन–कॉलेजिएट छात्रों को एक साथ किसी अन्य पूर्णकालिक/डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति नहीं है।
- यह सुझाव दिया जाता है कि यदि संभव हो तो छात्र अपने निवास के निकट के केंद्र में प्रवेश ले सकते हैं।

- एनसीटी दिल्ली का निवास प्रमाण (अर्थात आधार कार्ड/पासपोर्ट वोटर आईडी कार्ड उम्मीदवार के नाम पर ड्राइविंग लाइसेंस और उम्मीदवार के नाम वाला राशन कार्ड) मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा।
- प्रवेश के लिए अधिक जानकारी और कार्यक्रम के लिए, उम्मीदवारों को निदेशक, नॉनकॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड, ट्यूटोरियल बिल्डिंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110007 से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। अधिक जानकारी के लिए, वेबसाइट देखें http%//www-ncweb-du-ac-in
- प्रवेश की स्वीकृति के बाद, उम्मीदवार को ऑनलाइन शुल्क भुगतान करने के लिए स्नातक प्रवेश पोर्टल पर लॉग ऑन करना होगा। प्रवेश प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अनुमोदन के 24 घंटे के भीतर शुल्क भुगतान किया जाना चाहिए।

8. प्रवेश के लिए आवश्यकताएँ

8.1 योग्यता परीक्षा

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित स्नातक कार्यक्रमों (मेरिट के साथ–साथ प्रवेश आधारित) के पहले वर्ष में प्रवेश के उद्देश्य के लिए योग्यता परीक्षा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा (कक्षा बारहवीं) या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त परीक्षा होगी। विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित इन स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को प्रत्येक कार्यक्रम के लिए निर्दिष्ट न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाली अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए।

8.2 आयु आवश्यकता

विश्वविद्यालय के अध्यादेश– I के अनुसार, विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है, केवल उन कार्यक्रमों को छोड़कर जहां संबंधित नियामक निकाय, जैसे

कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई), डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई), आदि ने अपने नियमों में न्यूनतम आय आवश्यकता निर्धारित की है।

स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य के लिए अंतराल वर्ष एक बार नहीं होगा।

8.3 तुल्यता मानदंड

भारतीय विश्वविद्यालय संघ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त/मान्यता प्राप्त बोर्डों/ विश्वविद्यालयों के परीक्षा निकायों से संबंधित उम्मीदवारों के संबंध में कॉलेजों विभागों में सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कॉलेज / विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के परिपत्र 13.01.2005 में उल्लिखित निम्नलिखित सिफारिशों के संदर्भ में आवेदनों पर विचार किया जाएगा।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ/ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई)/भारत में स्कूल शिक्षा बोर्ड परिषद (सीओबीएसई)/मानव संसाधन विकास मंत्रालय या किसी द्विपक्षीय समझौते द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से विभिन्न डिग्रियां दिल्ली विश्वविद्यालय की तदनुरूपी डिग्रियों के समकक्ष मानी जाती हैं, बशर्ते कि कार्यक्रम की अवधि दिल्ली विश्वविद्यालय के समान ही हो, विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता निर्धारित करने के उद्देश्य से और आगे विभागों/महाविद्यालयों को उनसे संबंधित प्रवेश समितियों के माध्यम से प्रक्रिया विकसित करने की अनुमति दी जा सकती है। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन द्वारा मान्यता प्राप्त विभिन्न बोर्डों के सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट को विभिन्न

स्नातक कार्यक्रमों के लिए पात्रता के प्रयोजनों हेतु सेंट्रल बोर्ड के सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट के समकक्ष माना जाता है।

विदेशी विश्वविद्यालयों/ बोर्डों की विभिन्न डिग्री / स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवार, जो समय–समय पर समकक्ष समिति द्वारा पहले ही अनुमोदित हो चुके हैं, नियमित रूप से पात्र माने जाएंगे। केवल उन अभ्यर्थियों के मामले जो भारतीय विश्वविद्यालय संघ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई)/भारत में स्कूल शिक्षा बोर्ड परिषद (सीओबीएसई) मानव संसाधन विकास मंत्रालय के मान्यता प्राप्त बोर्डों / विश्वविद्यालयों की सूची में नहीं आते हैं, उन्हें व्यक्तिगत योग्यता के आधार पर विश्वविद्यालय को भेजा जाएगा।

किसी भी बोर्ड/स्कूल द्वारा जारी अनुमानित अंकों के आधार पर किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

8.4 श्रेणी रूपांतरण [एसी संकल्प संख्या 319 के अनुसार, दिनांक 22.3.1976]

दिल्ली विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य से कैंब्रिज स्कूल सर्टिफिकेट मलेशिया ओवरसीज/अफ्रीकी जीसीई एग्जामिनेशन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन और/या अमेरिकन एम्बेसी स्कूल, नई दिल्ली की 12वीं कक्षा की परीक्षा, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली की हायर सेकेंडरी परीक्षा में दिए गए अंकों के प्रतिशत के साथ दिए गए श्रेणी प्वाइंट एवरेज का फॉर्मूला/समतुल्यता।

ग्रेड	न्यूनतम % प्रत्येक ग्रेड का	ग्रेड	माध्य परिशत
1	90	ए	90
2	75	बी	75

3	66	सी	60
4	61	डी	40
5	57	इ	30
6	51	एफ	विफल
7	47		
8	40		
9	विफल		

8.4.1 आईबी छात्रों को प्रवेश (आईबी ग्रेड से अंक योजना)

ग्रेड	भारतीय समकक्ष अंक	
7	96–100	मध्यबिंदु 98
6	83–95	मध्यबिंदु 89
5	70–82	मध्यबिंदु 76
4	56–69	मध्यबिंदु 62.5
3	41–55	मध्यबिंदु 48
2	21–40	मध्यबिंदु 30.5
1	01–20	मध्यबिंदु 10.5

8.4.2 कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय (अंतर्राष्ट्रीय परीक्षा) के छात्रों के लिए प्रवेश

ग्रेड	प्रतिशत यूनिफॉर्म मार्क रेंज	माध्य परिणामी प्रतिशत
ए*	90–100	मध्यबिंदु 95
ए	80–89	मध्यबिंदु 85

बी	70–79	मध्यबिंदु 75
सी	60–69	मध्यबिंदु 65
डी	50–59	मध्यबिंदु 55
इ	40–49	मध्यबिंदु 45

* जहां भी जीसीई प्रमाणपत्र ग्रेड इंगित करता है; इसे प्रवेश आवश्यकताओं के प्रयोजनों के लिए भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा के ग्रेड के समान माना जाएगा। (ग्रेड रूपांतरण देखें) कैंबिज इंटरनेशनल परीक्षाओं का नामकरण 2017 से कैम्बिज असेसमेंट इंटरनेशनल एजुकेशन में बदल दिया गया है । इसके अलावा विश्वविद्यालय इस बोर्ड से 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को अन्य मान्यता प्राप्त बोर्डो से 10+2 उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों के समान मानेगा और वे दिल्ली विश्वविद्यालय के यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश उद्देश्यों के लिए प्रतिशत समान अंकों का उपयोग किया जाएगा। श्रेणी को अंकों में परिवर्तित नहीं किया जाएगा जहां प्रतिशत समान अंक उपलब्ध है।

यदि कोई बोर्ड श्रेणी के साथ अलग–अलग विषयों के प्रतिशत अंक घोषित करता है, तो प्रतिशत अंकों को ध्यान में रखा जाएगा।

8.5 पुनः जांच/पुनर्मूल्यांकन

कॉलेज उन अभ्यर्थियों के प्रवेश पर विचार कर सकते हैं जिनके अंक उनके संबंधित बोर्डों द्वारा पुनः जांच/पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया में बढ़ जाते हैं; यह सीटों की उपलब्धता और विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित किए जाने पर प्रवेश की अंतिम तिथि तक वांछित पाठ्यक्रम में निर्धारित पात्रता मानदंड को पूरा करने के अधीन होगा। कॉलेज को विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार विश्वविद्यालय प्रवेश पोर्टल पर सभी जानकारी अपडेट करने की आवश्यकता होगी।

9 पंजीकरण के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची

उम्मीदवारों को पंजीकरण के समय निम्नलिखित प्रमाणपत्रों/दस्तावेजों की प्रतियां अपलोड करनी होंगी और प्रवेश प्रक्रिया के अंत में भौतिक सत्यापन के समय मूल दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा।

1. जन्म तिथि और माता–पिता के नाम का संकेत देने वाला दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र (मार्क–शीट या प्रमाण पत्र) य इसी प्रकार उनके माता–पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों प्रतियाँ मेल खाने चाहिए)।

2. बारहवीं कक्षा की अंक प्रमाण पत्र

3. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी एससी / एसटी/ ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/ सीडब्ल्यू/केएम प्रमाण पत्र (उम्मीदवार के नाम पर)। (एससी/एसटी/ओबीसी ईडब्ल्यूएस/सीडब्ल्यू केएम के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवारों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाना चाहिए; इसी तरह, उनके माता–पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों में मेल खाना चाहिए)।

4. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया ओबीसी (नॉन–क्रीमी लेयर) प्रमाणपत्र (उम्मीदवार के नाम पर), और जिसमें जाति http://ncbc.nic.in द्वारा जारी ओबीसी केंद्रीय सूची में है। ओबीसी (नॉन–क्रीमी लेयर) के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाण पत्र पर अंकित नाम से मेल खाना चाहिएय इसी तरह उनके माता–पिता के नाम प्रमाण पत्र के दोनों (प्रतियां मेल खाना चाहिए)। वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए आय प्रमाण पत्र, दिनांक 31 मार्च, 2021 को या उसके बाद, जैसा कि निर्धारित किया गया है, की आवश्यकता होगी। ओबीसी प्रमाण पत्र का प्रारूप 2014 में जारी डीओपीटी प्रमाण पत्र के अनुसार है। (परिशिष्ट III)

5. उम्मीदवार को प्रमाणित करने वाले सक्षम प्राधिकारी से ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र (परिशिष्ट V) के जरिए इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकता है। (इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवारों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाण पत्र पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाना चाहिए; इसी तरह, उनके माता–पिता के नाम प्रमाण पत्र के दोनों सेटों में मेल खाना चाहिए)। वित्तीय वर्ष 202021 के लिए आय प्रमाण पत्र, दिनांक 31 मार्च, 2021 को या उसके बाद, जैसा कि निर्धारित किया गया है, की आवश्यकता होगी।

6. ईसीए/खेल श्रेणियों के माध्यम से प्रवेश का दावा करने वाले किसी भी उम्मीदवार को अपेक्षित प्रमाणपत्रों की स्व–सत्यापित प्रतियों को अपलोड करना होगा / जब सूचना के इस बुलेटिन की धारा 6 में निर्धारित किया गया हो तो प्रासंगिक आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

पंजीकरण के समय अपलोड की गई छवियों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे। उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखना चाहिए कि अपलोड प्रामाणिक और सटीक हैं। मांगे गए दस्तावेजों के प्रस्तुतीकरण के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे। किसी भी भौतिक सत्यापन के पूरा होने पर जो बाद के चरण में आवश्यक हो सकता है, सभी प्रमाण पत्र/दस्तावेज कॉलेज/विभाग द्वारा उम्मीदवार को वापस कर दिए जाएंगे।

यदि उम्मीदवारों के पास पंजीकरण के समय हाल ही में/वैध ईडब्ल्यूएस/ओबीसी (नॉन–क्रीमी लेयर)/एससी या एसटी जाति/जनजाति प्रमाण पत्र नहीं है, तो उम्मीदवार प्रमाण पत्र के लिए आवेदन की पावती पर्ची अपलोड कर सकते हैं। हालांकि, प्रवेश के समय उम्मीदवार को अपना तत्काल/वैध मूल ईडब्ल्यूएस/ओबीसी (गैर–क्रीमी लेयर)/एससी या एसटी जाति/जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

10 प्रवेश शिकायत निवारण समितियां

एक ऑनलाइन केंद्रीय प्रवेश शिकायत निवारण समिति होगी। प्रत्येक कॉलेज की अपनी शिकायत निवारण समिति होगी। उम्मीदवार ''शिकायत'' टैब के तहत विश्वविद्यालय के स्नातक पोर्टल पर दिए गए लिंक का उपयोग करके एक ईमेल भेज सकते हैं। कॉलेज शिकायत समिति के सदस्यों के नाम भी कॉलेज की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाएंगे। प्रवेश के बारे में शिकायत रखने वाले उम्मीदवारों को पहले कॉलेज की शिकायत समिति से संपर्क करना चाहिए। यदि उचित समय के भीतर शिकायत का समाधान नहीं किया जाता है, तो ही उम्मीदवार केंद्रीय प्रवेश शिकायत निवारण समिति से संपर्क कर सकता है।

एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस की शिकायतों को देखने के लिए एक शिकायत उप–समिति होगी और पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए एक अन्य। प्रत्येक कॉलेज में एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस के लिए एक अलग शिकायत समिति भी होगी, जिसमें संयोजक के रूप में संपर्क अधिकारी के साथ तीन सदस्य होंगे । कॉलेज एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए शिकायत समिति के

नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करेगा ताकि उम्मीदवार की जरूरतों/प्रश्नों को सुविधाजनक और संबोधित किया जा सके।

आंतरिक शिकायत समिति

भारत सरकार की राजपत्र अधिसूचना के तहत, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला कर्मचारियों और छात्रों के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण) विनियम, 2015 को अधिसूचित किया गया है जो विश्वविद्यालय और कॉलेजों के लिए बाध्यकारी है। महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने ''कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर एक पुस्तिका'' भी प्रकाशित की है जो कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न क्या है, इसकी

रोकथाम, निषेध और निवारण के साथ साथ वैश्विक मानदंडों और अच्छी प्रथाओं जैसे मुद्दों का वर्णन करती है। इस संबंध में यूजीसी के पत्र संख्या एफ. 91/9/2015 (जीएस/एमएचआरडी) दिनांक 5 जुलाई 2016 के संदर्भ में, कॉलेज ने उपरोक्त विनियमों के तहत एक लिखित आदेश के माध्यम से एक आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया है।

आंतरिक शिकायत समिति एक ऐसा समुदाय बनाने और बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है जिसमें छात्र, शिक्षक और गैर–शिक्षण कर्मचारी हिंसा, उत्पीड़न, शोषण और धमकी से मुक्त वातावरण में मिलकर काम कर सकें। इसमें सभी प्रकार की लैंगिक हिंसा, यौन उत्पीड़न और भेदभाव शामिल हैं। वर्तमान आईसीसी में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैंः क्रमांक।

क्रमांक	नाम	
1.	डॉ. सुचेता चतुर्वेदी	संयोजक
2.	डॉ अंशु सिंह झरवाल	सदस्य
3.	डॉ. सुधा गुप्ता	सदस्य
4.	डॉ. बुलबुल दासी	बाहरी सदस्य
5.	श्री मनोज कुमार	वरिष्ठ सहायक–लेखा
6.	श्री नरेंद्र	जूनियर असिस्टेंट–एडमिन
7.	मिस अंजलि वर्मा	छात्र सदस्य
8.	मिस नेहा	छात्र सदस्य
9.	मिस आलिया कुरैशी	छात्र सदस्य

वर्ष 2020–21 के लिए कट–ऑफ सूची

अंतिम कट ऑफ जिस पर विभिन्न श्रेणियों में प्रवेश बंद थे– ऑनर्स पाठ्यक्रम

क्र. स.	कोर्स	जनरल		ओबीसी		एससी		एसटी		पीडब्ल्यूडी		ईडब्ल्यूएस		केएम	
		फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ
1	बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	96	92.25	92.5	80	91.5	71	91.5	62	91.5	71	96	88	95.5	87
2	बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी	95	91	91	82	90	82	90	79	90	78	94	82	94	82
3	बीए (ऑनर्स) हिंदी	82	77	80	68.5	79	70.5	78	68	78	72	82	69	82	70
4	बीए (ऑनर्स) इतिहास	90	89.5	88	79	85	78	85	81	85	74	90	80	80	87.5
5	बीए (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	85	84	83	75.5	83	70	83	70	83	72	85	80	83	72
6	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	94	91.25	89	79	86	83.75	86	76	86	73	94	83	94	84
7	बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान	95	93.5	93	86	92	81	92	81	92	80	95	87	95	89
8	बीए (ऑनर्स) संस्कृत	56	45	54	45	54	45	54	45	56	45	56	45	56	45
9	बीए (ऑनर्स) सोशियोलॉजी	94	86	92	78	91	78	91	78	91	78	94	82	94	84
10	बी.कॉम	94.5	89.5	91.5	77	9.5	72	90.5	67	90.5	76	94.5	78	96.5	86
11	बीकॉम (ऑनर्स।)	96.5	92.5	93.5	79	92.5	76	92.5	75	92.5	77	96.5	83	96.5	86
12	बीएससी (ऑनर्स।) गृह विज्ञान	90	82	88	65	85	65	85	56	85	61	90	64	90	69
13	बीएससी (ऑनर्स।) गणित	94	89.5	90	81	87	77	87	71	90	78	94	83	94	81

बी.ए. (प्रोग्राम)

क्र. सं.	कोर्स	जनरल		ओबीसी		एससी		एसटी		पीडब्ल्यूडी		ईडब्ल्यूएस		केएम	
		फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ	फर्स्ट कट ऑफ	अंतिम कट ऑफ
1	बीए प्रोग्राम (विज्ञापन, बिक्री संवर्धन और बिक्री प्रबंधन (एएसपीएसएम) + अर्थशास्त्र)	90	86	88	74	87	74	87	72	87	72	90	78	90	78
2	बीए प्रोग्राम (विज्ञापन, बिक्री संवर्धन और बिक्री प्रबंधन (एएसपीएसएम) + मनोविज्ञान)	92	90.5	90	86	89	87	89	84	89	84	92	87	92	87
3	बीए कार्यक्रम (कंप्यूटर अनुप्रयोग + अर्थशास्त्र)	92	88	90	75	89	78	89	74	89	74	92	79	92	79
4	बीए कार्यक्रम (कंप्यूटर अनुप्रयोग + राजनीति विज्ञान)	90	88	88	78	87	77	87	77	87	76	90	80	90	80
5	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + गणित)	92	89	90	78	89	75	89	75	89	75	92	81	92	81
6	बीए कार्यक्रम (अंग्रेजी + अर्थशास्त्र)	92	90	90	81	89	83.5	89	80	89	81	92	81	92	81
7	बीए कार्यक्रम (अंग्रेजी + मनोविज्ञान)	92	92	90	84	89	84	89	84	89	84	92	84	92	86
8	बीए प्रोग्राम (हिंदीइतिहास)	87	85	85	76	84	79	84	75	84	77	87	77	87	77
9	बीए प्रोग्राम (हिंदीराजनीति विज्ञान)	87	86	85	80	84	81	84	78	84	78	87	82	87	82
10	बीए कार्यक्रम (इतिहास संगीत)	87	83	85	74	84	72	84	72	84	72	87	77	87	77
11	बीए कार्यक्रम (इतिहास राजनीति विज्ञान)	92	89.75	90	78	89	81	89	77	89	77	92	80	92	82

12	बीए प्रोग्राम (गणित + दर्शनशास्त्र)	90	86	88	78	87	78	87	78	87	78	90	81	90	81
१३	बीए कार्यक्रम (संगीत + समाजशास्त्र)	87	83	85	74	84	73	84	73	84	73	87	79	87	79
14	बीए कार्यक्रम (दर्शन + राजनीति विज्ञान)	90	87	88	72	87	72	87	72	87	72	90	75	90	77
15	बीए कार्यक्रम (दर्शन + मनोविज्ञान)	92	91	90	82	89	81	89	81	89	81	92	84	92	84
16	बीए कार्यक्रम (दर्शन + समाजशास्त्र)	90	84	88	74	87	75	87	75	87	75	90	78	90	78
17	बीए कार्यक्रम (शारीरिक शिक्षा + राजनीति विज्ञान)	87	84	85	84	84	72	84	72	84	72	87	78	87	78
18	बीए प्रोग्राम (शारीरिक शिक्षा. मनोविज्ञान)	90	90	88	82	87	85	87	82	87	82	90	86	90	86
19	बीए कार्यक्रम (पंजाबी + राजनीति विज्ञान)	87	77	85	73	84	72	84	72	84	74	87	79	87	79
20	बीए कार्यक्रम (पंजाबी + समाजशास्त्र)	87	80	85	74	84	74	84	73	84	74	87	79	87	79
21	बीए प्रोग्राम (संस्कृत + इतिहास)	87	76	85	71	84	69	84	69	84	70	87	74	87	74

प्रवेश के बाद की प्रक्रिया

महत्वपूर्ण जानकारी

एक बार जब एक उम्मीदवार का चयन हो जाता है और फीस के भुगतान और अन्य प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद प्रवेश लेता है, तो वह विश्वविदयालय दवारा नामांकन के अनुमोदन के अधीन कॉलेज की छात्रा बन जाती है;

- अंतर–कॉलेज प्रवास के लिए, कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश IV का पालन करता
- कोई भी छात्र, झूठे/जाली/नकली प्रमाण पत्र जमा करने पर, किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश से

वंचित कर दिया जाएगा और दिल्ली विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार कानूनी कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होगा। प्रवेश भी रद्द किया जा सकता है। ऐसे मामलों की सूचना सभी कॉलेजों और पुलिस को दी जाएगी। विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार एक छात्र को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष/सेमेस्टर (प्रत्येक वर्ष सेमेस्टर में 67%) में कॉलेज में आयोजित कुल व्याख्यानों और व्यावहारिक कार्यों के कम से कम दो तिहाई भाग में भाग लेने की आवश्यकता होती है। उपस्थिति की आवश्यकता को पूरा नहीं करने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है।

नए प्रवेशकों के लिए ओरीएन्टेशन दिवस

नोटः सभी नए छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी प्रवेश पर्ची अपने साथ रखें।

छात्र प्रेरणा कार्यक्रमः बाद में सूचित किया जाएगा। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से कॉलेज की वेबसाइट देखते रहें। पहचान पत्रः प्रत्येक छात्र को एक पहचान पत्र दिया जाता है, जिसे उसे हर दिन कॉलेज में लाना होता है। इस कार्ड को आवश्यकता पड़ने पर प्रस्तुत किया जाना चाहिए। ऐसा

नहीं करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। यदि पहचान पत्र खो जाता है, तो 200 रुपये के भुगतान पर एक प्रतिलिपि प्राप्त करना होगा।

सूचना पट्ट : विभिन्न गतिविधियों से संबंधित सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं सूचना पट्ट पर लगा दी जाती हैं। छात्रों को प्रतिदिन नोटिस बोर्ड पढ़ना आवश्यक है। नोटिस कॉलेज की वेबसाइट और कॉलेज के मोबाइल एप पर भी अपलोड किए जाते हैं।

प्रॉक्टोरियल बोर्ड और छात्र संघ

एक प्रोक्टोरियल बोर्ड, जिसमें शिक्षण स्टाफ के सदस्य और छात्र प्रतिनिधि शामिल होंगे, कॉलेज में अनुशासन बनाए रखने के लिए संयुक्त रूप से जिम्मेदार होगा। इस उद्देश्य के लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड के संयोजक से संपर्क किया जा सकता है।

छात्राओं से निम्नलिखित आचार संहिता अपेक्षित हैः

- कॉलेज में प्रतिदिन पहचान पत्र और पुस्तकालय कार्ड ले जाना;
- 'मौन क्षेत्र' यानी गलियारों में, कक्षाओं के अंदर और बाहर चुप्पी बनाए रखने के लिए;
- सभी व्याख्यान, ट्यूटोरियल और पाठ्येतर गतिविधियों में नियमित रूप से भाग लेने के लिए;
- कक्षाओं के दौरान मोबाइल फोन बंद रखना और परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन नहीं ले जाना;
- कक्षा खाली करने से पहले लाइट और पंखे बंद करना;
- प्रतिदिन नोटिस बोर्ड पढ़ने के लिए;
- डिस्टबिंग क्लासेस से बचने के लिए खाली समय में लाइब्रेरी, कॉमन रूम या कैंटीन का इस्तेमाल करना;
- पुस्तकालय की पुस्तकों के पन्ने फाड़ने से बचना;

- उद्यान के रख–रखाव में महाविद्यालय के प्राधिकारियों की सहायता करना;
- कॉलेज के अधिकारियों को अनुचित और दुर्व्यवहार के सभी मामलों की रिपोर्ट करने के लिए;
- आत्म–अनुशासन, स्वच्छता और समय की पाबंदी का पालन करना; तथा
- परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का प्रयोग न करें।

पर्यटन / पिकनिक

छात्राओं को यह नोट करने की आवश्यकता है कि जब भी कॉलेज आधिकारिक पर्यटन, पिकनिक आदि की व्यवस्था करता है, तो छात्राओं के माता–पिता से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया जाएगा और शिक्षक उनके साथ आएंगे। इस आशय का एक नोटिस, कॉलेज के अधिकारियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित, नोटिस बोर्ड पर भी लगाया जाएगा। यदि छात्र निजी समूहों द्वारा या अनौपचारिक रूप से आयोजित लंबी पैदल यात्रा / पर्यटन / पिकनिक के लिए जाते हैं, कॉलेज किसी भी दुर्घटना के लिए जिम्मेदार नहीं होगा और छात्र अपने जोखिम पर जाएंगे। । कॉलेज परिसर के अंदर होली खेलना और दिवाली मनाना सख्त मना है। इस नियम का उल्लंघन करने वाले किसी भी छात्र के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सुविधाएं

पुस्तकालय और वाचनालय

कॉलेज में इंटरनेट सुविधा, वाई–फाई कनेक्टिविटी और एक विशाल वाचनालय के साथ एक अच्छी तरह से भंडारित, कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय है जो पूरे वर्ष छात्रों के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक (रविवार और राजपत्रित छुट्टियों को छोड़कर) खुला रहता है। महाविद्यालय पुस्तकालय समिति पुस्तकालय को बेहतर बनाने और इसके पुस्तक संग्रह के निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल रही है। पुस्तकालय तक पहुंच अब छात्रों और शिक्षकों के लिए उनके स्मार्ट आई–कार्ड के माध्यम से उपलब्ध है।

पुस्तकालय समिति एक पुस्तक मेले का भी आयोजन करती है जिसमें विभिन्न प्रकाशक और पुस्तक वितरक भाग लेते हैं। यह छात्रों और शिक्षकों के लिए एक समृद्ध अनुभव है। मेले का उद्देश्य छात्रों में पढ़ने की संस्कृति को विकसित करना है।

पुस्तकें – सामान्य और पाठ्य पुस्तक अनुभागों में – केवल एक सप्ताह के लिए जारी की जाती हैं। पुस्तकें – आरक्षित अनुभाग में – अग्रिम आरक्षण और लाइब्रेरियन की पूर्व अनुमति के साथ जारी की जाती हैं। संदर्भ पुस्तकें और पत्रिकाएँ केवल परामर्श के लिए उपलब्ध हैं। कॉलेज पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित हो गया है और लिबसिस सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। लगभग 87,134 पुस्तकों को स्वचालन प्रक्रिया में रखा गया है। पुस्तकालय कुल 45

समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है और इसमें विभिन्न संदर्भ स्रोतों जैसे विश्वकोश, शब्दकोश, एटलस और वार्षिक पुस्तकें आदि का समृद्ध संग्रह है। अपने उपयोगकर्ताओं के लिए एक मेजबान के जरिए दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली (DULS) द्वारा सब्सक्राइब किए गए उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस के माध्यम से पुस्तकालय लगभग 500 ई–पत्रिकाओं और 75000 ई–पुस्तकों तक पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय में एक वातानुकूलित वाचनालय है और इसमें उपयोगकर्ताओं के लिए 20 कंप्यूटर भी हैं। दृष्टबाधित छात्रों के लिए पुस्तकालय में 225 ब्रेल पुस्तकें और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। पुस्तकालय टिकट और पुस्तकालय–I कार्ड कर्मचारियों और छात्रों के लिए कंप्यूटर द्वारा तैयार किए गए हैं। उपयोगकर्ताओं के लिए OPAC (ऑन–लाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) सुविधा भी प्रदान की गई है। पुस्तकालय में इश्यू रिटर्न काउंटर पर अधिक दक्षता के लिए एक स्कैनर गन भी है। पुस्तकालय इनफ्लिबनेट के एनलिस्ट कार्यक्रम के माध्यम से ई–संसाधन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में है।

नियम

- कॉलेज पहचान पत्र हर दिन सभी सेवा बिंदुओं पर प्रस्तुत किया जाना है, अर्थात प्रवेश द्वार, अंक काउंटर, संदर्भ अनुभाग आदि;
- कॉलेज का पहचान पत्र दिखाने पर तीन किताबें– ऑनर्स (द्वितीय और तृतीय वर्ष) के छात्रों के लिए और बीए (प्रोग्राम II और III वर्ष) के लिए दो किताबें जारी की जा सकती हैं।
- छात्रों को लाइब्रेरी फॉर्म के लिए एक पासपोर्ट साइज फोटो लाना होगा।
- किताबों की देर से वापसी के लिए छात्रों से प्रतिदिन 1.00 रुपये की दर से जुर्माना और रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। संदर्भ पुस्तकों की देर से वापसी के लिए 2.00 रूपये
- पुस्तकालय की पुस्तकों को नुकसान पहुंचाने पर छात्रों पर जुर्माना लगाया

जाएगा और पुस्तकालय सुविधाओं से वंचित भी किया जा सकता है।

- पुस्तकों के गुम होने की सूचना तत्काल पुस्तकालयाध्यक्ष को लिखित रूप में देनी चाहिए, ऐसा न करने पर छात्र को पुस्तक की कीमत का डेढ़ गुना सहित भारी जुर्माना भरना होगा। किसी भी पुस्तकालय पुस्तक/पत्रिका के फाड़ने वाले पन्नों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।
- पुस्तकालय नियमों और विनियमों और पुस्तकालय से संबंधित किसी भी अन्य जानकारी के लिए छात्रों को समय–समय पर पुस्तकालय नोटिस–बोर्ड देखने की आवश्यकता होती है।

सभागार

कॉलेज में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक वातानुकूलित संगोष्ठी कक्ष है। महाविद्यालय में एक संगोष्ठी कक्ष है जिसमें लगभग 100 लोगों के बैठने की क्षमता है। संगोष्ठी कक्ष कई प्रकार की संगोष्ठियों और कार्यशालाओं को समर्थन और सुविधा प्रदान करने के लिए विभिन्न तकनीकी उपकरणों से सुसज्जित है।

कॉफी हाउस

लक्ष्मीबाई कॉलेज छात्राओं और कर्मचारियों को पौष्टिक, पौष्टिक भोजन परोसने के लिए पूरी तरह कार्यात्मक, विशेष रूप से शाकाहारी कैंटीन से सुसज्जित है। इंटरकॉम सुविधा के साथ विशाल और अच्छी तरह से सुसज्जित कैंटीन परिसर के भीतर कार पार्क के बगल में और व्याख्यान थियेटर II के ठीक पीछे स्थित है। कैंटीन मेन्यू उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय और चीनी व्यंजनों की एक विस्तृत विविधता और अत्यधिक किफायती कीमतों पर हल्के नाश्ते और पेय प्रदान करता है। यह सभी कार्य दिवसों में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक खुला रहता है और कॉलेज स्टाफ काउंसिल द्वारा नियुक्त विभाग से युक्त एक खानपान समिति की निरंतर निगरानी में है। यह नियमित रूप से इन–हाउस कार्यों, आगंतुकों के लिए खानपान के साथ–साथ विशेष आयोजनों के प्रावधानों में सहायता प्रदान करता है। किसी भी समस्या/सुझाव के मामले में कैंटीन समिति से संपर्क किया जा सकता है।

कॉलेज कैंटीन : क्या करें और क्या न करें

करने योग्य

1. लंच सर्वर का सम्मान करें; कृपया और धन्यवाद कहिये।
2. हमेशा अपने आसपास दूसरों के प्रति सचेत रहें।
3. कैंटीन को साफ रखें।
4. खरीद के लिए कतार में रहें।
5. खाने के बर्तनों को उपयोग के बाद उनके उचित स्थान पर रखना चाहिए।

क्या न करें

1. अपना भोजन तेजी से प्राप्त करने के लिए लाइन में कटौती न करें।
2. सर्विंग एरिया के बीच में बातचीत शुरू न करें।
3. दोपहर के भोजन के प्रति अनादर न करें।
4. जब सेवा क्षेत्र में भीड़भाड़ हो तो लोगों को धक्का न दें।
5. खेलना या चिल्लाना या भागना नहीं ।
6. बिना अनुमति के कैंटीन से मेज या कुर्सियों को न हटाएं

व्यायामशाला

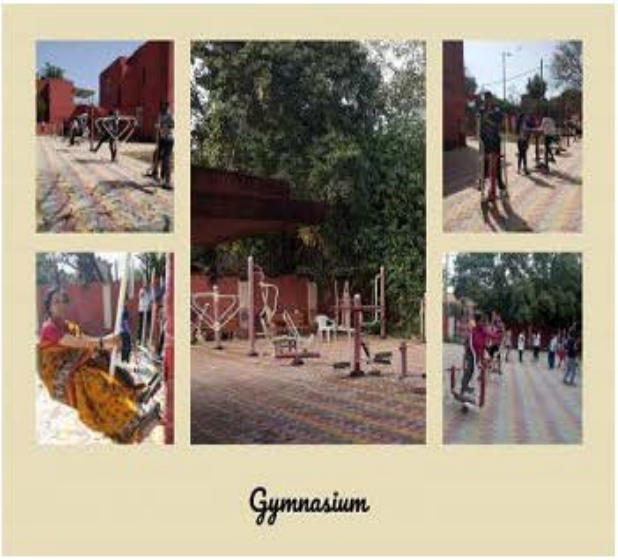

स्वामी विवेकानंद ने लिखा था "मस्तिष्क और मांसपेशियों को एक साथ विकसित होना चाहिए। एक बुद्धिमान मस्तिष्क के साथ लोहे की नसें और पूरी दुनिया आपके चरणों में है।" लक्ष्मीबाई कॉलेज को अपने आधुनिक, अप–टू–डेट और पूरी तरह से सुसज्जित व्यायामशाला के रूप में कॉलेज के मजबूत बुनियादी ढांचे की एक अनिवार्य विशेषता पेश करने पर गर्व है। एक स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ दिमाग कॉलेज व्यायामशाला की स्थापना के पीछे आदर्श वाक्य है। व्यायामशाला सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए प्रति माह केवल 500 रु भुगतान के आधार पर खुला है, सप्ताह में छह दिन। हालांकि, यह विशेष रूप से खेल पाठ्यक्रम से संबंधित छात्रों के लिए बनाए रखा जाता है। यह बहुत सारी गतिविधियों और सकारात्मक सोच के साथ एक हलचल भरी जगह है। इसमें ट्रेडमिल से लेकर क्रॉस–ट्रेनर तक, साइकिलिंग मशीन से लेकर ट्विस्टर तक, लगभग हर आवश्यक सुविधा है। इसके अलावा हमारे पास आठ स्टेशन व्यायाम सेट, व्यायाम बाइक, वजन उपकरण, क्रंच व्यायाम उपकरण, और क्या नहीं है! साँस लेने के व्यायाम से लेकर स्ट्रेचिंग व्यायाम तक, सब कुछ करने का उचित तरीका दिखाने के लिए व्यायामशाला प्रशिक्षक है।

एलबीसी मोबाइल एप

लक्ष्मीबाई कॉलेज ने I&MADE प्लेटफॉर्म के साथ अपना आधिकारिक मोबाइल ऐप बनाया और सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जो छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुप्रयोगों तक पहुंच प्रदान करता है।

मोबाइल एप की विशेषताएं

- प्रिंसिपल, फैकल्टी और स्टाफ से सीधा संवाद जैसे फेसबुक पेज।
- समाचार और घोषणाएं
- ऑनलाइन टाइम टेबल और अटेंडेंस मॉड्यूल
- ई–संसाधन और पुस्तकालय पुस्तक सर्किंग
- आरएफआईडी कार्ड / आईडी कार्ड डैशबोर्ड रिचार्ज करना
- लक्ष्मीबाई कॉलेज वॉलेट
- कैंटीन में ऑनलाइन ऑर्डर और भुगतान
- पैनिक बटन
- एंटी रैगिंग हेल्पलाइन
- वेबसाइट से जुड़ना

प्रयोगशालाएं

कॉलेज में विशाल, अच्छी तरह से प्रकाशित और सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं:

- खाद्य प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाय;
- परिधान डिजाइन लैब;
- > वातानुकूलित कंप्यूटर लैब।*
- आने वाली मीडिया लैब।
- कॉलेज कंप्यूटर लैब

कॉलेज प्रयोगशालाएं : क्या करें और क्या न करें

करने योग्य

1. अग्निशामक यंत्र के स्थान और प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स के बारे में जानें और आपात स्थिति में उनका उपयोग कैसे करें।

2. प्रयोगशाला में आने से पहले किसी गतिविधि को अच्छी तरह से पढ़कर समझ लें।

3. आग या दुर्घटना की सूचना तुरंत अपने व्याख्याता प्रयोगशाला तकनीशियन को दें।

4. किसी भी टूटे प्लग या बिजली के तारों के टूटने की सूचना अपने व्याख्याता/ प्रयोगशाला तकनीशियन को तुरंत दें।

क्या न करें

1. प्रयोगशाला में खाना–पीना न करें।

2. बिजली के तारों या किसी अन्य कंप्यूटर केबल पर कदम रखने से बचें।

3. विशेष रूप से बिजली चालू होने पर सिस्टम यूनिट केसिंग या मॉनिटर केसिंग को न खोलें।

4. कंप्यूटर की केसिंग में धातु की वस्तुएं जैसे क्लिप, पिन और सुई न डालें। वे आग का कारण बन सकते हैं।

5. बिना अनुमति के कंप्यूटर प्रयोगशाला से कुछ भी न निकालें।

6. अपने व्याख्याता/प्रयोगशाला तकनीशियन की अनुमति के बिना किसी प्लग या केबल को स्पर्श, कनेक्ट या डिस्कनेक्ट न करें।

7. कंप्यूटर प्रयोगशाला में दुर्व्यवहार न करें।

बैंक : बैंक ऑफ इंडिया का कॉलेज में एक एक्सटेंशन काउंटर है। यह कर्मचारियों और छात्रों को सभी बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करता है। बैंक नियमित रूप से सेमिनार और विभिन्न कॉलेज गतिविधियों को प्रायोजित करके कॉलेज जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है।

फोटोस्टेटः भुगतान के आधार पर फोटोस्टेट सुविधा प्रदान करने के लिए कॉलेज में एक फोटोस्टेट केबिन

परिवहनः मार्ग– लक्ष्मीबाई कॉलेज के लिए– 166, 181 ए, 912 और निकटतम मेट्रो स्टेशन कन्हैया नगर, इंद्रलोक, शास्त्री नगर आदि हैं।

क्रेचः लक्ष्मीबाई परिसर में युवा माता–पिता के पास अब अपने बच्चों को पालने और संवारने के लिए एक नया सहयोग मंच है। कॉलेज ने 25 अक्टूबर 2019 को अपने क्रेच डे केयर सेंटर परवरिश का उद्घाटन किया । दिल्ली सरकार में रोजगार, विकास, श्रम, सामान्य प्रशासन और सिंचाई मंत्री श्री गोपाल राय ने क्रेच का उद्घाटन किया। केंद्र सुबह 8.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक काम करता है। केंद्र दो मंजिलों यानी ग्राउंड और प्रथम फ्लोर के साथ पूरी तरह सुसज्जित पेंट्री और बच्चों के अनुकूल सुविधाओं के साथ संचालित होता है। चाइल्डहुड केयर के लिए केंद्र प्रमुख और सहायक कर्मचारी नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से गुजरते हैं। केंद्र के दिन–प्रतिदिन के संचालन को एक बाहरी एजेंसी यूरोकिड्स, एक प्रीस्कूल और प्ले ग्रुप चेन को आउटसोर्स किया गया है। सभी मूलभूत सुविधाओं से लैस होने के अलावा, केंद्र सभी आधुनिक तकनीकों से लैस है। सीसीटीवी के माध्यम से एक ऐप–आधारित सेवा माता–पिता को दूर से देखने में सक्षम कर सकती है कि उनके बच्चे केंद्र में क्या कर रहे हैं। माता–पिता कनेक्ट समूह माता–पिता को बच्चे की गतिविधियों पर लगातार अपडेट देता है।

स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र

छात्राओं की प्राथमिक चिकित्सा आवश्यकताओं की देखभाल के लिए एक प्रशिक्षित और योग्य नर्स है। छात्र जब भी आवश्यक हो मेडिकल रूम में चिकित्सा सहायता ले सकते हैं। छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र मार्ग स्थित WUS स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा परामर्श और उपचार का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए छात्र को WUS सदस्यता फॉर्म भरना होगा और उसे डीलिंग में जमा करना होगा (सदस्यता वैकल्पिक है)। किसी भी समस्या/सुझाव के मामले में चिकित्सा समिति के शिक्षकों से संपर्क किया जा सकता है।

वित्तीय सहायता

शुल्क रियायत

निधि की उपलब्धता पर सभी जरूरतमंद और योग्य छात्र शुल्क में रियायत के लिए आवेदन कर सकते हैं। रियायत प्राप्त होने तक शुल्क का भुगतान किया जाना चाहिए। रियायत अच्छे आचरण, नियमित उपस्थिति और पढ़ाई में संतोषजनक प्रगति के अधीन है।

छात्र सहायता कोष

छात्र सहायता कोष से जरूरतमंद और योग्य छात्रों को वित्तीय सहायता भी दी जा सकती है।

छात्रवृत्ति

दिल्ली सरकार और स्कॉलरशिप सेल, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। पिछले वर्ष के उनमें से कुछ का उल्लेख नीचे किया गया है:

- दिल्ली सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति :
  - ❖ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए योग्यता छात्रवृत्ति।
  - ❖ ओबीसी छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति।
- निजी संगठन द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति:
  - ❖ योग्यता के आधार पर छात्राओं के लिए विश्व ब्रदरहुड संगठन की छात्रवृत्ति। किसी अन्य छात्रवृत्ति के लिए, विवरण कॉलेज कार्यालय या विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।
- कमाने के लिए जब आप योजना सीखते हैं-

एईपीआईसीने पहली बार लक्ष्मीबाई कॉलेज में के तहत "अर्न व्हाइल यू लर्न स्कीम" छात्रों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए एक छात्र इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया। स्वच्छ और हरित परिसर और विश्वासके लिए स्वयंसेवी इंटर्नशिप भी प्रदान करता है।

शैक्षणिक आवश्यकताएँ

कॉलेज के छात्र विश्वविद्यालय कैलेंडर के अध्यादेश VII में निर्धारित दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों द्वारा शासित होते हैं। छात्रों को नियमित रूप से सभी व्याख्यान, ट्यूटोरियल व्यावहारिक भाग लेने की आवश्यकता होती है। / सेमेस्टर/विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार एक छात्र को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष सेमेस्टर में/प्रत्येक वर्ष)67%) में कॉलेज में आयोजित कुल व्याख्यानों और व्यावहारिकों के कम से कम दो तिहाई में अलग अलग भाग लेने की आवश्यकता होती-है। उपस्थिति की आवश्यकता को पूरा नहीं करने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है। वार्षिक एनसीसी शिविर या एनएसएस अंतर्राष्ट्रीय खेल या प्रधानाचार्य/राष्ट्रीय/कॉलेज-असाइनमेंट या इंटरद्वारा अनुमोदित पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के लिए चयनित प्रतिनियुक्त छात्रों को अधिकतम/ एक तिहाई व्याख्यान और व्यावहारिक गतिविधियों के लिए छूट दी जा सकती है।

बीमारी के मामले में छुट्टी के आवेदन के साथ एक चिकित्सा प्रमाण पत्र और फिटनेस प्रमाण पत्र होना चाहिए जो संबंधित शिक्षकों के हस्ताक्षर प्राप्त करने के बाद कॉलेज कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए। कृपया ध्यान दें कि महाविद्यालय के बाहर अध्ययन के अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उपस्थिति की कमी को माफ नहीं किया जाएगा।

आंतरिक मूल्यांकन योजना

दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्णय के अनुसार प्रत्येक पेपर में कुल अंकों का 25% विश्वविद्यालय कैलेंडर के अध्यादेश-VIII-E के अनुसार आंतरिक मूल्यांकन के लिए आवंटित किया जाएगा।

सीबीसीएस सेमेस्टर मोड में अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए दिशानिर्देश आंतरिक-मूल्यांकन, आंतरिक मूल्यांकन में 25% वेटेज और अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में 75% वेटेज होगा, आंतरिक मूल्यांकन अंकों का वितरण निम्नानुसार होगा:

विवरण	**महत्व**
उपस्थिति (इंटरैक्टिव अवधियों और ट्यूटोरियल सहित व्याख्यान)	5%
लिखित कार्य सेमिन / परियोजना रिपोर्ट / ट्यूटोरियल /ार	10%
टेस्ट	10%

व्याख्यान और ट्यूटोरियल में भाग लेने में नियमितता के लिए 5% वेटेज दिया जाएगा। उपस्थिति के आधार पर प्रत्येक पेपर में नियमितता का श्रेय निम्नानुसार होगा:

67 से अधिक लेकिन %70 से कम %	1 अंक
70 या अधिक लेकिन %75 से कम %	2 अंक
75 या अधिक लेकिन %80 से कम %	3 अंक
80 या अधिक लेकिन %85 से कम %	4 अंक
85 और अधिक %	5 अंक

ईसीए एनसीसी लाभ विश्वविद्यालय के अध्यादेशों और नियमों के अनुसार/एनएसएस/ दिया जाना चाहिए और प्रति सेमेस्टर में आयोजित व्याख्यानों की कुल संख्या के1/3 से अधिक नहीं होना चाहिए। एक छात्र के मामले में जिसे एन के सदस्य के .सी.सी. नागरिक सुरक्षा कार्य और संबद्ध कर्तव्यों को .सी.सी.रूप में चुना गया है। वार्षिक एन पूरा करने के लिए शिविर या प्रतिनियुक्ति, या एक छात्र के मामले में जो राष्ट्रीय सेवा योजना में नामांकित है और संबंधित संस्थान के प्रमुख द्वारा या उसके अनुमोदन से

विभिन्न सार्वजनिक कार्य के लिए प्रतिनियुक्त है, या एक छात्र जो इंटर यूनिवर्सिटी-बोर्ड द्वारा आयोजित खेल या अन्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए चुना जाता है या कुलपति द्वारा आयोजित खेल या अन्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए चुना जाता है, या एक छात्र जिसे इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने की आवश्यकता होती है, या एक छात्र जिसे प्रादेशिक सेना में समय समय पर-प्रशिक्षण में भाग लेने की आवश्यकता होती है, या एक छात्र जिसे कॉलेज द्वारा इंटर-कॉलेज खेल, वादविवाद सेमिनार-, संगोष्ठी एक सामाजिक कार्य परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता है, या एक छात्र जो आवश्यक है अन्य विश्वविद्यालयों में आयोजित वाद विवाद और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों या कुलपति-द्वारा अनुमोदित ऐसी अन्य गतिवि िधियों में संबंधित कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने के लिए, निम्नलिखित प्रावधान लागू होगा:

(क) ऊपर सूचीबद्ध श्रेणियों में एक छात्र को लचीलेपन के साथ लिखित असाइनमेंट और प्रोजेक्ट्स वर्क की-फील्ड/सेमिनार/टर्म पेपर्स/ आवश्यकता को पूरा करना होगा, हालांकि, यदि आवश्यक हो, तो वह हो सकता हैलिखित असाइनमेंट जमा करने के लिए अतिरिक्त समय की अनुमति दी।

(ख) ऊपर सूचीबद्ध श्रेणियों में एक छात्र, आंतरिक मूल्यांकन के लिए लाभ या उपस्थिति प्राप्त करेगा।विश्वविद्यालय के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार छूटी हुई कक्षाओं की समीक्षा करने का अधिकार सुरक्षित है, और यदि आवश्यक हो, तो किसी भी कॉलेज विभाग में किसी भी / पेपर में अंकों को मॉडरेट करें। / पेपर

नियमितता के लिए दिए जाने वाले अंकों के लिए क्रेडिट की गणना करते समय चिकित्सा प्रमाणपत्रों को बाहर रखा जाएगा, हालांकि अध्यादेश VII.2.9 के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार परीक्षाओं में बैठने के लिए पात्रता की गणना के उद्देश्य से ऐसे प्रमाणपत्रों को ध्यान में रखा जाना जारी रहेगा।) (ए)ii)

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए, उनसे निम्नलिखित में शामिल होने की उम्मीद की जाती है :

(i) खेल
(ii) राष्ट्रीय सेवा योजना (.एस.एस.एन)
(iii) राष्ट्रीय कैडेट कोर (.सी.सी.एन)

शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग

लक्ष्मीबाई कॉलेज के शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग का उद्देश्य छात्रों का समग्र विकास करना है और इसलिए, शिक्षाविदों के साथ साथ खेल गतिविधियों का एक-संयोजन प्रदान करता है। दो संकाय सदस्यों डॉ सुनीता अरोड़ा और डॉ सीमा शर्मा के साथ, विभाग हमारे कॉलेज परिसर में विभिन्न स्तरों पर विभिन्न खेलों में एक ही समय में शारीरिक शिक्षा के पेपर पढ़ा रहा है और कई खेल गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। विभाग शारीरिक शिक्षा को बीए में अनुशासन पत्रों में से एक के रूप में प्रदान करता है। (कार्यक्रम), जिसमें मूल और वैकल्पिक दोनों पेपर हों। इस सत्र के लिए राजनीति विज्ञान और मनोविज्ञान अनुशासन के संयोजन में पेपर पेश किया जा रहा है।

खेल को लक्ष्मीबाई कॉलेज की पहचान माना जाता है और हम महिला खेलों में डीयू के शीर्ष दो सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कॉलेजों में शामिल हैं। छात्र विभिन्न स्तरों पर विभिन्न खेलों में भाग लेते हैं और पुरस्कार जीतते हैं। इंटरकॉलेज-, इंटरयूनिवर्सिटी-, स्टेट और राष्ट्रीयसे शुरू होकर हमारे कई छात्र अनतराष्ट्रीयस्तर पर जगह बना चुके हैं। हम तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बेसबॉल, मुक्केबाजी, क्रिकेट, जूडो, कबड्डी, खोखो-, नेटबॉल, पावरलिफ्टिंग-, सॉफ्टबॉल, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और योग सहित विभिन्न खेलों में बुनियादी ढांचा सुविधाएं प्रदान करते हैं। छात्रों को / साल भर अनुभवी कोचों के मार्गदर्शन में सभी खेलों में प्रशिक्षित किया जाता है। हाल ही में, हमने अभ्यास के लिए एक इंडोर शूटिंग रेंज जोड़ी है (राइफल और पिस्टल), जो लगभग पूरा हो चुका है और वर्तमान सत्र से काम करना शुरू कर देगा। इसके अलावा, कॉलेज में छात्रों, शिक्षकों और गैर शिक्षण कर्मचारियों की फिटनेस की-जरूरतों को पूरा करने के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित व्यायामशाला है। पूरे छात्रों के लिए सुविधाएं खोली गई हैं।

FACILITIES
NETBALL COURT
BASKETBALL COURT
KHO KHO COURT
SOFTBALL & BASEBALL GROUND
VOLLEYBALL COURT
CRICKET PITCH
BOXING HALL
SPORTS ROOM
TAEKWONDO
MULTIPURPOSE HALL

INTERNATIONAL PLAYERS
SUSHMA
Athletics
JYOTI
Wrestling
RITU DHRUV
Cricket
SUNITA
Athletics
PUSHPA
Athletics
JYOTI BISHT
Athletics
SEEMA KAUSHIK
Athletics (Masters)
MANISHA CHOUDHARY
Baseball
BHAWNA
Baseball
SHWETA
Baseball
MONICA
Baseball
CHETNA
Baseball
SIJI ANAYAN
Baseball
AMANDEEP KAUR
Baseball
NEHA GUPTA
Baseball
VIPULA
Athletics (Masters)

MEMORIES & MOMENTS

Mr. Dharmveer
(ARCHERY)
Mr. Sunil Sharma
(ATHLETICS)
Mr. Ravinder Malik
(BASEBALL & SOFTBALL)
Mr. Vijay Kumar
(BOXING)
Ms. Vineeta Sharma
(CRICKET)
Mr. Praveen Kumar
(JUDO)
Mr. Kashi Ram Sharma
(KABADDI)
Mr. Ajay Prakash Gupta
(KHO-KHO)
Mr. Nitin
(NETBALL)
Ms. Sandhya Saini
(POWER & WEIGHT-LIFTING)
Mr. Ranvir Singh
(WRESTLING)
Ms. Meenakshi Panwar
(VOLLEYBALL)
Ms. Neeva Singh
(YOGA)
OUR COACHES

2020-21 के दौरान खेल उपलब्धियां

COVID-19 के बावजूद, हमारे कॉलेज के छात्रों ने जितना हो सके अपना अभ्यास जारी रखा। कुछ छात्रों को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिला और उन्होंने कॉलेज का नाम रोशन किया। इस अवधि के दौरान उपलब्धियां नीचे सूचीबद्ध हैं।

राष्ट्रीय

बीए प्रोग्रामकी एकता सिंह तीसरे वर्ष मीटर में खेलो इंडिया नेशनल विंटर गेम्स 400 मार्च 2 फरवरी से 26 में रजत पदक जीता।, तक गुलमर्ग में 2021आयोजित सीनियर महिला वर्ग में स्प्रिंट। खुशबू गुप्ता और गुलिफशा चौधरी ने ओडिशा में आयोजित सीनियर नेशनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया। जिज्ञासा ने देहरादून में होने वाली जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लिया।

उत्तर क्षेत्र

इतिहास द्वितीय वर्ष की कनिका सिंह ने फरवरी (ऑनर्स), में जम्मू में आयोजित 2021 नॉर्थ जोन ओपन जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया।

दिल्ली राज्य

26-फरवरी 28, को लक्ष्मी पब्लिक स्कूल में आयोजित सीनियर दिल्ली स्टेट 2021 वॉलीबॉल चैंपियनशिप में गुलिफ्शा चौधरी, खुशबू गुप्ता, खुशी, भारती अहलावत और शीतल ने पहला स्थान हासिल किया।

जिला

जिला कबड्डी प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज की कबड्डी टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम के सदस्यों में श्रुति, तुलसी, याशिका, सिमरन, रुबीना, हेमलता और नैंसी शामिल थीं।

एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में, बबीता पहले स्थान पर रही, जबकि भावना ने दूसरा स्थान हासिल किया। मिरांडा हाउस में ऑनलाइन रिदमिक योग प्रतियोगिता में भी बबिताने दूसरा स्थान प्राप्त किया। एसजीएनडी खालसा कॉलेज द्वारा आयोजित एक अन्य ऑनलाइन योग प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज की सलोनी ने दूसरा स्थान हासिल किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)2020-21

राष्ट्रीय सेवा योजना अगस्त 2020 में, एनएसएस स्वयंसेवकों ने कोविड-19 महामारी के कठिन समय के दौरान भी अपने पूरे उत्साह और प्रयासों के साथ हाथ से अच्छी तरह से सैनिटाइज़ किए गए मास्क तैयार करने और उन्हें कोरोनवायरस के प्रसार को रोकने के लिए आसपास की झुग्गियों में वितरित करने का काम किया। इतना ही नहीं-, कई स्वयंसेवकों ने छोटे वीडियो भी तैयार किए, जिसमें दिखाया गया था कि कैसे घर का बना अच्छी तरह से साफसुथरा मास्क तैयार किया ज-ाए और महामारी की महत्वपूर्ण अवधि के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूकता फैलाने की दिशा में काम किया जाए। एनएसएस एलबीसी ने 15 अगस्त 2020 से 2 अक्टूबर 2020 तक भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया मूवमेंट को उत्साहपूर्वक बरकरार रखा। यूनिट ने अपने स्वयंसेवकों को अपनी फिटनेस और समग्र रूप से समाज की फिटनेस की दिशा में कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। स्वयंसेवक अपने दोस्तों और परिवार के साथ मॉर्निंग वॉक, रनिंग, साइकलिंग पर निकले। उन्होंने वर्चुअल मीट का भी आयोजन किया और उन लोगों के साथ नियमित रूप से योग और व्यायाम किया, जिनसे वे लॉकडाउन के कारण नहीं मिल सके। स्वयंसेवकों ने योग आसन करने के तरीके पर वीडियो ट्यूटोरियल भी बनाए। यूनिट द्वारा इस आंदोलन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया और कई लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया गया। लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई ने 14 सितंबर 2020 को 'हिंदी दिवस' के अवसर पर हिंदी भाषा" प्रतियोगिता का आयोजन किया। राष्ट्रीय पर एक कार्यक्रम आयोजित "प्रतियोगिता किया गया था।20 सितंबर 2020 को एक वेबिनार के रूप में शिक्षा नीति का आयोजन किया गया जिसमें एनएसएस इकाई के वक्ताओं और कुछ संकाय शिक्षकों ने शिक्षा नीति में किए गए परिवर्तनों से परिचित कराने के लिए उपस्थित लोगों के सामने संपूर्ण नई शिक्षा नीति बिल प्रस्तुत किया। एनएसएस इकाई वह जो एक पेड़ लगाता है", एक आशा लगाता है कहावत का दृढ़ "विश्वास है। उसी के बाद, स्वयंसेवकों ने 24 सितंबर 2020 को 'तरुपनवृक्षारोपण अभियान -' चलाया, जहां स्वयंसेवकों ने अपने अपने-स्थानों पर पौधे लगाए और उन्हें पोषित करने का संकल्प लिया।इस छोटी सी पहल से कई पौधे रोपे गए, जिससे सामूहिक प्रयासों की शक्ति का पता चलता है। 24 सितंबर 2020 को, 51वें एनएसएस दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर, यूनिट को महान पर्वतारोही और माउंट एवरेस्ट को दो बार फतह करने वाली पहली महिला श्रीमती संतोष यादव की मेजबानी करने का सम्मान मिला। वह सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में

से एक, पद्म श्री की प्राप्तकर्ता भी हैं। वेबिनार के दौरान, श्रीमती संतोष यादव ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के अपने अनुभव, उन्हें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, और उनकाकैसे सामनाकिया, इस बारे में बताया। उन्होंने इस पाठ पर जोर दिया जहां" चाह है, वहां राह है। इसके अलावा", दिन और भी आनंद से भरा था, क्योंकि यूनिट ने कई प्रतियोगिताओं के आयोजन में आनंद लियाफोटोग्राफी प्रतियोगिता -प्रतिभा - :, अभिव्यक्ति पाठ प्रतियोगिता -, चैतन्य हिंदी) डिजिटल पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता - । अक्टूबर की शुरुआत में आत्मनिर्भर भारत अभियान पर एक सप्ताह(या अंग्रेजी चला। आत्मनिर्भर भारत की संकल्प"नाऔरनवाचार विषय पर एक वेबिनार का " आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवकों ने अपने विचार और विचार व्यक्त किए और उन्हें वीडियो के रूप में भेजा। सत्र में शिक्षा का महत्व, नई शिक्षा नीति का लाभ, किसानों, युवाओं की भूमिका, शिक्षा और हमारे देश को आत्मनिर्भर बनाने में डिजिटलीकरण और गांधीजी की विचारधाराओं के बारे में कुछ रोचक तथ्य जैसे विषयों के बारे में ज्ञानवर्धक जानकारी शामिल थी। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर 29 अक्टूबर को डिजिटल पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और निबंध लेखन प्रतियोगिता, सस्वर पाठ और फोटोग्राफी प्रतियोगिता जैसी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।एक समूह चर्चा का आयोजन किया गया और 30 अक्टूबर को शाम 6 बजे एक लघु नाटक का प्रदर्शन किया गया। समूह चर्चा जवाब"देह, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्राप्त करना के सूचनात्मक विषय पर थी और जो नाटक " सावधानी" दिखाया गया था उसका शीर्षक थाहटी दुर्घटना घटी। अक्टूबर महीने की" आखिरी घटना31 अक्टूबर को हुई थी जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस अवसर पर एनएसएस एलबीसी ने इस महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देने और अखंडता और एकता के उनके सिद्धांतों का पालन करने के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया। लक्ष्मीबाई कॉलेज की एनएसएस इकाई का ऑफीसियल ओरियेन्टेशन कार्यक्रम 20 नवंबर 2020 को आयोजित किया गया था। एनएसएस, एलबीसी के सभी स्वयंसेवकों को एनएसएस के कई विभागों से परिचित कराया गया था ताकि वे एक साक्षात्कार से गुजरने के बाद आवश्यकताओं और अपने व्यक्तिगत हितों के अनुसार उनसे जुड़ सकें। 29 नवंबर को, "साइबरविषय पर एक वे "अपराध-बिनार आयोजित किया गया था जिसमें अनधिकृत ईमेल और सोशल मीडिया एक्सेस, समझौता किए गए पासवर्ड, साइबर अपराध, और डेबिट या क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी जैसे विषय शामिल थे। डॉ पवन .दुग्गल, जो दुनिया

के शीर्ष 4 साइबर वकीलों में से एक हैं, भारत के सर्वोच्च न्यायालय में एक वकील और साइबर सुरक्षा कानून पर अंतर्राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष भी हैं। जनवरी का महीना मनोरंजक और व्यापक कार्यवाही और हंगामे से भरा हुआ था। सबसे पहले, यह 21 जनवरी को भारत सुरक्षा के सहयोग से सड़क सुरक्षा जागरूकता पर एक बहुत (होंडा) ही शैक्षिक वेबिनारकी शुरूआत हुयी। सत्र का आह्वान श्री जतिन कटारिया ने किया, जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना था। पूरासत्र सभी स्वयंसेवकों और शिक्षकों के लिए बहुत ही आकर्षकऔर दिलचस्प था। 23 जनवरी को डॉ नेताजी . सुभाष चंद्र बोस की124 वीं जयंती के शुभ अवसर पर, जिसे पराक्रम दिवस के रूप में भी जाना जाता है, अब तक के सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक को याद करने के लिए दो कार्यक्रम आयोजित किए गए फिल्म स्क्रीनिंग और पोस्टर मेकिंग - प्रतियोगिता। फिल्म की स्क्रीनिंग नेताजी के जीवन पर बनी डॉक्यूमेंट्री पर आधारित प्रसिद्ध उद्धरणों या महत्वपूर्ण योगदानों को दर्शाते हुए हस्तनिर्मित या डिजिटल पोस्टर बनाने के लिए कहा गया। 26 जनवरी को हमारे गणतंत्र दिवस समारोह के साथ इसमाह का समापन हुआ। हमने अपने स्वयंसेवकों की मदद से एक वीडियो बनाया था, जिसमें हम अपने घर पर सुरक्षित और आराम से बैठे हुए लोगोंकोइसका लाभ मिल सका इस समय में हमारी मदद करने वाले सभी लोगों के प्रति ईमानदारी से सम्मान व्यक्त करते हैं। दिन को और अधिक सराहनीय बनाने के लिए हमने अपने स्वयंसेवकों के लिए एक कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया था। छात्रों के लिए फरवरी का पूरा महीना अच्छाबनाने के लिए एनएसएस इकाई ने अपना अधिकतम प्रयास किया था। 12 फरवरी लैपटॉप वितरण दिवस था जिसमें स्वयंसेवकों ने कॉलेज जाकर उन छात्रों को किराये के आधार पर लैपटॉप वितरित किए जो उन्हें वहन नहीं कर सकते थे। यह छात्रों के लिए उस समय भी अपनी पढ़ाई को सुचारू रूप से जारी रखने में मददगार था, जब वे कॉलेज नहीं जा सकते थे। 16 फरवरी, संकाय सदस्य और स्वयंसेवक वसंत पंचमी मनाते हैं। 20 फरवरी फिर से एक बड़ी सफलता थी क्योंकि इस दिन स्वयंसेवक कॉलेज में मास्कबनाने की गतिविधि में लगे हुए थे। उन्होंने उपयोगी हस्तनिर्मित मास्क बनाए और उन्हें आसपास के झुग्गीक्षेत्रों में वितरित किया।

एनएसएस के तहत परियोजनाएं

सक्षम

सक्षम एनएसएस के तहत एक स्कूल परियोजना है जिसका उद्देश्य सरकारी स्कूल के छात्रों के बीच नैतिकता, रचनात्मकता पैदा करना है।

शिक्षा कक्ष

एनएसएस के तहत एक परियोजना। लक्ष्मीबाई कॉलेज का उद्देश्य वज़ीरपुर नामक झुग्गी बस्ती के बच्चों को पढ़ाकर राष्ट्र के भविष्य को आकार देना है, जिसे एनएसएस लक्ष्मीबाईकॉलेज द्वारा शैक्षणिक और अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों दोनों में उनके उत्थान के लिए अपनाया गया है।

लक्ष्मीबाई कॉलेजकी एनएसएस इकाई 'समर्पण'नामक एक परियोजना चलाती है जिसमें हम दृष्टिबाधित लोगों के लिए काम करते हैं और उनके असाइनमेंट, उनकी अध्ययन सामग्री और रिकॉर्डिंग करके उनकी मदद करते हैं। उनके भविष्य के लिए कुछ सीखने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

रचनात्मकता

उर्वर जिसका अर्थ है उत्पादक। इस परियोजना के तहत सभी रचनात्मक कार्यों का ध्यान रखा गया है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

राष्ट्रीय कैडेट कोर सबसे बड़ा स्वैच्छिक वर्दीधारी युवा संगठन है (एनसीसी), जहां नामांकित कैडेटों को छोटे हथियारों और परेड में बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। एनसीसी में प्रशिक्षण एकता, अनुशासन, देशभक्ति, टीमभावना-, एस्प्रिट-डी-कॉर्प्स, नेतृत्व, आत्मविश्वास जैसे गुण पैदा करता है और जाति, पंथ, धर्म या आर्थिक स्थिति के बावजूद व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देता है।

BENEFITS OF MEDITATION
Helps Prevent Emotional Eating
Reduces Stress Level
Improves Mood
Lessens Anxiety & Depression
Enhances the Immune System
YOGA IS NOT A RELIGION, BUT IS A WAY OF LIVING TOWARDS 'A HEALTHY MIND IN A HEALTHY BODY'
Improve Sleep

Certificate
-OF PARTICIPATION-
Ministry of AYUSH & MyGov congratulate
Shivangi
for successfully completing
International Day of Yoga (2021) Quiz.
We salute your effort. Keep participating.
Shri P.N.Ranjit Kumar
Joint Secretary, Ministry of AYUSH

Integrate and Encourage
Yoga through Life

VIJAYANT NCC
SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
(DELHI UNIVERSITY)
THE ANNUAL NCC FEST VIJAYANT 2021
CERTIFICATE OF APPRECIATON
This is certify that,
LCPL EKTA
LAKSHMI BAI COLLEGE
has actively participated in Best Cadet Competition (SW) and secured 2nd position at the Annual NCC Fest Vijayant 2021 of Vijayant NCC of SGND Khalsa College organized on May 23, 2021.
2nd

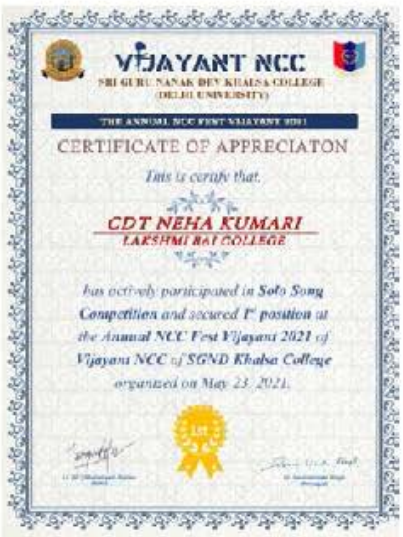
VIJAYANT NCC
SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
(DELHI UNIVERSITY)
THE ANNUAL NCC FEST VIJAYANT 2021
CERTIFICATE OF APPRECIATON
This is certify that,
CDT NEHA KUMARI
LAKSHMI BAI COLLEGE
has actively participated in Solo Song Competition and secured 1st position at the Annual NCC Fest Vijayant 2021 of Vijayant NCC of SGND Khalsa College organized on May 23, 2021.
1st

S.No. 216

राष्ट्रीय कैडेट कोर
NATIONAL CADET CORPS

दिल्ली निदेशालय / Delhi Directorate

प्रमाण पत्र/Certificate

सं०/No. DL/19/SWA/260547 रैंक/Rank Cdt नाम/Name Neha Kumari

यूनिट/Unit 7DGBN स्कूल/कॉलेज/ School/ College/ Institute Lakshmi Bai College

ने 5 दिल्ली बटालियन रा.कै.को. हैड क्वार्टर ग्रुप 'बी' द्वारा 19 अप्रैल से 23 अप्रैल 2021 तक आयोजित ऑनलाइन - एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंप में भाग लिया/ participated in Online - Ek Bharat Shreshtha Bharat (EBSB) Camp conducted by 5 Delhi Battalion NCC of HQ Group 'B' from 19 April to 23 April 2021.

COL SUSHIL BUGALIA
Commanding Officer
5 Delhi Bn NCC

BRIG P S SANGWAN
Group Commander
HQ Gp 'B' NCC Delhi

iGOT

Acknowledgement of Completion

This is to acknowledge that

Samiksha Dayma

has successfully completed the course

2020_COVID-19 Training for NCC Cadets

on 18 May 2021

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING

Scan to Verify Certificate

7 दिल्ली गर्ल्स बटालियन, कीर्ति नगर के तहत लक्ष्मीबाई कॉलेज की जीवंत और गतिशील एनसीसी विंग लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। नामांकित 160 कैडेट दिल्ली के भीतर या बाहर विभिन्न शिविरों के साथ साथ कॉलेज में- व्याख्या/ड्रिलन वर्ग प्रतियोगिता के साप्ताहिक प्रशिक्षण-स्वच्छता अभियान अंतर/ (एटीसी) में भाग लेते हैं। एनसीसी अपने कैडेटों को वार्षिक प्रशिक्षण (गुरुवार को), राष्ट्रीय एकता (एनआईसी), सेना अटैचमेंट सहित विभिन्न शिविरों के दौरान (एएसी) ड्रिल, सिग्नलिंग, हथियारप्रशिक्षण-, मानचित्र पढ़ने, नागरिक सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, होम(बीएलसी) नर्सिंग आदि में प्रशिक्षित करता है। बेसिक लीडरशिप-, एडवांस लीडरशिप (एएलसी), पर्सनैलिटी डेवलपमेंट (पीडीसी), ऑफिसर्स ट्रेनिंग (ओटीए), थाल(टीएससी) सैनिक-, प्रधानमंत्री रैली (पीएम रैली), गणतंत्र दिवस (आरडीसी), ट्रेकिंग और माउंटेनियरिंग, स्कीइंग, वाटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर स्पोर्ट्स, यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम और प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस परेड। एनसीसी प्रशिक्षण अपने कैडेटों को दो साल के बाद 'बी' प्रमाणपत्र और तीन साल के प्रशिक्षण के बाद 'सी' प्रमाणपत्र प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

हमारे दो कैडेट, कैप्टनजूही शर्मा और लेफ्टिनेंट मेघा रावत को एनसीसी के जरिए भारतीय सेना में कमीशन दिया गया है। कॉलेज को दिल्ली के एनसीसी एलुमनी9 क्लब द्वारा एनसीसी एसडब्ल्यू श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ कॉलेज के रूप में सम्मानित किया गया है। लेफ्टिनेंट सीमा कौशिक (.डॉ), कॉलेज की एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, महानिदेशक के एनसीसी कमेंडेशन कार्ड और एसडब्ल्यू श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ एएनओ पुरस्कार प्राप्तकर्ता हैं।

डीयू की अंतरध्वनि में हमारे कैडेटों ने ड्रिल में पहला स्थान हासिल किया। डीयू के विभिन्न कॉलेजों में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में असंख्य पुरस्कार जीते, चाहे वह सर्वश्रेष्ठ कैडेट, ड्रिल, गार्ड, गीत, नृत्य, रंगोली, रेखा क्षेत्र या कोई अन्य गतिविधि हो; सेना अटैचमेंट, पैरा जंपिंग, ट्रेकिंग, फायरिंग, कमांडो ट्रेनिंग, एनआईसी, एटीसी, बीएलसी, एएलसी, पीडीसी आदि में भाग लेने के अलावा गणतंत्र दिवस परेड, पीएम रैली और थल सैनिक कैंप सहित प्रतिष्ठित शिविरों में भाग लिया; और प्रवेश और अन्य कार्यों सहित कॉलेज की दैनिक दिनचर्या की गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 2020.2021

लक्ष्मीबाई कॉलेज की उत्साही और मेहनती राष्ट्रीय कैडेट कोर विंग ने (एनसीसी) 2020-2021 में भी अपनी छाप छोड़ी और साथ ही साथ एसोसिएट एनसीसी अधिकारी के मार्गदर्शन में भी (कौशिक) सीमा शर्मा (.डॉ) लेफ्टिनेंट (एएनओ) COVID की घटना के बावजूद छाप छोड़ी -19. एसयूओ हर्षिता यादव, जेयूओ खुशबू शर्मा, जेयूओ चेतना सिंह और जेयूओ हीना के नेतृत्व में 160 कैडेटों की नामांकित संख्या ने पूरे वर्ष लगन से प्रदर्शन किया।

जेयूओसंजुल चौधरी ने करियप्पा परेड ग्राउंड, दिल्ली कैंट में प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस शिविर 2021 में भाग लिया। और आरडीसी पीएम रैली में ड्रिल का प्रदर्शन किया।

10 से 29 जनवरी, 2021 तकहमारे 12 कैडेटों ने दिल्ली कैंट के करियप्पा परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री की रैली के दौरान की गई सांस्कृतिक गतिविधियों की एक श्रृंखला में भाग लिया। कैडेट्स में सीपीएल रितु, सीपीएल चांदनी, सीपीएल साक्षी, एसजीटी प्रिया मिश्रा, सीडीटी रेखा, एलसीपीएल आशी, एलसीपीएल काजल, एलसीपीएल मोनिका, सीडीटी सावित्री, सीडीटी प्रिया कुमारी, सीडीटी अंकिता और सीडीटी शिवानी मिश्रा शामिल थीं।

हमारे छह कैडेट्स ने 18-31 जनवरी, 2021 तक राजपथ पर स्वच्छता अभियान में भाग लिया, जिसमें जेयूओ खुशबू शर्मा, सीएचएम सविता, सीपीएल प्रिया गर्ग, सीडीटी गरिमा अरोड़ा, सीडीटी ज्योति शक्ति पांडे और सीडीटी मीनू शामिल हैं।

ऑनलाइन मंच के माध्यम से आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर (ईबीएसबी) की एक श्रृंखला में, हमारे पांच कैडेटों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इन कैडेट्समें ईबीएसबी-1 में सीएचएम सविता)6 से 11 जुलाई 2020), ईबीएसबी-2 में एसजीटी कोमल पोरवाल)13 से 20 अगस्त, 2020), ईबीएसबी-3 में एलसीपीएल एकता और सीक्यूएचएम रेशु)21 से 26 सितंबर 2020), और ईबीएसबी-4 (5 से 10 नवंबर 2020) में एसयूओ हर्षिता यादव शामिल हैं। कॉलेज के एनसीसी और एनएसएस विंग ने संयुक्त रूप से 21 जून, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुश्री ईशा शर्मा के साथ प्रशिक्षक के रूप में स्वास्थ्य के लिए योग घर पर योग - एक व्यावहारिक सत्र का आयोजन किया, जिसमें एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों और शिक्षकों ने विभिन्न प्रदर्शन किए। प्रातः ७ के बीच योग ००:८ से ००: मुद्राएं और ध्यान, उसी दिन शाम के सत्र में योग के लाभों पर एक वेबिनार भी आयोजित किया गया, जिसमें श्री मनीष कुमार पिल्लई और सुश्री रश्मि वक्ता के रूप में और सुश्री शालिनी शर्मा (संयोजक)के रूप में थीं। उन्होंने प्रतिभागियों को व्यक्तिगत स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के बारे में बहुत धैर्य के साथ, सभी कैडेट्सकाध्यान शक्ति को पहचानने और मानसिकता को बदलने का सुझाव दिया। जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, एनसीसी कैडेटों ने 7डीजीबीएन के निर्देशों के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक जागरूकता के लिए पहल की। कैडेटों ने मास्क पहना और चल रहे कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए अपने हाथों को अच्छी तरह से साफ किया।

प्रदूषण विरोधी अभियान जिसमें सीडीटी नीतू, सीडीटी ज्योति, सीडीटी प्रियंका, सीडीटी सुमन, सीडीटी प्रियंका, एसजीटी प्रिया मिश्रा, सीडीटी शिवानी, सीपीएल रितु, जेयूओ खुशबू, सीपीएल चांदनी, एसजीटी पूनम और एसयूओ हर्षिता सहित

हमारे 12 कैडेट इन गति विधियों में शामिल थे। 11 नवंबर 2020 को अशोक विहार, स्वच्छ भारत ग्रीन इंडिया ड्राइव में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें हमारे कॉलेज के 20 कैडेटों ने 3 दिसंबर 2020 को वृक्षारोपण किया।हमारे कॉलेज के कैडेट्स ने 2 दिसंबर को कॉलेज के अंदर पेड़ लगाए।कचरे का पृथक्करण जिसके लिए २३ नवंबर और ११ दिसम्बर2021 तारीख को नुक्कड़ नाटक किया गया था।

दिसंबर 2020 में कॉलेज परिसर में कचरे के पृथक्करण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, कारगिल विजय दिवस जिसमें सशस्त्र बलों के सम्मान को चिह्नित करने के लिए 26 जुलाई, 2020 को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसी विषय पर पोस्टर बनाने की प्रक्रिया में कैडेट्स ने भी हिस्सा लिया। कैडेट्स ने भी फिट इंडिया आंदोलन में भाग लिया, आत्मानिर्भर भारत पर सुंदर पोस्टर बनाए और कविताएं आदि लिखीं। कोविड-19 के प्रकोप में, जब हर कोई महामारी के कारण पीड़ित था, हमारे कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने उस स्थिति में साहस किया और लोगों की मदद की। अपने घरों के आसपास के क्षेत्रों में अपने कपड़े दान करके-, मास्क बनाकर जरूरतमंदों को वितरित कर रहे हैं। हमारे कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने निजामुद्दीन औरपुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जाकर पल्स पोलियो अभियान में योगदान दिया। एनसीसी विंग ने 23 नवंबर, 2020 को गूगल मीट के माध्यम से प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें उन्हें 23 नवंबर 2020 को एनसीसी में शामिल होने के दायरे, उपलब्धियों और प्रक्रिया के बारे में बताया गया। कार्यक्रम को फेसबुक पर भी लाइव स्ट्रीम किया गया था। .

21 जून 2020 को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, एएनओ लेफ्टिनेंट सीमा शर्मा की देखरेख में 4 दिवसीय ऑनलाइन योग सत्र 18-21 जून 2021 को सुबह 07:00 बजे से 08:00 बजे तक आयोजित किया गया। वेबिनार का आयोजन गूगल मीट के जरिए किया गया। प्रत्येक कैडेट ने अपने अपने घरों में योग किया।- ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सीडीटी चैतन्य हांडा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, इसके बाद सीडीटी ऋतिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा तीन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। क्यूवी(Qui) प्रतियोगिता, शपथ ग्रहण और जिंगल कंपोजिशन के आयोजन में सभी कैडेटों ने भाग लिया और प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

ऑनलाइन ईबीएसबी कैंप आयोजित किया गया जिसमें निम्नलिखित कैडेटों, एलसीपीएल वर्तिका डबास, एलसीपीएल प्रिया रावत, एलसीपीएल प्रिया कुमारी और एलसीपीएल नेहा कुमारी ने भाग लिया। कैंप में सोलो डांस प्रतियोगिता में एलसीपीएल प्रिया कुमारी ने दूसरा स्थान हासिल किया।

23 मई 2021 को आयोजित श्री गुरु देव खालसा कॉलेज के वार्षिक उत्सव, विजयंत 21 में, सीडीटी नेहा कुमारी ने एकल गायन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी इवेंट में एलसीपीएल एकता ने सर्वश्रेष्ठ कैडेट प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया।

21 मई को लक्ष्मीबाई कॉलेज के कैडेटों ने अपनी वेबसाइट से आईजीओटी प्रशिक्षण, 2020_कोविड-19 एनसीसी कैडेट पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षण पूरा किया और पूरा होने का प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

सह पाठयक्रम सोसायटी

अतिरिक्तपाठ्यचर्या समाज को रचनात्मक ऊर्जा से स्पंदित करते हैं। इन क्षेत्रों में छात्रों के रचनात्मक कौशल के दोहन के लिए लक्ष्मीबाई कॉलेज के पास बहुत सक्रिय सह पाठयक्रम समितियां हैं।

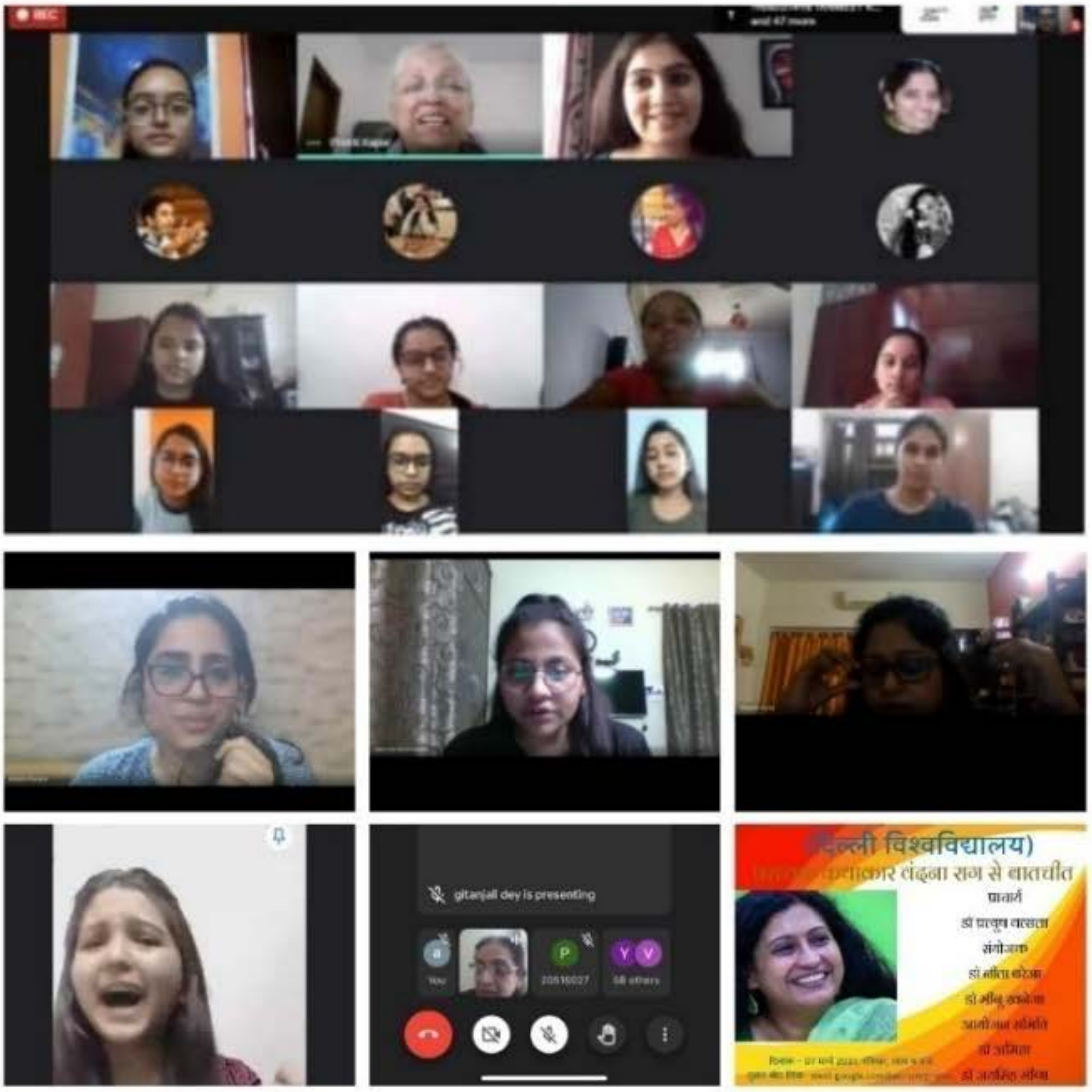

कॉलेज में विभिन्न समितियां हैं। उनमें से कुछ हैं:

स्वच्छ और हरित मिशन सोसायटी

स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रव्यापी अभियान है जो - या स्वच्छ भारत मिशन - स्वच्छता के लिए प्रयास करता है। महामारी के दौर में, लक्ष्मीबाई कॉलेज की क्लीन एंड ग्रीन सोसाइटी ने हमारे युवाओं को न केवल स्वच्छता के बारे में बल्कि पर्यावरण के क्षरण और इसकी स्थिरता के बारे में भी जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए। नवंबर, 2020 में एक इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया था

जिसमें स्वच्छ और हरित पर्यावरण के महत्व पर जागरूकताअभियान सत्र आयोजित किया गया था, और वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर छात्रों को पर्यावरण, और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए संवादसत्र भी आयोजित किया गया था। मार्च 2021 में, स्वच्छ और हरित मिशन सोसाइटी ने विषय पर "हरित भारत - स्वच्छ भारत" एकअंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें लोगो बनाना, स्लोगन लेखन, पोस्टर बनाना और अपशिष्ट सामग्री का पुनर्चक्रण शामिल (वीडियो) था, जिसमें छात्र हिंदू कॉलेज, कालिंदी कॉलेज, श्यामलाल कॉलेज, सत्यवती कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज, भारती कॉलेज, आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, इग्नू और सेंट जेवियर कॉलेज, जयपुर जैसे कई कॉलेजों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस सोसायटी की एक स्वयंसेवी टीम ने स्वतंत्र नगर, नरेला और दिल्ली में प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण पर एक सर्वेक्षण भी किया।टीम अभी भीअपने घर जाकर जागरूकता-अपने क्षेत्रों में घर-कार्यक्रम कर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है।

रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमिता सेल

ऐसे मंचों के बारे में छात्रों को एक अंतर्दृष्टि प्रदान करने के उद्देश्य से, कॉलेज के अधिकारियों द्वारा एक 'कॉमन ओरिएंटेशन सेशन' आयोजित किया गया था। युवाओं के बीच उद्यमिता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए उद्यमिता और उ"सके संचालन पर "15 जनवरी, 2021 को लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमिता प्रकोष्ठ द्वारा एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था। माननीयडॉएस लक्ष्मी देवी ., निदेशक, उद्यमिता और कैरियर उन्मुख कार्यक्रम, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ प्रत्यूष वत्सला, प्राचार्य,लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ अर्पिता मुखर्जी, प्रोफेसर,भारतीय अंतर्राष्ट्रीय संबंध अनुसंधान परिषद को सत्र के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। सेल ने 31 जनवरी को सेल के छात्रों के लिए 'क्रिएटप्रीनूर-ओ-' कार्यक्रम का आयोजन किया और 7 फरवरी 2021 को सुश्री गीतांजलि डीसीई), एमए अंग्रेजी द्वारा सुलेख पर एक कार्यशाला (आयोजित की। इसके बाद9 फरवरी को कॉलेज परिसर में कार्यशाला की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनियों का मूल्यांकन विशिष्ट न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा किया गया था। एसवाईसीओ(सृष्टि एंडयाशिका कॉपरेशन के साथ सृष्टि और याशिका को अपने (सभी उत्पादों के लिए ऑर्डर मिले। कुल मिलाकर, एसवाईसीओएस को 3 बैग, 2

कुशन और 1 पॉट के ऑर्डर मिले और 200 रुपये का मुनाफा हुआ। साथ ही महक मोंगा ने प्रदर्शनी में एक पेंटिंग बेचकर 400 रुपये का लाभ कमाया। अमेज़ॅन जैसे अंतर्राष्ट्रीय" पर कपड़ा और परिधान विज्ञान विभाग के "मंच पर एक कुशल विक्रेता कैसे बनें सहयोग से एक आकर्षक वेबिनार आयोजित किया गया था। इसका संचालन युवा और प्रतिभाशाली उद्यमी सुश्री राशी अग्रवाल द्वारा कियागया था, जिन्होंने अमेज़ॅन पर कई राखियां बेची हैं और लर्निफ़ के माध्यम से विभिन्न कला रूपों को पढ़ा रही हैं। 19 फरवरी 2021 को क्रिएटिविटी, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल द्वारा एक ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। ऑनलाइन "बिन ब्रश" प्रतियोगिता का विषय था :'लिमिटलेस'। श्री अर्निंद्य चौधरी, प्रेप जंक्शन द्वारा पर "रिज्यूमे बिल्डिंग"27 फरवरी 2021 को एक बहुत ही जानकारीपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन के पीछे मुख्य उद्देश्य छात्रों को सीवी बिल्डिंग के कौशल सीखने में मदद करना था। RENEVATIO 1.0 उद्यमिता शिखर सम्मेलन21, 13 और 14 मार्च,2021 को हुआ। श्री सौरभ जैन, पेटीएम के उपाध्यक्ष और फनटूडू लैब्स के संस्थापक, सुश्री श्रेयसी वालिया, एक आध्यात्मिक प्रभावक, सुश्री विदिशा बाल्यान, मिस डेफ वर्ल्ड जैसे वक्ताओं ने अच्छी उद्यमिता के मूल्य के बारे में बात की, ध्यान के माध्यम से हमारे जीवन को प्यार से जोड़ना। कठिनाई के किसी भी क्षण में हार न मानें। छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, बर्फ तोड़ने वाली पहेलियों, अस्पष्ट चुनौती, लोगो याद करने की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वक्ताविभिन्न क्षेत्रों से सम्बद्धथे। श्री साकेत कुमार, सहायक जीएम आरबीआई, श्री अमित बनर्जी, राज्य प्रमुख टाटा समूह, आरजे आदि, रेडियो सिटी 91.11 एफएम में रेडियो जॉकी, तन्मय, भारत की सबसे युवा स्टैंडअप कॉमेडियन-, सुश्री रिधिमा अरोड़ा, नम्या फूड्स स्पीकर में जागरूक पूंजीपति टेडएक्स में, श्री आकाश सेठी, स्टार्टअप कम्युनिटी इंजीलिस्ट, श्री दक्ष भल्ला, मार्केटिंग और ब्रांडिंग कोच और टेडएक्स स्पीकर और श्री अविनाश टीकू, आर्ट ऑफ लिर्विंग में इंटरनेशनल फैकल्टी ने इस कार्यक्रमकी शोभा बढ़ाई।

विकलांगों के लिए सक्षम इकाई

महाविद्यालय की सक्षम इकाई वर्ष भर महाविद्यालय के दिव्यांग छात्रों को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करती है। प्रवेश प्रक्रिया 2020 के दौरान, काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन हेल्पडेस्क बनाया गया और विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए आने वाले सभी विकलांग छात्रों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

भारत में दृष्टिबाधित छात्रों की आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाने के लिए काम करने वाले चेन्नई स्थित एक गैर सरकारी संगठन हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन जैसे (एचटीबीएफ) / सरकारी संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्ति-सरकारी और गैर फैलोशिप के लिए आवेदन करने के लिए निर्देशित किया गया था। द्वितीय और तृतीय वर्ष के दृष्टिबाधित छात्रों को भी छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन भरने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की गई। नयेप्रवेशदृष्टिबाधित छात्रों को उनकी शैक्षणिक प्रगति में सुधार करने के लिए विशेष सॉफ्टवेयर)'JAWS', 'NVDA', 'SAFA') सक्षम लैपटॉप जारी किए गए। इंटरनेट सुविधा के साथ डिजिटल रिकॉर्ड प्लेयर)SAKSHAMEVO E-10), विशेष रूप से दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए डिज़ाइन किए गए, छात्रों को उनकी शैक्षणिक खोज में मदद करने के लिए सक्षम इकाई द्वारा खरीदे गए थे। सक्षम की मदद से 18 फरवरी 2021 को कॉलेज की सक्षम इकाई द्वारा छात्रों को ईवो ई10 डेज़ी प्लेयर के उपयोग को समझने में मदद करने के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

साहित्यिक और प्रकाशन समिति

साहित्यिक और प्रकाशन समिति का उद्देश्य छात्रों के साहित्यिक कौशल को बढ़ाना, उनमें छिपी प्रतिभा को उजागर करना और विभिन्न प्रकार के माध्यम से विचार की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करने वाले विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का संचालन करना है। हमने २६ फरवरी, २०२१ को अंग्रेजी माध्यम में एक अंतर कॉलेज-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। बहस का विषय सोशल मीडिया के युग-वाद कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय, डॉधर्मेंद्र सिंह ., सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, लाजपत राय कॉलेज गाजियाबाद और ऐशानी खुराना, सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, लक्ष्मीबाई कॉलेज। साथ ही हमने सोशल मीडिया" को 2021 फरवरी 27 और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताविषय पर हिंदी में " अंतर महाविद्यालयी वाद विवाद-प्रतियोगिता का आयोजन किया। कहानी लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें हमारी बड़ी भागीदारी थी। इसके अलावा, हमने को प्रख्यात 2021 मार्च 7 लेखक वंदना राग के साथ बातचीत का आयोजन किया जिसमें उन्होंने लेखन प्रक्रिया के बारे में बात की और लेखक और भाषा के परिष्कार के बारे में बताया। इसके अलावा, समिति लक्ष्मीबाई कॉलेज की वार्षिक पत्रिका प्रकाशित "वार्षिक रिपोर्ट" और "ज्योति"

करने के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है, जिसमें छात्रों, शिक्षकों की उपलब्धियों और पूरे वर्ष कॉलेज में की गई महत्वपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है।

पुस्तकालय समिति

चूंकि फरवरी 16, तक छात्रों के लिए पुस्तकालय की पुस्तकों का 2021वितरणऔर वापसी चालू नहीं थी, महामारी की स्थिति में अनिवार्य प्रतिबंधों और तौर तरीकों- का पालनकरने के कारणएकसमिति बनाकर सभी छात्रों को फोटोकॉपी अध्ययन सामग्री वितरित करने का प्रावधान किया। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों से उनके माता पिता की आय के आवश्यक प्रमाणों के साथ डेटा प्राप्त करने के- लिए एकगूगलफॉर्म साझा किया गया ताकि इन सामग्रियों को उनके बीच मुफ्त में वितरित किया जा सके। जिन बाहरी छात्रों को सामग्री की आवश्यकता थी, उन्हें डाक द्वारा आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। पुस्तकालय का फाइन बॉक्स कई वर्षों के बाद खोला गया और एकत्र की गई राशि बैंक में जमा कर दी गई। पुस्तकालय में एक नया डिजिटल फाइन कलेक्टिंग सिस्टम शुरू किया गया था। पुस्तकालय के कामकाज को बढ़ाने के लिए मार्च 8, को सभी पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए 2021 पुस्तकालय में कोहा सॉफ्टवेयर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

संगीत और नृत्य समाज

इस शैक्षणिक वर्ष में संगीत विभाग और संबंधित समाज के छात्रों ने महामारी की स्थिति के बावजूद कॉलेज की गतिविधियों में ऑनलाइन मोड में उत्साहपूर्वक भाग लिया है। यह स्वतंत्रता दिवस 2020 से शुरू हुआ। इस राष्ट्रीय उत्सव में छात्रों ने ऑनलाइन मोड में अपने प्रदर्शन को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। अक्टूबर में, संगीत विभाग और संगीत समाज के छात्रों ने गांधी जयंती मनाने के लिए भाग लिया। नवंबर माह में ऑनलाइन मोड में फ्रेशर्स के ओरिएंटेशन डे के अवसर पर छात्रों ने भरतनाट्यम और सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। जनवरी और फरवरी 2021 के महीने में छात्रों ने गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति गीत और नृत्य जैसी अपनी प्रस्तुतियां दीं; शहीद दिवस पर भजन संध्या और अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस पर मिले सुर मेरा तुम्हारा। इतिका जैन ने जेडीएमसी, डीयू द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज लाइट म्यूजिक एकल गायन प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया और

उन्होंने इंटर कॉलेज शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता में भी भाग लिया और न्यायाधीशों द्वारा सराहना के साथ सम्मानित किया गया। मार्च माह में संगीत विभाग ने पंजाबी विभाग के सहयोग से इंटर क्लास लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया और हल्की संगीत प्रतियोगिता भी आयोजित की जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

लक्ष्मीबाई कॉलेज की नाट्य सोसायटी : नवरंग

2020-2021 सत्र की शुरुआत हमारी टीम को ओरिएंटेशन पर पेश करने से हुई, जहां हमने पिछले साल के स्ट्रीट प्रोडक्शन को 'वेल डन' और स्टेज प्रोडक्शन 'रक्त पुष्प' को ऑनलाइन मोड के माध्यम से दिखाया है। हमने जेस्ट'21, सोच'21, कारवां'21, कृतिवा, हकुना मताता, अहोमोरा'21, सृजनिका'21, तरंगना'21 जैसी ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। हमने गांधी स्टडी सर्कल के लिए गांधी जयंती समारोह के लिए एक वीडियो के माध्यम से एक छोटा प्रदर्शन भी बनाया। श्री रत्नाकर कुमार ने एक रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया जिसका लाभ हमारे समाज और महाविद्यालय के छात्रों को मिला।

पंजाबी साहित्यिक और सांस्कृतिक समाज

लक्ष्मीबाई कॉलेज का पंजाबी विभाग छात्रों की समग्र बेहतरी और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे समाज ने एक इंटरक्लास कविता पाठ-, और अंतर महाविद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। मार्च में पंजाबी विभाग ने संगीत विभाग के सहयोग से एक इंटरक्लास लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया और 12 मार्च 2021 को पर डॉ बलजीत सिंह रैना द्वारा एक "पंजाबी नाटक और रंगमंच" अकादमिक व्याख्यान भी आयोजित किया। डिजिटल इंडिया पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मैत्रेयी कॉलेज ने टीमों को बुलाया था। हमारे कॉलेज के दो छात्रों ने द्वितीय पुरस्कार जीता। (तमन्ना पाल और तन्नु)

दिव्यांगों के लिए 'सक्षम' इकाई

लक्ष्मीबाई कॉलेज की 'सक्षम' इकाई दिव्यांग छात्राओं को विशेष रूप से सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करती है। प्रवेश प्रक्रिया 2020 के दौरान, काउंसलिंग के लिए 'ऑनलाइन हेल्पडेस्क' बनाया गया था और विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए आने वाले सभी दिव्यांग छात्रों को आवश्यक मार्ग दर्शन प्रदान किया गया था। कॉलेज की 'सक्षम' इकाई द्वारा भारत में दृष्टिबाधित छात्रों की आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाने के लिए काम करने वाले चेन्नई स्थित एक गैर सरकारी संगठन 'हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन (एच.टी.बी. एफ.)' जैसे सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्ति / फेलोशिप के लिए नव प्रवेशित हुए छात्रों को आवेदन करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही द्वितीय और तृतीय वर्ष के दृष्टिबाधित छात्रों को भी छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की गई। नव प्रवेशित दृष्टिबाधित छात्रों को उनकी शैक्षणिक प्रगति में सुधार लाने के लिए विशेष सॉफ्टवेयर ('जावा', 'नाडा', 'साफा') सक्षम लैपटॉप जारी किए गए। इंटरनेट सुविधा के साथ डिजिटल रिकॉर्ड प्लेयर (सक्षम ईवो ई–10) विशेष रूप से दृष्टिबाधित छात्रों के लिए डिज़ाइन किए गए और छात्रों को उनकी शैक्षणिक खोज में मदद करने के लिए 'सक्षम' इकाई द्वारा खरीदे गए थे। 18 फरवरी 2021 को कॉलेज की 'सक्षम' इकाई द्वारा छात्रों को ईवो ई–10 डेज़ी प्लेयर के उपयोग को समझने में मदद करने के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था।

साहित्य और प्रकाशन समिति

इस समिति का उद्देश्य छात्रों के साहित्यिक कौशल को बढ़ाना, उनमें छिपी प्रतिभा को प्रकाश में लाना और विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करना है। यह समिति विभिन्न कला रूपों के माध्यम से विचार की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस समिति ने 26 फरवरी, 2021 को अंग्रेजी

माध्यम में एक अंर्तमहाविालय वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। वाद–विवाद का विषय 'सोशल मीडिया के युग में निजता का अधिकार' था दर्जनों प्रतिभागियों ने इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका में निर्णय शायरी दत्ता (सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, सुरेंद्रनाथ कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय), डॉ. धर्मेंद्र सिंह (सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, लाजपत राय कॉलेज गाजियाबाद) और ऐशानी खुराना (सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, लक्ष्मीबाई कॉलेज) थे। साथ ही हमने 27 फरवरी 2021 को "सोशल मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता" विषय पर हिंदी में अर्न्तमहाविालय वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। 'कहानी लेखन' प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें छात्राओं की भागीदारी थी। इसके अलावा, हमने 7 मार्च 2021 को प्रख्यात लेखक वंदना राग के साथ बातचीत का आयोजन किया जिसमें उन्होंने लेखन प्रक्रिया के बारे में बात की और साथ ही उन्होंने लेखकीय भाषा के परिष्कार के बारे में बताया। इसके अलावा यह समिति लक्ष्मीबाई कॉलेज की वार्षिक पत्रिका "ज्योति" और "वार्षिक रिपोर्ट" प्रकाशित करती हैं जिसमें जिसमें छात्रों और शिक्षकों की उपलब्धियों और पूरे वर्ष कॉलेज की महत्वपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला जाता है।

पुस्तकालय समिति

'कोविड' महामारी की स्थिति में अनिवार्य प्रतिबंधों और उससे जुडत्रे नियमों का पालन करने के कारण 16 फरवरी 2021 तक छात्रों के लिए पुस्तकालय की पुस्तकों का निर्गमन और वापसी की सुविधा नहीं थी, तब पुस्तकालय समिति ने एक अध्ययन सामग्री डेस्क बनाकर सभी छात्रों को अध्ययन सामग्री की फोटोकॉपी वितरित करने का प्रावधान किया। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों से उनके माता–पिता की आय के आवश्यक प्रमाणों के साथ डेटा प्राप्त करने के लिए एक गूगल फॉर्म साझा किया गया ताकि इन सामग्रियों को उनके बीच मुफ्त में वितरित किया जा सके। जिन बाहरी छात्रों को सामग्री की

आवश्यकता थी, उन्हें डाक द्वारा आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। पुस्तकालय की 'ललित पेटी' कई वर्षों के बाद खोली गई और एकत्र की गई राशि बैंक में जमा कर दी गई। पुस्तकालय में एक नया 'डिजिटल फाइन कलेक्टिंग सिस्टम' शुरू किया गया जिसमें पुस्तकालय के कामकाज को बढ़ाने के लिए 8 मार्च, 2021 को सभी पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए पुस्तकालय में कोहा सॉफ्टवेयर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संगीत और नृत्य सोसाइटी

इस शैक्षणिक वर्ष में संगीत विभाग और संबंधित सोसाइटी के छात्रों ने कोविड महामारी की स्थिति के बावजूद कॉलेज की गतिविधियों में ऑनलाइन माध्यमों से उत्साहपूर्वक भाग लिया। सोसाइटी द्वारा ऑनलाइन माध्यम की यह प्रक्रिया स्वतंत्रता दिवस 2020 के अवसर पर शुरू हुई। इस राष्ट्रीय उत्सव में छात्रों ने ऑनलाइन माध्यमों से अपने प्रदर्शन को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। अक्टूबर में संगीत विभाग और संगीत सोसाइटी के छात्रों ने गांधी जयंती मनाने के लिए ऑनलाइन माध्यम का उपयोग किया। नवंबर में ऑनलाइन माध्यम से फ्रेशर्स के ओरिएंटेशन डे के अवसर पर छात्रों ने भरतनाट्यम और सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। जनवरी और फरवरी 2021 में छात्रों ने गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति गीत और नृत्य जैसी अपनी प्रस्तुतियां दीं। शहीद दिवस पर भजन संध्या और अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस पर मिले सुर मेरा तुम्हारा आदि। प्रस्तुतियाँ भ्सी ऑनलाइन ही हुई। कॉलेज की छात्रा इतिका जैन ने जेडीएमसी, डीयू द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज लाइट म्यूजिक एकल गायन प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया और उन्होंने इंटर कॉलेज शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता में भी भाग लिया और सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित भी की गई। मार्च में संगीत विभाग ने पंजाबी विभाग के सहयोग से अंतर्कक्षा लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया साथ ही संगीत प्रतियोगिता भी आयोजित की जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

नाट्य सोसाइटी 'नवरंग'

2020–2021 सत्र की 'ओरिएंटेशन डे' पर 'नवरंग' नाट्य सोसायटी ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया। पिछले साल के स्ट्रीट प्रोडक्शन को 'वेल डन' और स्टेज प्रोडक्शन 'रक्त पुष्प' को ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रस्तुत किया है। हमने जेस्ट'21, सोच'21, कारवां'21, कृतिवा, हकुना माता, अहोमोरा'21, सृजनिका'21, तरंगना'21 जैसी ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। हमने 'गांधी स्टडी सर्कल' के लिए गांधी जयंती समारोह के के उपलब्ध्य में वीडियो के माध्यम से एक प्रदर्शन किया। श्रीमान अंग्रेजी विभाग के सहायह प्राध्यापक रत्नाकर कुमार द्वारा हमारी सोसाइटी के लिए एक रंगमंच कार्यशाला आयोजित करने का अवसर मिला।

पंजाबी साहित्यिक और सांस्कृतिक सोसाइटी

लक्ष्मीबाई कॉलेज का पंजाबी विभाग छात्रों की समग्र बेहतरी और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सोसाइटी ने एक अंर्तकक्षा कविता पाठ और अंतर्महाविद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। 12 मार्च 2021 को पंजाबी विभाग ने संगीत विभाग के सहयोग से एक अंतर्कक्षा लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसका विषय "पंजाबी नाटक और रंगमंच" था। डॉ. बलजीत सिंह रैना का एक अकादमिक व्याख्यान भी आयोजित किया गया। मैत्रेयी कॉलेज द्वारा आयोजित डिजिटल इंडिया पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में हमारी टीम ने भाग लिया, जिसमें हमारे कॉलेज की दो छात्राओं (तमन्ना पाल और तन्नु) ने द्वितीय पुरस्कार जीता। छात्रों ने मल्क भागोब्रिगेड द्वारा ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता "शहीद भाई तारू दे 300साल शताब्दी" में भी भाग लिया और सिरोमणि अकाली दल के द्वारा प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। साथ ही हमारी छात्रों ने गांधी जयंती पर भी एक शब्द प्रस्तुत किया।

संस्कृत साहित्य

संस्कृति विभाग की सोसायटी द्वारा सांस्कृति साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वस्तुतः प्रथम वर्ष के छात्राओं के लिए 18 नवम्बर 2020 को विभागीय अभिविन्यास आयोजित किया गया था। 19 फरवरी 2021 को एक अंतर्कक्षा 'श्लोकवृत्ति प्रतियोगिता' आयोजित की गई थी। हमारा विभाग 'भारतीय संस्कृति और संस्कृत' पर एक कार्यशाला आयोजित करने की भी योजना बना रहा है। इसके अलावा, हमारे छात्रों ने 'प्रश्न मंच', 'श्लोकवृत्ति', 'भाषण', 'चित्रकर्म' आदि कई अंतर–महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लिया। शिक्षक और छात्र उत्साहपूर्वक सोसाइटी और कॉलेज के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। .

गांधी स्टडी सर्कल

2 अक्टूबर 2020 को गांधी जयंती समारोह का ऑनलाइन मोड में आयोजन किया गया। गांधी जी की 151वीं जयंती पर समारोह की शुरुआत गांधी जी उनके प्रिय भजन 'वैष्णव जन' के साथ हुई। प्राचार्य डॉ. प्रत्यूष वत्सला ने कहा कि छात्रों को गांधीजी के आदर्शों और सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। फिर बाइबिल, कुरान, भगवद् गीता और श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पाठों के साथ प्रार्थना सभा हुई। कॉलेज की नाट्य सोसाइटी 'नवरंग' ने गांधी जी के विचारों पर एक लघु फिल्म प्रस्तुत की। इसके अलावा, 30 जनवरी 2021 को 'शहादत दिवस' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे कॉलेज की कई छात्राओं द्वारा एक भजन सभा का आयोजन किया गया।

विवेकानंद स्टडी सर्कल

विवेकानंद स्टडी सर्कल ने शैक्षणिक वर्ष 2020–21 के दौरान स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास जारी रखा है। सोसाइटी ने 26 नवंबर 2020 को छात्र प्रेरण (इंडक्शन प्रोग्राम) कार्यक्रम के

रूप में अपने उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन करके सत्र की शुरुआत की। प्रथम वर्ष के लिए पूरे छात्रों को कुछ पिछले आयोजनों की जानकारी प्रदान करने के साथ–साथ सोसाइटी के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों में बहुत उत्साह रहा और वर्ष के लिए आयोजित होने वाले गतिविधियों की पूरी श्रृंखला से अवगत होने पर विवेकानंद स्टडी सर्कल के तहत काम करने के इच्छुक छात्रों के 100 से अधिक पंजीकरण भी हुए।

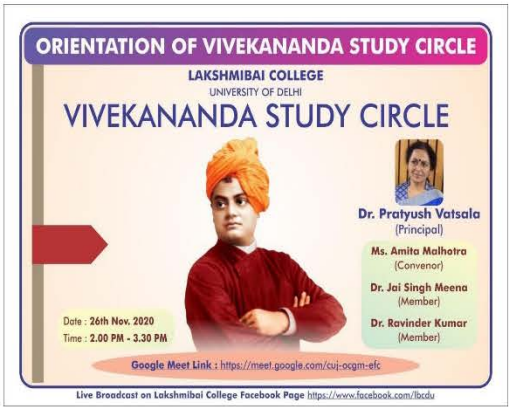

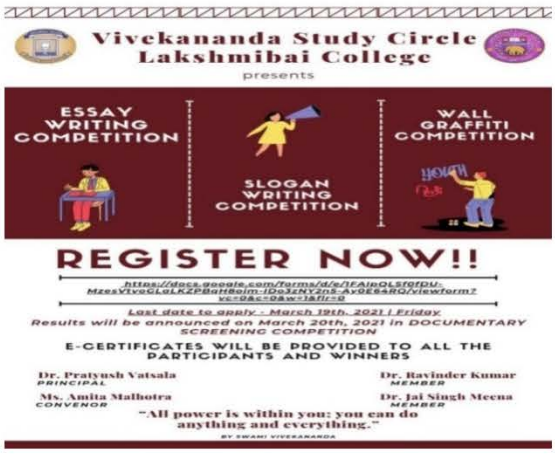

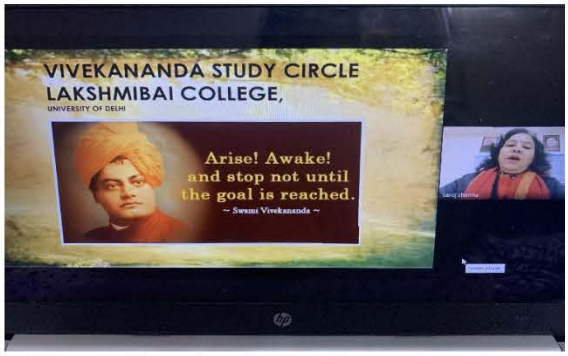

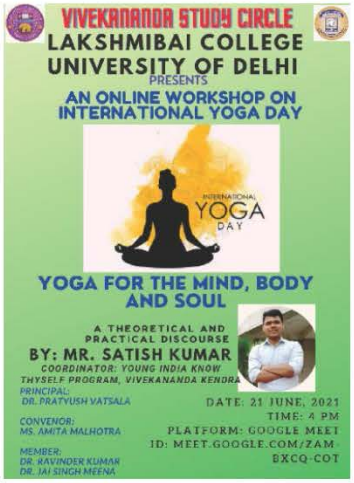

अध्ययन मंडल ने 12 जनवरी 2021 को डॉ. अनंत वी. पालीवाल (अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली) को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित कर स्वामी विवेकानंद की 158वीं जयंती मनाई, जिन्होंने "युवा प्रेरणा और विवेकानंद" विषय पर व्याख्यान देकर हमारे कॉलेज के छात्रों को प्रेरित किया।

प्रो. सरोज शर्मा (अध्यक्ष, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा) ने मुख्य अतिथि के रूप में ऑनलाइन कार्यक्रम में सम्मिलित होकरयुवाओं के बीच स्वामी जी के दर्शन का प्रसार करर सार्थ प्रयास किया। सोसाइटी ने इस दौरान मार्च 2021 के दूसरे और तीसरे सप्ताह में छात्रों के लिए निबंध लेखन, नारा लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की। सोसाइटी ने आने वाले महीने में स्वामी विवेकानंद के जीवन पर फिल्म दिखाने की भी योजना बनाई है ताकि छात्रों को उनके जीवन और शिक्षाओं से परिचित कराया जा सके।

योजना के अनुसार विवेकानंद स्टडी सर्कल ने महामारी के दौरान भी युवा छात्रों को प्रेरित करने का प्रयास जारी रखा और 15 मार्च 2021 से 19 मार्च 2021 तक ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रतियोगिताओं के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गईं:

1. नारा लेखन (अंग्रेजी और हिंदी) विषयः युवा और नैतिक मूल्य।

2. निबंध लेखन (अंग्रेजी और हिंदी) विषयः स्वामी जी की शिक्षाओं के माध्यम से "तनाव प्रबंधन और आध्यात्मिक सन्दर्भ में शिक्षा निति";

3. वृत्तचित्र समीक्षा और भित्तिचित्र प्रतियोगिता

इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों ने अपनी रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। 20 मार्च 2021 को परिणाम घोषित किए गए।

उन छात्रों के लिए एक वृत्तचित्र की समीक्षा करने का अनूठा अनुभव था। छात्राओं ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र का आनंद लिया। इन आयोजनों में भाग लेने वालों को को ई–सर्टिफिकेट भी दिए गए।

विवेकानंद स्टडी सर्कल ने 21 जून 2021 को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया, जिसके तहत छात्रों और संकाय सदस्यों को व्याख्यान के अलावा व्यावहारिक अनुभव दिया गया। श्री सतीश (को–ऑर्डिनेटर, यंग इंडिया क्नोव थीसेल्फ प्रोग्राम, सदस्य विवेकानंद केंद्र, दिल्ली) ने योग आसनों पर अपने प्रवचन और अभ्यास से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस सत्र का विषय "मन, शरीर और आत्मा के लिए योग" था।

महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) और लिंग संवेदीकरण समिति

इस समिति द्वारा किए गए कुछ कार्यक्रमों का विवरण : 27 जनवरी 2021 को 'नेशनल एसोसिएशन फॉर रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ ऑफ इंडिया'

(NARCHI) दिल्ली राज्य शाखा के सहयोग से "युवा महिलाओं में सामान्य स्त्री रोग संबंधी समस्याओं के बारे में युवा–सृजन जागरूकता व सशक्तिकरण" विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया था । इस वेबिनार में लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल और मौलाना आज़ाद अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर सम्मिलित हुए। समिति ने महामारी के दौरान अपरिहार्य आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए छात्रों को ऑनलाइन माध्यम सीखने की प्रक्रिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए समक्ष बनाया। समिति ने कॉलेज के छात्राओं के लिए एक आईसीटी आधारित कार्यशाला 14 से 18 सितंबर 2020 तक "डिजिटल लर्निंग के नए प्रतिमान" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यशाला एनईपी (N.E.P) 2020 की दृष्टि के अनुरूप थी। जिसमें डॉ. अंजू दहिया, श्री अरुण कुमार, डॉ राहुल चिरमुरकर, श्री राकेश कुमार, सुश्री नूपुर सोनी, सुश्री उपासना गग्गट, श्री कृष्ण कांत आदि सहयोगी प्राध्यापक सम्मिलित हुए सभी प्रउएध्यापकों ने कार्यक्रम के संचालन के लिए संयोजक और सोसाइटी के सदस्यों के साथ समन्वय किया।

'विंग्स' – लक्ष्मीबाई कॉलेज का प्लेसमेंट सेलः यह इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और सहकर्मी परामर्श गतिविधियों से संबंधित सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए एक जीवंत मंच है। यह सेल क्षमता निर्माण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में विभिन्न सेमिनार, कार्यशालाएं और सहकर्मी परामर्श सत्र आयोजित करता है ताकि छात्रों को व्यावसायिक जगत की चुनौतियों का सामना करने में मदद करने के लिए आवश्यक कौशल के साथ सशक्त बनाया जा सके। यह छात्रों के लिए प्लेसमेंट और इंटर्नशिप के अवसरों के बारे में जानकारी देने हेतु एक सक्रिय सूत्रधार की भूमिका निभाता है। 'विंग्स' कॉलेज में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है और कार्यक्रमों के आयोजन और प्रसार में सोशल मीडिया का भी उपयोग करता है। "विंग्स" का एक फेसबुक पेज, एक इंस्टाग्राम अकाउंट है जिसके 1000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। 500 फॉलोअर्स के साथ इसका लिंक्डइन अकाउंट भी है।

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षणिक सत्र 2020–21 बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। फिर भी सेल ने इस अवधि के दौरान सक्रिय रूप से काम किया और अप्रैल–जून, 2020 में कई गतिविधियों का आयोजन किया। 19 अप्रैल, 2020 को काउल के सहयोग से सीवी राइटिंग पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। आयोजित श्री महेश पोद्दार (संसद सदस्य) और अध्यक्ष मिकी वायर समूह ने 3 मई, 2020 को 'एसएमई पर कोविड –19 के प्रभाव: अवसर और चुनौतियां विषय पर एक व्याख्यान दिया। प्लेसमेंट सेल ने 'कोविड क्राइसिस के दौरान क्या करें' विषय पर एक और वेबिनार का आयोजन किया। 14 मई 2020 को 'अपने कैरियर को गति दें' कैसे विषय पर श्री सौरभ मित्तल (सीईओ और पैशनली क्यूरियस के संस्थापक) ने व्याख्यान दिया। 27 नवंबर 2020 को, कॉलेज के AEPIC (अकादमिक और पाठ्येतर योजना और कार्यान्वयन समिति) के तत्वावधान में नए नवआगंतुक छात्रों के लिए "विंग्स" द्वारा ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया था, 13 फरवरी, 2021 को 'विंग्स' 'द्वारा एक संयुक्त वेबिनार आयोजित किया गया था। इम्पेटस– द सोसाइटी फॉर बिजनेस इकोनॉमिक्स ऑन 'स्पेक्ट्रम– सॉफ्ट स्किल्स की अनिवार्यता' विषय पर आयोजित वेबिनार में सुश्री रीनू गुप्ता, वरिष्ठ विश्लेषक– जीटीएस (यूरोप), आईबीएम ने प्रस्तुति और संचार कौशल पर

एक व्याख्यान दिया। प्लेसमेंट सेल को इस साल एचआर, मार्केटिंग, डेवलपर, डिजाइनर, एडिटर, रिसर्च, सेल्स, मैनेजमेंट, कंटेंट राइटिंग आदि जैसे विभिन्न प्रोफाइलों में लगभग 53 इंटर्नशिप ऑफर मिले। इनमें में एआईईएसईसी, व्हाइटहैट जेआर, लीडो लर्निंग, सोशियो लैब्स, स्किल जैसी कंपनियां शामिल हैं। एरिना, डब्ल्यूएनजी कंसल्टिंग–डिबेट, उन्नति, वेदिका स्कॉलर, ग्रेपवाइन कंपनी और भी बहुत कुछ। इसके अलावा, लगभग 25 कंपनियों ने भर्ती प्रस्तावों के साथ प्लेसमेंट सेल से सम्पर्क किया और कई छात्रों ने ऐसे प्रस्तावों के लिए स्वयं को पंजीकृत किया। 2020–21 में, 90 छात्रों को इंटर्नशिप के लिए चुना गया और 18 छात्रों को करियर डोज, लीडो लर्निंग, प्लैनेट स्पार्क, चेग इंडिया, लर्निंग शाला, ट्रैवलिंग और जेनपैक्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों से प्लेसमेंट ऑफर मिले।

प्लेसमेंट सेल ने 20 जून से 28 जून, 2020 की अवधि के दौरान विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों जैसे कोर्सेला, कॉग्निटिव क्लास, इडीएक्स, इनसाइड शेरपा और कई अन्य पाठ्यक्रमों से छात्रों को परिचित कराने के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र 'एशिफाई ऐड' आयोजित किया। सहकर्मी परामर्श सत्र 15 मई से 2 जून, 2020 तक 'लर्निंग लिंक्डइन', 'गूगल फॉर्म' और 'एक्सेल टूल्स' से संबंधित विषयों पर वीडियो के माध्यम से आयोजित किया गया। विंग्स के पिछले तीन उपाध्यक्षों द्वारा वीडियो तैयार किए गए थे– आस्था विग (लर्निंग लिंक्डइन), प्रिया राठौर (गूगल फॉर्म्स) और रिद्धि चौहान (बेसिक एक्सेल टूल्स)। फरवरी 2021 में आस्था विग (अध्यक्ष) और कृतिका अरोड़ा (सचिव) द्वारा इंटर्नशिप, सीवी बिल्डिग और लिंक्डइन गाइडेंस से संबंधित विषयों पर सहकर्मी परामर्श वीडियो बनाए गए और प्लेसमेंट सेल के इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड किए गए। प्लेसमेंट सेल ने 6–7 मार्च 2021 के दौरान अपने वार्षिक 'इंटर–कॉलेज इंटर्नशिप फेयर– इंटर्न–ओ–विंग्स 2.0' को ऑनलाइन आयोजित किया। मेले में लगभग 38 कंपनियों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 718 छात्राओं ने पंजीकरण कराया। कम्पनियों ने कई छात्राओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किया। कंपनियों में

ज़ोमैटो फीडिंग इंडिया, सिरोना, शेयरखान, प्रिस्टिन केयर, आई मंत्रा, प्रेप जंक्शन, क्यू मैथ और अन्य शामिल हैं। इंटर्नशिप मेले का उद्घाटन कॉलेज की उपप्राचार्य डॉ. अनीता मल्होत्रा ने किया। यह कार्यक्रम उद्योग क्षेत्र के तीन वक्ताओं, एम कोमल आहूजा, सुश्री नीरू मोंगा और सुश्री नेहा नागर के साथ–साथ शुरू हुआ। सुश्री कोमल आहूजा एक स्वतंत्र लेखक और कॉपीराइटर हैं, जो करियर के विकास, अवसरों और फ्रीलांस लेखक और कॉपी राइटिंग से संबंधित चुनौतियों पर व्याख्यान देती हैं। सुश्री नेहा नागर टैक्सेशन हेल्प की सीईओ और सह–संस्थापक हैं। उन्होंने व्यक्तिगत वित्त और कर संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। सुश्री नीरू मोंगा मानव संसाधन विशेषज्ञ हैं और वर्तमान में 'डेलॉइट' में काम कर रही हैं। उन्होंने सीवी बिल्डिंग, सॉफ्ट स्किल्स और इंटरव्यू हैंडलिंग स्किल्स पर व्याख्यान दिया। गूगल मीट के साथ–साथ फेसबुक लाइव के माध्यम से भी बड़ी संख्या में छात्रों ने सत्र में भाग लिया। प्लेसमेंट सेल की टीम के साथ 7 मार्च को इंटर्नशिप के अवसरों और अन्य संबंधित मुद्दों के बारे छात्रों का एक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया था।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

कॉलेज का आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ट अन्य प्रकोष्टों के साथ मिलकर संस्थान की बेहतरी के लिए काम करता है। कॉरोना महामारी और लॉकडाउन द्वारा आवश्यक ऑनलाइन कक्षाओं के प्रभावी संचालन की सुविधा के लिए, गूगल क्लासरूम, जी सूट और अन्य संबंधित एलएमएस पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। IQAC ने गूगल मीट के माध्यम से 4 से 8 अगस्त, 2020 तक 'कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम टू लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' पर पांच दिवसीय 'फैकल्टी डेवलपमेंट वर्कशॉप' (12 घंटे की अवधि) का आयोजन किया। प्रो. डॉ अवनीश मित्तल (इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, दिल्ली विश्वविद्यालय) मुख्य वक्ता रहे। अट्ठाईस संकाय सदस्यों ने ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया। ज्ञान साझा करने और हैंडहोल्डिंग के उद्देश्य

से, IQAC ने गूगल मीट के माध्यम से 11 अगस्त से 21 अगस्त 2020 तक सभी संकाय सदस्यों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम "पीयर लर्निंग ग्रुप" (18 घंटे की अवधि) शुरू किया। IQAC ने 8 मई 2020 को दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के साथ "घरेलू हिंसाः एक प्रच्छन्न महामारी" पर 13 मई 2020 को और "महिलाओं के लिए साइबर सुरक्षा" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। 14 मई, 2020 को प्रथम सत्र में "नौकरी और करियर असुरक्षा" का आयोजन किया। और दूसरे सत्र में "छात्राओं के लिए चिंता और तनाव प्रबंधन", का आयोजन किया गया। IQAC ने दिल्ली विश्वविद्यालय मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक ग्रेडिंग के साथ पदोन्नति प्रक्रिया के तहत स्क्रीनिंग और अग्रेषित करके विभिन्न चरणों के संदर्भ में बताया। हमने प्रोन्नति के लिए फॉर्म भरने में संकाय सदस्यों की सहायता के लिए 31 जुलाई को "पदोन्नति के विकल्प" पर एक वेबिनार आयोजित किया। वक्ताओं में डॉ. आभा देव हबीब (सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, मिरांडा हाउस) और डॉ. विजया वेंकटरमन (एसोसिएट प्रोफेसर, स्पेनिश विभाग जर्मनिक और रोमांस अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय) शामिल हुए। अब तक लगभग 80 शिक्षकों को सीएएस 2018 / विभिन्न अन्य पदोन्नति योजनाओं के अनुसार सफलतापूर्वक पदोन्नत किया गया है। वर्ष 2020–21 में आईक्यूएसी की बैठकें 2020–21 में निर्धारित नैक पीयर टीम की यात्रा की तैयारी पर केंद्रित हैं।

एपिक रिपोर्ट

विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी का प्रसार करने के लिए 1 जून 2020 को 'ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण' पर आई–मेड के साथ संयुक्त रूप से लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक प्रासंगिक वेबिनार– "आपके करियर के लिए एक कदम" का आयोजन किया गया था। इस वेबिनार का उद्देश्य करियर की संभावनाओं को मजबूत करने की दिशा में आगे कैसे बढ़ें यह बताना था। श्री सूर्य प्रताप सिंह (उपाध्यक्ष, ईवीसी वेंचर्स)

और श्री आशीष सिंह (उपाध्यक्ष, एशिया प्रशांत, आई–मेड) वेबिनार के वक्ता थे। श्री आशीष सिंह ने छात्रों को कॉर्पोरेट क्षेत्र के तकनीकी और गैर–तकनीकी दोनों पहलुओं को समझने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। श्री सूर्य प्रताप ने परियोजना प्रबंधन के मूल सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित किया और बताया कि कैसे प्रत्येक परियोजना को पूर्ण निष्पादन के लिए प्रशासित करने की आवश्यकता है।

ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग और इसके संरक्षण की तत्काल आवश्यकता के बारे में युवाओं में जागरूकता फैलाने के लिए लक्ष्मीबाई कॉलेज द्वारा एक ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर महाविद्यालय में ई–कचरा विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुतीकरण और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शेयर बाजार के बारे में किसी के कौशल को बढ़ाने के लिए उपलब्ध संसाधनों के बारे में ज्ञान का प्रसार करने के लिए, बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) के सहयोग से लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'स्टॉक मार्केट और निवेश बाजार' से संबंधित प्रमाणन पाठ्यक्रम' पर एक सूचनात्मक वेबिनार आयोजित किया गया था। 4 अगस्त 2020 को डॉ. पुलक बी ने सामान्य रूप से स्टॉक मार्केट के संबंध में में एक सूचित अंतर्दृष्टि प्रदान की और शेयर बाजार में निवेश कैसे व्यक्तियों के लिए जीवन बदलने वाला अनुभव हो सकता है के बारे में बताया। वेबिनार के वक्ता सीए श्री सचिन अग्रवाल थे, जिन्होंने बीएसई पाठ्यक्रमों के महत्व पर ध्यान दिया और बताया कि ये पाठ्यक्रम छात्रों के कौशल–समूह में कैसे जुड़ सकते हैं। इसके अलावा, आधुनिक समय में वैदिक गणित के मूल्य को ध्यान में रखते हुए, एपिक ने 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' नई दिल्ली के सहयोग से 2 सितंबर 2020 को वैदिक गणित पर एक वेबिनार का आयोजन किया। श्री राकेश भाटिया (वैदिक गणित के राष्ट्रीय समन्वयक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली) इस सत्र के मुख्य वक्ता थे। वेबिनार 'वैदिक गणित में एक अंतर्दृष्टि' को शिक्षकों और छात्राओं में काफी लोकप्रियता मिली जिसके परिणामस्वरूप 'शिक्षा संस्कृति

उत्थान न्यास', नई दिल्ली के सहयोग से वैदिक गणित में एक पूर्ण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया गया। अंतर्राष्ट्रीय संकाय प्रो. नंदिता गोयल ने डॉ. राकेश भाटिया के साथ रविवार, 10 जनवरी 2021, शाम 7 बजे "वैदिक गणित की शक्तिः हमारे प्राचीन ज्ञान को अनलॉक करना" नामक एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। इसके अलावा, 8 सितंबर, 2020 को "उभरते करियर पर विशेष ध्यान के साथ व्यक्तित्व विकास और परामर्श कार्यक्रम" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर प्रख्यात पृथ्वी वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और पर्यावरण संरक्षक श्री शिव के सिद्धार्थ आमंत्रित वक्ता थे। श्रीमती अनुष्का श्रीवास्तव ने इस कार्यक्रम के लिए कलाकारों के समूह का प्रतिनिधित्व किया। डॉ. सुचेता गाबा द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया और सभा को वक्ता के बहुमुखी शैक्षिक प्रोफाइल से परिचित कराया गया। वार्ता की शुरुआत 'सीखने' के अर्थ पर विस्तृत जोर देने के साथ की गई थी, जिसमें कहा गया था कि यह एक तरल प्रक्रिया है जहाँ कोई भी शिक्षण की प्रक्रिया के दौरान भी सीखता रहता है। एपिक ने 16–17 अक्टूबर 2020 को "एक्सेल के साथ काम करना (उन्नत मॉड्यूल)" पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों के विश्लेषणात्मक कौशल में सुधार करना और उन्हें एक्सेल की विभिन्न उपयोगी विशेषताओं का पता लगाने में मदद करना था। कार्यशाला का संचालन श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के डॉ. भारतीय भाषा मंडल तिवारी ने किया। एपिक की पटल पर डॉ. राहुल चिमुरकर (सहायक प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग) द्वारा किया गया था भारतीय भाषा मंडल द्वारा 5 फरवरी 2021 को डॉ. कुमुद शर्मा (प्रोफेसर हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) की उपस्थिति में वेबिनार आयोजित किया गया। मशीन लर्निंग पर सर्टिफिकेट कोर्स एपिक के तत्वावधान में शुरू की गई एक नई पहल एपिक द्वारा 'आप कमाना' सीखें योजना भी शुरू की गई है। 'यंग रिसर्चर्स फोरम' (YRF) को ऐसे समय में लॉन्च किया गया था जब दुनिया के बाकी हिस्सों के साथ–साथ अकादमिक प्रयास भी इस महामारी से प्रभावित दुनिया में संकट का सामना कर रहा था।

टीम वाईआरएफ को डॉ ममता प्रधान, (रिसर्च कोलैबोरेटर, इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट) पर गर्व है, जिन्होंने ग्रहणशील शिक्षार्थियों को प्रस्ताव दिया कि छात्रों के लिए क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए एक "गहन शक्ति" के रूप में शोध को लागू किया जा सकता है। उसके लिए एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण स्थापित करना। वेबिनार की इस श्रृंखला में एक और, "द एक्ट ऑफ रिसर्चः एन इंट्रोडक्शन" में प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्रा (पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र) शामिल हुए। वाईआरएफ का सौभाग्य है कि डॉ. शैलेंद्र कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) कॉलेज पुस्तकालय के वाचनालय में एक वार्ता के लिए सम्मिलित हुए। इस वार्ता को गूगल मीट प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस– 21 फरवरी 2021 को लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'मातृभाषा दिवस' ऑनलाइन माध्यमों द्वारा मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के एपिक के तत्वाधान में भारतीय भाषा मंडल द्वारा किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस समारोह के अवसर पर मुख्य व्याख्यान प्रख्यात अतिथि राजदूत अखिलेश मिश्रा (अतिरिक्त सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा दिया गया। उन्होंने मातृ भाषाओं को बढ़ावा देने के महत्व और आवश्यकता पर जोर दिया। जरूरतमंद और छात्रों को ऑनलाइन माध्यमों द्वारा अध्ययन जारी रखने में सहायता करने के लिए, टीम एपिक ने सामग्री अपलोडिंग और लैपटॉप वितरण का कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया। पाठ्य सामग्री अपलोडिंग और लैपटॉप वितरण 3 चरणों में प्रारंभ हुआ– राउंड 1, राउंड 2 और राउंड 3.कुल मिलाकर, लैपटॉप वितरण के लिए 466 गूगल फॉर्म आवेदनों की जांच की गई और जिनमें 243 आवेदकों को 500/– रुपये के मामूली किराये का भुगतान करने के बाद लैपटॉप जारी किया गया। इसके अलावा, एपिक ने हारमोनियम/कीबोर्ड/पियानो में सर्टिफिकेट कोर्स की शुरुआत की। इस पाठ्यक्रम के प्रशिक्षक श्री विनय कुमार मिश्रा हैं, जो संगीत और ललित कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर रहे

हैं। उन्होंने वाराणसी में उस्ताद मेहताब खान के संरक्षण में हारमोनियम में 15 से अधिक वर्षों का कठोर प्रशिक्षण और सबसे सम्मानित पंडित अप्पा साहेब जलगांवकर से हारमोनियम में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। एपिक ने अपनी नई पहल (जो अभी प्रारंभिक स्थिति में है) 'सर्टिफिकेट कोर्स इन ट्रांसलेशन' शुरू किया है। यह पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है और 'भारतीय अनुवाद परिषद' के सहयोग से शुरू किए जाने की प्रक्रिया में है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य अंग्रेजी से हिंदी और इसके विपरीत अनुवाद पढ़ाना है। यह कोर्स विद्यार्थियों को कई अलग–अलग क्षेत्रों में रोजगार पाने में मदद करता है।

कॉलेज ने एक 'ज्ञान प्रबंधन प्रकोष्ठ' शुरू करने का प्रस्ताव किया है जिसके माध्यम से अपने छात्रों को इंटर्नशिप विकल्प देना चाहता है। हम कंप्यूटर के बुनियादी तकनीकी ज्ञान और उनके कुछ सामान्य अनुप्रयोगों के साथ अपने छात्रों के लिए कई पदों को उपलब्ध कराने का इरादा रखते हैं। हम उसी के लिए इंटर्नशिप का प्रमाण पत्र प्रदान करने का इरादा रखते हैं। कॉलेज ने सभी छात्रों को एक गूगल फॉर्म भेजा ताकि वे इस अवसर के लिए आवेदन कर सकें। कुल 199 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। चयन प्रक्रिया में आवेदकों का साक्षात्कार शामिल है, जिसे हम शीघ्र शुरू ही करने का इरादा रखते हैं। छात्रों को मशीन लर्निंग की बुनियादी अवधारणाओं और तकनीकों से परिचित कराने के लिए एक ऐड–ऑन कोर्स प्रस्तावित किया गया। दुर्भाग्य से, पाठ्यक्रम भी जारी नहीं हो सका है, क्योंकि आवश्यक संख्या में पंजीकरण प्राप्त नहीं हो सके हैं। नवआंगतुक स्नातक छात्रों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम 20 से 28 नवंबर 2020 तक आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में छात्राओं का औपचारिक रूप से स्वागत किया गया और परिसर व विश्वविद्यालय की संस्कृति से परिचित कराया गया। यह एक सप्ताह तक चलने वाला कार्यक्रम था, जिसमें कॉलेज की सभी सोसायटी ने छात्रों को उनके संबंधित लक्ष्यों से परिचित कराया और बताया कि उन्हें छात्रों को क्या देना है। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को संस्थान के

लोकाचार और संस्कृति से परिचित कराना था। विभिन्न विषयों के संकाय और छात्र स्वयंसेवकों ने यह सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर परिश्रम किया कार्यक्रम व्यवस्थित हो। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कॉलेज ने 'मेंटर–मेंटी प्रोग्राम' शुरू किया है। प्रति सप्ताह 2 मेंटर–मेंटी सत्र होते हैं, एक बुधवार को (पांचवीं अवधि 1–2 बजे) और दूसरा शुक्रवार को (चौथी अवधि 12 –1 बजे)। इस कार्यक्रम की परिकल्पना शिक्षकों और छात्रों को एक वैकल्पिक और अधिक अनौपचारिक मंच पर मिलने की अनुमति देने के लिए की गई है। – एक अंतःविषय मूक (MOOC) का विकास और विद्या विस्तार योजना में भागीदारी। AEPIC टीम शैक्षणिक और पाठ्येतर योजना और संस्था के हित में चल रही और नई पहलों के कार्यान्वयन के लिए सामूहिक रूप से कड़ी मेहनत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रॉक्टोरियल बोर्ड और छात्र संघ

कॉलेज में अनुशासन बनाए रखने की जिम्मेदारी प्रॉक्टोरियल बोर्ड को सौंपी गई है। कोरोना संकट के दौरान अधिकांश कार्यक्रम/गतिविधियां वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित की गईं। 25 नवंबर 2020 को आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान हमने प्रथम वर्ष के छात्रों का स्वागत किया गया। छात्रों को कॉलेज में अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न नियमों और विनियमों से परिचित कराया गया। 19 नवंबर 2020 को रानी लक्ष्मी बाई की जयंती मनाई गई। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों (9 जनवरी, 14 जनवरी, 12 फरवरी 2021) के लिए बोर्ड के सदस्य और छात्र संघ के सदस्य लैपटॉप वितरण के तीनों दौर में शामिल थे। छात्र संघ के सदस्य आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्र के वंचित बच्चों को पढ़ाने के लिए तिमारपुर जाते थे। और 10 जनवरी 2021 को प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ कम्यून का आयोजन किया गया।

ओआईसी

ओ.आई.सी ने बी.ए/बी.कॉम के छात्रों से जेनेरिक इलेक्टिव (GE) विकल्प एकत्र करने के लिए गूगल फॉर्म साझा करके आगामी सत्र के लिए काम शुरू किया।एक विशेष प्रयास के रूप में, प्रत्येक बी.ए/बी.कॉम प्रोग्राम छात्र को एक गूगल फॉर्म प्रदान किया गया था जिसमें छात्रों के विवरण जैसे रोल नंबर, नाम और अनुशासन भरना था। गूगल फॉर्म को सरल बनाया था जिससे डेटा संग्रह करते समय त्रुटियां कम से कम हों। इसके अलावा, पाठ्यक्रम के विशिष्ट फॉर्म दूसरे वर्ष के ऑनर्स के छात्रों के साथ साझा किए गए ताकि आगामी सत्रों के लिए जीई विकल्पों के लिए उनकी प्राथमिकताएं एकत्र की जा सकें। इस प्रक्रिया के दौरान, ओआईसी ने नियमित रूप से निगरानी की और चर्चा और विचार–विमर्श के लिए 'कार्यभार समिति' और 'समय–सारणी समिति' के साथ सामान्य वैकल्पिक (जीई) विषयों के आंकड़े साझा किए। कक्षाएं शुरू होने से पहले जीई और एसईसी (SEC) पेपर के लिए विषयवार छात्राओं के आंकड़े विभाग प्रभारी के साथ साझा किया गया था। इसके अलावा, जीई विषयों के लिए गूगलक्लास रूम की एक सूची ऑनर्स और प्रोग्राम के छात्रों के साथ साझा की गई थी, और विभाग प्रभारी के सहयोग से यह सुनिश्चित किया गया था कि सभी छात्र ऑनलाइन कक्षाओं के लिए जीई विषय शिक्षकों से जुड़ें। प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से, ओआईसी टीम ने एक प्रदत्त गूगल शीट में नव प्रवेशित छात्रों के आंकड़े को जोड़ने, अपडेट करने और साझा करने का कार्य किया। इस प्रकार ओआईसी ने पाठ्यक्रम विशिष्ट विकल्प फॉर्म तैयार किए, जो प्रत्येक बी.ए. (ऑनर्स) और बी.ए.(प्रो.) पाठ्यक्रम को प्रदत्त हैं।

'डिजिटल पहल' समिति की रिपोर्ट

'डिजिटल पहल' समिति ने वर्षों से स्थापित उच्च सेवा वितरण मानकों को बनाए रखा है। इसके द्वारा हम, लक्ष्मीबाई कॉलेज में, सभी हितधारकों को डिजिटल समाधान प्रदान करके कोरोना महामारी नई जरूरतों मांगों के लिए

शीघ्रता से अनुकूलित हुए। बुनियादी ढांचे के विकास के अंतर्गत कॉलेज द्वारा की गई नई पहल, कॉलेज की वेबसाइट पर प्रत्येक विभाग को अपनी गतिविधियों, उपलब्धियों और आगामी कार्यक्रमों को प्रदर्शित करने के लिए अलग–अलग वेब स्पेस आवंटित करके नए वेब पृष्ठों को जोड़कर वेबसाइट को एक नया स्वरूप प्रदान किया गया। हम एपिक के साथ जरूरतमंद छात्रों को लैपटॉप के वितरण से जुड़े होने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। इसके अलावा, मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से, हम छात्र– समुदाय के समक्ष आने वाले मनोवैज्ञानिक मुद्दों के समाधान के लिए एक वर्चुअल हेल्पलाइन नंबर प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं। एपीएआर और पीबीएएस फॉर्म की डिजिटल फाइलिंग के लिए एक इन–हाउस वेब पोर्टल विकसित करने के लिए भी तीव्र गति से काम शुरू किया गया है जो संकाय सदस्यों की अत्यधिक सहायता करेगा।

अनुसंधान समिति की रिपोर्ट, 2020–2021

लक्ष्मीबाई कॉलेज की अनुसंधान समिति ने शैक्षणिक सत्र 2020–21 में दो वेबिनार का आयोजन कियाः 20 जनवरी 2021 को डॉ. पारुल कुमार (एमएआईएमएस, आईपी विश्वविद्यालय) द्वारा " शोध पत्र लेखन वजर्नल चयन" और 10 फरवरी 2021 को डॉ. नमिता राजपूत (पूर्व प्राचार्य, श्री अरबिंदो कॉलेज–सायं) द्वारा छात्रों व संकाय सदस्यों के बीच अनुसंधान के वर्तमान रुझानों के बारे में अनुसंधान अभिविन्यास और ज्ञान विकसित करने के लिए "अनुसंधान और अनुसंधान परियोजनाओं की मूल बातें" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया।

महिला और कानूनी साक्षरता

कोविड –19 महामारी के दौरान, दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (डी.एस.एल.एस.ए.) ने लक्ष्मीबाई कॉलेज के छात्राओं के लिए भारत में संविधान के क्षेत्रों, भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली, साइबर कानून, महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानून, एक ऑनलाइन ऐड–ऑन पाठ्यक्रम का आयोजन किया। छात्राओं

के लिए पुलिस स्टेशन का वर्चुअल टूर, संविदात्मक दायित्व और किराया कानून, बच्चों के अधिकार, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न, सूचना का अधिकार एसी और डी.एस.एल.एस.ए./डी.एल.एस.ए. और जिला न्यायालय का वर्चुअल आदि कार्यक्रम ओयाजित किए गए। इस कार्यक्रम में डॉ. अलका हरनेजा और डॉ. संगीता शर्मा के समन्वय से 100 छात्रों ने 22 सितंबर 2020 से 22 अक्टूबर 2020 तक इसमें भाग लिया। सत्र 2019–2020 के लिए 27 अक्टूबर 2020 को समापन समारोह आयोजित किया गया था। पिछले बैच (2019–2020) के लिए कोर्ट विजिट भी वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया था। किसी भी आपात स्थिति में छात्रों को अन्य प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 1516 से अवगत कराया गया। समापन सत्र के दौरान तीन गणमान्य व्यक्ति सदस्य सचिवः श्री कंवल जीत अरोड़ा जी, अतिरिक्त सचिवः सुश्री नमृता अग्रवाल और विशेष सचिवः श्री गौतम मनन उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रिपोर्ट

लक्ष्मीबाई कॉलेज की एन.एस.एस इकाई ने 8 मार्च, 2021 को गूगल मीट के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों की मेजबानी करके 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया। 'रेड डॉट' परियोजना के स्वयंसेवकों ने महिलाओं के लिए मासिक धर्म के दौरान स्वास्थ्य पर चर्चा की, सवाल–जवाब सत्र, पोस्टर मेकिंग, समूह चर्चा आदि के माध्यम से मासिक धर्म के बारे में मिथकों और वर्जनाओं को तोड़ा। भले ही कोविड–19 महामारी प्रतिबंधों के कारण ऑनलाइन मोड में कार्यक्रम हुए हों– फिर भी छात्राओं उत्साह कम नहीं हो सका। बैठक में हमारे अतिथि वक्ता श्रीमती तृप्ति सोमानी (चार्टर्ड एकाउंटेंट और एक टेडएक्स वक्ता) और डॉ. रेणु पाठक (डी डीएचए, मातृ एवं बाल कल्याण विभाग, उत्तरी दिल्ली नगर निगम) द्वारा वार्ता और चर्चा से सत्र की शोभा बढ़ाई गई। सक्रिय परियोजना के तहत स्वयंसेवकों की भागीदारी– संपूर्ण विकास, जिन्होंने कविता लेखन, पोस्टर बनाने, गायन आदि के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

यूथ रेड क्रॉस सोसायटी

'यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी' इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के माध्यम से इंटरनेशनल रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट मूवमेंट का हिस्सा है। यह मानव जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा करने, सभी मनुष्यों के लिए सम्मान सुनिश्चित करने और मानव पीड़ा को रोकने और कम करने के लिए एक स्वैच्छिक आंदोलन है। यह युवाओं के बीच आपसी समझ, सहयोग, दोस्ती और स्थायी शांति के मूल्यों को विकसित करता है। यूथ रेड क्रॉस कॉलेज के भीतर आयोजित एक सामूहिक गतिविधि है। लक्ष्मीबाई कॉलेज की 'यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी' एक मानवीय प्रयास है जो कॉलेज के प्राचार्य, संकाय सदस्यों और छात्रों द्वारा किया जाता है। इस सोसायटी की सह–संयोजक डॉ जूही सिंह और सुश्री रश्मिता बेहरा हैं। शैक्षणिक वर्ष 2020–21 में, हम 22 मार्च 2021 को कॉलेज परिसर में छात्रों के लिए एक दिवसीय जीवन रक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सक्षम हुए। इस कार्यक्रम के सहयोगी व्यक्ति जेके शर्मा (सहायक आयुक्त, सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, नई दिल्ली) रहे।उन्होंने छात्रों को आपात स्थिति से निपटने के लिए कई जीवन रक्षक तकनीकों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में 37 छात्राओं ने पूरे उत्साह

के साथ भाग लिया और कार्यक्रम के प्रति उनकी प्रतिक्रिया बेहद सकारात्मक रही।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

लक्ष्मीबाई कॉलेज, यह अनूठी पहल 4 वर्षों से सफलतापूर्वक चल रही है। इस परियोजना में, स्वयंसेवक छात्र महिलाओं और बच्चों के लिए शिक्षा और स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कार्य करते हैं। महामारी के दौरान, हमारा प्रोजेक्ट ऑनलाइन काम कर रहा था और अब स्थिति कुछ ठीक हुई है तो हमने वज़ीरपुर गाँव में काम फिर से शुरू किया। इस साल टीम ने इस परियोजना को तिमारपुर गांव, सराय रोहिल्ला, बागीची और दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में भी विस्तारित किया है। इन क्षेत्रों के बच्चों को पढ़ाने और शिक्षित करने के अलावा, वजीरपुर गांव में उनके लिए कक्षा व्याख्यान भी आयोजित की जाती है। 'खेल खेल में पढ़ना सिखो' इन बच्चों को सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों के बारे में अधिक जागरूक बनने में मदद करता है। छात्रों के लिए ललित कला कक्षाओं की भी व्यवस्था की जाती है। हर साल योग, शारीरिक शिक्षा, आत्मरक्षा प्रशिक्षण और नृत्य कक्षाएं आयोजित की जाती हैं। हमारे स्वयंसेवक विभिन्न तरीकों से अपने कौशल में सुधार करने की कोशिश करते हैं जैसे कि ललित कला कक्षाएं और क्षेत्र की लड़कियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करना आदि। इस वर्ष, हमने वजीरपुर गांव के बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। स्वयंसेवकों में से एक ने शारीरिक शिक्षा प्रदान की जिसमें छात्रों को योग और आत्मरक्षा से सम्बंधित प्रशिक्षण शामिल था। छात्रों के लिए नृत्य कक्षाएं भी आयोजित की गईं। कक्षाएं आमतौर पर प्रार्थना के साथ समाप्त होती हैं। जब भी समय मिलता है, हमारी प्राचार्य मैम डॉ. प्रत्यूष वत्सला और कॉलेज के अन्य संकाय सदस्य इन क्षेत्रों का दौरा करते है और उनके साथ अपना बहुमूल्य ज्ञान साझा करते हैं।

20 जुलाई 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी 18 वर्ष से ऊपर के कर्मचारियों, परिवारों और छात्रों के लिए मुफ्त वॉक–इन टीकाकरण अभियान

शुरू किया गया था, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के 18+ आयु वर्ग के कर्मचारी सोमवार से शनिवार (सुबह 9:30 बजे – शाम 4 बजे।) तक टीकाकरण करा सकते थे। एनसीसी और एनएसएस की छात्राओं ने टीकाकरण के लिए स्वेच्छा से काम किया।

कोविड केयर सेंटर की शुरुआत 29 अप्रैल 2021 से कॉलेज की एनएसएस इकाई की संयोजक स्वर्गीय डॉ. संगीता शर्मा की स्मृति में की गई थी। यह 100 बिस्तरों के साथ शुरू किया गया था, कोविड के हल्के लक्षणों के साथ 90 और उससे अधिक ऑक्सीजन स्तर वाले और 70 वर्ष से कम आयु के रोगियों के लिए प्रवेश की व्यवस्था थी।

एक शैक्षणिक संस्थान के अलावा हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है। हमने लॉकडाउन के दौरान लक्ष्मीबाई कॉलेज के पास जेजे कॉलोनी वजीरपुर में 50–60 भूखे लोगों को खाना खिलाने की पहल की। इसमें बड़ी संख्या में साथियों ने योगदान दिया। विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों से इसमें भाग लेने के अनुरोध करने से पहले ही कुछ संकाय सदस्यों ने प्रधानमंत्री राहत कोष में योगदान दिया।

एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ, एनसीसी कैडेटों ने प्रदूषण विरोधी अभियान, स्वच्छ भारत, हरित भारत अभियान, वृक्षारोपण, कारगिल विजय दिवस, फिट इंडिया आंदोलन, आत्मनिर्भर भारत, कपड़ा दान और मास्क वितरण और पल्स पोलियो अभियान सहित विभिन्न गतिविधियों में भी भाग लिया।

पुरस्कार

शैक्षणिक सत्र के अंत में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में अकादमिक प्रदर्शन के आधार पर छात्रों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

शैक्षणिक पुरस्कार

कॉलेज निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान करता है–

- द्वितीय और तृतीय वर्ष के सभी विषयों में ऑनर्स/प्रोग्राम के टॉपर।
- द्वितीय और तृतीय वर्ष के बी.ए.(प्रोग्राम) में व्यक्तिगत विषयों के टॉपर।
- तृतीय वर्ष में डिसिजिन पाठ्यक्रम में सभी विषयों के टॉपर।
- द्वितीय और तृतीय वर्ष के बी.कॉम (प्रोग्राम) में व्यक्तिगत विषयों के टॉपर।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम में एम.ए. (प्रथम वर्ष) के टॉपर।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम में एम.ए. (अंतिम वर्ष) के टॉपर।

संस्थागत और प्रायोजित पुरस्कार

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए भिन्न गणमान्य व्यक्तियों द्वारा कई पुरस्कार और ट्राफियां स्थापित की गई हैं। ये नीचे सूचीबद्ध हैं:

- वर्ष के सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए मिस सी. के. कौसुकुट्टी और सुश्री जे. कौशिक पुरस्कार
- सर्वश्रेष्ठ ऑल–राउंड स्पोर्ट्स वुमन के लिए श्री दीपक फुकन रनिंग ट्रॉफी
- ऑल राउंड बेस्ट स्टूडेंट रनर–अप के लिए सुश्री गोरोवारा पुरस्कार
- छात्र के लिए श्रीमती पद्मा रस्तोगी रनिंग ट्रॉफी प्रमाणपत्र। खेल और शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ
- मिस सी. के. कौसुकुट्टी और सुश्री जे कौशिक पुरस्कार बी.ए. (ऑनर्स) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए।
- मिस सी. के. कौसुकुट्टी पुरस्कार बी.ए. (प्रोग्राम) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- ललित कला में सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए बृहस्पति स्मृति पुरस्कार।
- संस्कृत में सर्वश्रेष्ठ प्रयास के लिए एस. एल पासी मेमोरियल पुरस्कार

- श्री ललित नारायण सक्सेना स्मृति पुरस्कार संस्कृत में सर्वश्रेष्ठ वादक के लिए
- श्री ललित नारायण सक्सेना स्मृति पुरस्कार संस्कृत में सर्वश्रेष्ठ पाठक के लिए
- श्रीमती फूलवती सक्सेना स्मृति पुरस्कारः तृतीय वर्ष खाद्य प्रौद्योगिकी के सर्वांगीण सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए
- श्रीमती फूलवती सक्सेना स्मृति पुरस्कारः संगीत विभाग में तृतीय वर्ष में सर्वांगीण सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए
- डॉ. (श्रीमती) आर. झा स्मृति पुरस्कारः महिला विकास कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए
- श्री जयपाल और श्रीमती कमल अहलूवालिया स्मृति पुरस्कारः (ए) हिंदी वाद–विवाद (बी) हिंदी नाटक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए।
- श्रीमती राधा रानी स्मृति पुरस्कारः खाद्य प्रौद्योगिकी में सर्वाधिक उद्यमी छात्र के लिए
- श्रीमती शकुंतला देवी स्मृति पुरस्कारः परिधान डिजाइन और निर्माण में सबसे उद्यमी छात्र के लिए
- श्री जयपाल और श्रीमती कमल अहलूवालिया स्मृति पुरस्कार' खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए
- प्रो. राम कुमार मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी इंटर–क्लास वन एक्ट प्ले प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ खेल के लिए
- श्री बसंत लाल भूटानी स्मृति पुरस्कारः अंग्रेजी में ऑन द स्पॉट निबंध लेखन प्रतियोगिता के लिए
- श्रीमती कलावती भूटानी स्मृति पुरस्कारः संस्कृत में मंत्र–अंताक्षरी प्रतियोगिता के लिए

- डॉ. (श्रीमती) रमा झा स्मृति पुरस्कारः (दो पुरस्कार) रचनात्मक लेखन के लिए
- श्रीमती राज दुलारी स्मृति पुरस्कारः एम.ए. (फाइनल) संस्कृत में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- श्रीमती कौशल्या भारद्वाज स्मृति पुरस्कारः अंग्रेजी (ऑनर्स) प्रथम और द्वितीय वर्ष के संयुक्त परिणाम में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- श्रीमती माया देवी स्मृति पुरस्कारः अंग्रेजी (ऑनर्स) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- प्रो. राम कुमार स्मृति पुरस्कार अंग्रेजी बी.ए. (प्रोग्राम) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- बी.ए. (प्रोग्राम) में इतिहास में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए डॉ.बी.आर. खनिजो मेमोरियल और अकादमिक पुरस्कार
- बी.ए. (प्रोग्रम) राजनीति विज्ञान में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए प्रो. राम कुमार स्मृति पुरस्कार
- कार्यालय प्रबंधन और सचिवीय अभ्यास में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए श्री आर. एल बनर्जी स्मृति पुरस्कार
- बी. कॉम (प्रोग्राम) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए श्री डी.पी. गांगुली स्मृति पुरस्कार
- खाद्य प्रौद्योगिकी में बी.ए. (प्रोग्राम) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए श्रीमती निशा रानी देवी स्मृति पुरस्कार
- श्री सी. डी. अरोड़ा स्मृति पुरस्कार बी.ए. (प्रोग्राम) परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- राजनीति विज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष (प्रथम और द्वितीय वर्ष के संयुक्त परिणाम) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए प्रो. टी. आर. विज स्मृति पुरस्कार

- बी.ए. (प्रोग्राम) (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष) में बिजनेस डाटा प्रोसेसिंग में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए श्रीमती सत्या देवी मेमोरियल पुरस्कार
- श्री बांके बिहारी भटनागर स्मृति पुरस्कार बी.ए. (ऑनर्स) प्रथम वर्ष हिंदी में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- श्री करतार सिंह ग्रोवर स्मृति पुरस्कार बी.ए. (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष पंजाबी बी में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- श्रीमती जसवंत कौर ग्रोवर मेमोरियल पुरस्कार बी.ए. (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष पंजाबी ए में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- इतिहास (ऑनर्स) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए डॉ. बी. आर. खनिजो मेमोरियल और अकादमिक पुरस्कार
- डॉ. (श्रीमती) आर. झा मेमोरियल पुरस्कार फॉर बेस्ट ऑल राउंड एकेडमिक परफॉर्मेंस फॉर बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष के लिए
- डॉ. (श्रीमती) आर. झा मेमोरियल अवार्ड अंग्रेजी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए
- पं. कुंदन लाल चतुर्वेदी पुरस्कार बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी तृतीय वर्ष में सर्वश्रेष्ठ अंक प्रापत करने के लिए
- श्रीमती उषा जैन स्मृति पुरस्कार बी.ए. (प्रोग्राम) (प्रथम और द्वितीय वर्ष के संयुक्त परिणाम) में खाद्य प्रौद्योगिकी में उच्चतम अंक के लिए
- श्रीमती स्वर्ण अरोड़ा स्मृति पुरस्कार बी.ए. (ऑनर्स।) तृतीय वर्ष अर्थशास्त्र में सर्वोच्च अंक के लिए
- प्रोफेसर ललित के. भूटानी मेमोरियल पुरस्कार इतिहास (ऑनर्स) प्रथम वर्ष में सर्वोच्च अंक के लिए
- डॉ. सोहन लाल गुलाटी स्मृति पुरस्कार इतिहास (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च अंक के लिए

- श्रीमती कौशल्या गुलाटी स्मृति पुरस्कार इतिहास (ऑनर्स) तृतीय वर्ष में सर्वोच्च अंक के लिए।
- श्रीमती प्रभावती स्मृति पुरस्कार बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र के पेपर –1 (तर्क) में उच्चतम अंकों के लिए
- श्री वी.के. चतुर्वेदी स्मृति पुरस्कार बी.ए. (प्रोग्राम) हिंदी तृतीय वर्ष में सर्वोच्च अंक के लिए।
- श्री आर. आर. अग्रवाल स्मृति पुरस्कार बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च अंक के लिए
- श्री हरबंस लाल बंसल स्मृति पुरस्कार बी.कॉम (ऑनर्स) में सर्वोच्च अंक के लिए
- श्रीमती सत्या देवी बंसल स्मृति पुरस्कार बी.कॉम (प्रोग्राम) प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष में संयुक्त रूप से उच्चतम अंकों के लिए
- श्री सी.बी. गुप्ता मेमोरियल पुरस्कार बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के पेपर XIII, 'आयकर' में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- श्रीमती कलावती मित्तल स्मृति पुरस्कार बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष में सर्वोच्च अंक के लिए।
- श्री प्रेम के. सेठ स्मृति पुरस्कार बी.ए. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए।
- श्री यू.एस. भटनागर मेमोरियल पुरस्कार बी.कॉम (ऑनर्स) 'कॉर्पोरेट अकाउंटिंग' के पेपर (VIII) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- श्रीमती सावित्री लयाल स्मृति पुरस्कार ऑल राउंड बेस्ट स्टूडेंट रनर अप के लिए
- श्रीमती लक्ष्मीबाई गोरावारा स्मृति पुरस्कार हिंदी (ऑनर्स) प्रथम वर्ष में सर्वोच्च अंक के लिए।

- बी. एस. जैन मेमोरियल पुरस्कार बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष में माइक्रो इकोनॉमिक्स के लिए।
- श्री एम. आर. जैन और श्रीमती नागिनी देवी जैन स्मृति पुरस्कार संरक्षण की गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ भागीदारी के लिए।
- प्रो. जे. एल. जैन और श्रीमती चांदतारी जैन मेमोरियल स्कॉलरशिप।
- सरला शर्मा पुरस्कार नाटक में उत्कृष्टता के लिए।
- डॉ. जे.सी. दुआ पुरस्कार पर्यटन के छात्रों के लिए।
- डॉ. उषा अग्रवाल ट्रस्ट बी.कॉम (ऑनर्स) छात्रवृत्ति बंदोबस्ती निधि के लिए।
- जवाहर लाल ओझा स्मृति पुरस्कार बी.ए (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के दर्शनशास्त्र के पेपर –2 (भारतीय दर्शन के तत्व) में सर्वोच्च अंक के लिए
- जे. एल. मेमोरियल पुरस्कार गणित के लिए
- श्रीमती सत्यवती वशिष्ट स्मारक पुरस्कार राजनीति विज्ञान के सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए
- श्रीमती आर.पी. सेठी स्मारक पुरस्कार वित्तीय प्रबंधन (द्वितीय सत्र) में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- एस. के. सेठी स्मारक पुरस्कार (चतुर्थ सत्र) लागत लेखांकन में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए
- डॉ. स्नेह खोसला स्मारक पुरस्कार बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र के प्रत्येक वर्ष में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए।

वर्ष 2021–2022 के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के लिए वार्षिक शुल्क का विवरण

वार्षिक शुल्क (भारतीय रुपए में)

पाठ्यक्रम	यूआर / ओबीसी / ईडब्ल्यूएस / अल्पसंख्यक	एससी	एसटी	पीडब्ल्यूडी
बीए (प्रोग्राम)	7385	7385	7385	145
बी.कॉम (प्रोग्राम)	7385	7385	7385	145
बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	7385	7385	7385	145
बी कॉम (ऑनर्स)	8385	8385	8385	145
बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	7385	7385	7385	145
बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी	7385	7385	7385	145
बीए (ऑनर्स) हिंदी	7385	7385	7385	145
बीए (ऑनर्स) इतिहास	7385	7385	7385	145
बीएससी (ऑनर्स) गणित	8385	8385	8385	145
बीए (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	7385	7385	7385	145
बीए (ऑनर्स) संस्कृत	7385	7385	7385	145
बीबीई	19385	19385	19385	शून्य
बीए (ऑनर्स) समाजशास्त्र	7385	7385	7385	145
बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान	7385	7385	7385	145
बी एससी (ऑनर्स) गृह विज्ञान	8385	8385	8385	145

*नोटः शुल्क की वापसीः विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार।

**परीक्षा शुल्क के साथ प्रायोगिक शुल्क 1000 रु का अतिरिक्त भुगतान करना होगा ।

- यदि बैंक शुल्क पर्ची गुम हो जाती है, तो 30/– रु. के भुगतान पर कॉलेज कार्यालय द्वारा सत्यापन किया जाएगा।
- किसी भी छात्र को विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि कॉलेज की सभी बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाता है और एक मंजूरी प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किया जाता है।
- वार्षिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को दिसंबर माह में जमा राशि का केवल पचास प्रतिशत ही वापस किया जाता है, बशर्ते कि वे वर्ष के 1 सितंबर से 30 नवंबर के बीच कॉलेज कार्यालय में विधिवत रूप से भरा हुआ धन वापसी फॉर्म (रिफंड फॉर्म) जमा करें। सुरक्षा जमा का शेष पचास प्रतिशत गोल्डन ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन को जाता है।
- यदि कॉलेज की कोई संपत्ति क्षतिग्रस्त हो गई है, या पुस्तकालय की किताब खो गई है या क्षतिग्रस्त हो गई है, तो सुरक्षा जमा से कटौती की जाएगी।
- सिक्योरिटी मनी की वापसी से पहले पुस्तकालय, एन.सी.सी., खेल और कार्यालय क्लीयरेंस सटिफिकेट से प्राप्त किया जाना चाहिए।

विदेशी छात्रों को शुल्क विवरण के लिए कैशियर से संपर्क करना चाहिए।

कॉलेज परिसर के नियम – क्या करें और क्या न करें

करने योग्य

1. अनुशासन और समय की पाबंदी सफलता के अभिन्न अंग हैं। समय पर अपनी कक्षाओं और प्रायोगिक सत्र में उपस्थित हों। आदतन देर से आने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

2. अपनी कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित रहें। न्यूनतम आवश्यक उपस्थिति नहीं रखने वाले छात्रों को सेमेस्टर परीक्षाओं में सम्मिलित होने से वंचित कर दिया जाएगा।

3. अपने साथी सहपाठियों, वरिष्ठ छात्रों के साथ–साथ अपने शिक्षकों का सम्मान करें। आत्मीय और विनम्र भाषा का प्रयोग करें और कॉलेज के शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों और अतिथियों के साथ शिष्टाचार का व्यवहार करें।

4. कॉलेज की संपत्ति का ख्याल रखें। कॉलेज के प्रयोगशाला उपकरण /या अन्य संपत्ति को किसी भी तरह की क्षति या हानि होने पर नुकसान करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

5. कॉलेज के सभी असाइनमेंट, टेस्ट और परीक्षाओं को गंभीरता से लें और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करें। आपको सौंपी गई कोई भी जानकारी/ या अन्य दिए गए कार्य समय सीमा के भीतर प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

6. कॉलेज सूचना बोर्ड/कॉलेज एप्प/वेबसाइट पर प्रदर्शित नोटिस/परिपत्र पढ़ें। इस प्रकार प्रदर्शित किसी नोटिस/परिपत्र को न पढ़ने की अज्ञानता तथा दिये गये निर्देशों का पालन करने में बरती गई लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

7. अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार बनें और अपनी कक्षा की सामूहिक जिम्मेदारी को साझा करना और निभाना सीखें।

8. कॉलेज में उपलब्ध सभी संसाधनों का विवेकपूर्ण और प्रभावी ढंग से उपयोग करें। पुस्तकालय, खेल का मैदान, कैंटीन और कॉमन रूम आपके सीखने और बातचीत का केंद्र हो सकते हैं।

9. किसी भी समस्या या भ्रम की स्थिति में मामले को शीघ्र अपने क्लास मेंटर के संज्ञान में लाएं।

10. बिना किसी भय के संबंधित प्राधिकारी को कोई भी वास्तविक शिकायत दर्ज करें।

11. कॉलेज के फर्नीचर का उपयोग जिम्मेदारी से करें। यदि आपको लॉन, गलियारों और मैदान में कोई कुर्सी/टेबल मिले तो कृपया उसे निकटतम कक्षा में वापस रख दें।

12. किसी भी प्रतिबंधित कार्रवाई में शामिल होने पर 100/200/300/500/1000/ रुपये का जुर्माना और अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है।

न करने योग्य

1. रैगिंग न करें और रैगिंग के मूक गवाह न बनें। यह भारतीय दंड संहिता के तहत एक दंडनीय अपराध है। कॉलेज परिसर के अंदर या बाहर किसी भी प्रकार की रैगिंग या छेड़खानी करने वाले किसी भी छात्र के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

2. कॉलेज आपका दूसरा घर है। कैंपस में गंदगी न करें। स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण ही बेहतर कल की ओर ले जाएगा।

3. परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का प्रयोग न करें। परीक्षा के दौरान दुर्व्यवहार, प्रवेश के उद्देश्य से झूठी सूचना या दस्तावेज प्रस्तुत करने और कॉलेज से ऋण पर ली गई सामग्री को वापस करने में विफलता पर गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी।

4. परिसर में अभद्र भाषा का प्रयोग न करें।

5. किसी भी ऐसी गतिविधि में शामिल न हों जिससे दूसरों को या खुद को नुकसान हो।

6. परिसर के अंदर या उसके बाहर किसी भी प्रकार की हिंसा से बचना चाहिए।

7. कॉलेज के अंदर धूम्रपान / या किसी भी प्रकार के मादक पेय/नशीले पदार्थों का सेवन सख्त वर्जित है।

8. जब उपकुलपति संतुष्ट हो जाते हैं कि इस तरह की जांच करना समीचीन नहीं है, तो उसका निर्णय अंतिम होगा।

9. खंड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट मिलने पर खंड 3(ए) बी और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं की घटना का खुलासा करते हुए खंड 7 के तहत संबंधित प्राधिकरण द्वारा एक निर्धारण प्राप्त होने पर कुलपति किसी निर्दिष्ट वर्षों के लिए किसी छात्र /छात्रा को निष्कासन का आदेश दे सकते हैं।

10. कुलपति रैगिंग आदेश के अन्य मामलों में ऐसे आदेश या निर्देश दे सकते हैं कि किसी भी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निर्दिष्ट अविध के लिए, कालेज में अध्ययन के एक कार्यक्रम में, एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा में प्रवेश न दिया जाए अथवा परीक्षा या परीक्षाओं में संबंधित छात्र या छात्राओं के परिणाम निरस्त कर दिए जाएं।

11. यदि कोई छात्र जो दिल्ली विश्वविद्यालय के उपाधि या डिप्लोमा प्राप्त कर चुका है, दोषी पाया जाता है तो इस अध्यादेश के तहत, विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई उपाधि या डिप्लोमा को वापस लेने के लिए कानून 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

12. इस अध्यादेश के उद्देश्य से, रैगिंग के लिए किसी भी कृ त्य के माध्यम से, रैगिंग के अभ्यास या उकसावे के लिए भी रैगिंग की सजा दी जाएगी।

13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के भीतर सभी संस्थानों को इस अध्यादेश के तहत जारी आदेशों / निर्देशों को पूरा करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपित को सहायता देने के लिए बाध्य किया जाएगा।

अध्यादेश XV-सी के अनुसरण में कुलपति का आदेश: जहां इस अध्यादेश के तहत किसी भी प्राधिकरण द्वारा कुलपति को रैगिंग करने की घटना की सूचना कुलपति को दी जाती है, वह रैगिंग में शामिल छात्रों को आदेश में निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित कर सकते हैं। आदेश में निर्दिष्ट है। रैगिंग की रिपोर्टों में शामिल गैर-छात्रों को भारत के आपराधिक कानून के तहत आगे बढ़ाया जाएगा; उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में नामांकन प्राप्त करने से पांच साल की अवधि के लिए अयोग्य घोषित किया जाएगा। जिन छात्रों के खिलाफ इस टिप्पणी के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाती है, उन्हें प्राकृतिक न्याय के नियमों का कड़ाई से पालन करने के साथ बाद में निर्णायक सुनवाई दी जाएगी।

कार्य xv-डी / कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 (कानून और न्याय का मंत्रालय) कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ और यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण के लिए और आकस्मिक चिकित्सा से जुड़े मामलों के लिए एक अधिनियम प्रदान करता है।

यौन उत्पीड़न के परिणाम स्वरूप भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत महिलाओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है और उनके जीवन के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा के साथ जीने का अधिकार प्राप्त है। किसी ऐसे पेशे या व्यवसाय पर ले जाना जिसमें यौन उत्पीड़न से मुक्त सुरक्षित वातावरण का आधिकार शामिल है। जबकि यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा और सम्मान के साथ काम करने का अधिकार अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों और उन्मूलन के रूप में सार्वभौमिक मानवधिकार है। महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव जिन्हें भारत के शासन द्वारा 25 जून 1993 को प्रमाणित किया गया है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडन के खिलाफ सुरक्षा के लिए उक्त कन्वेंशन को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान करना समीचीन है। जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http://www.shebex.nic.in/assets/site/image/sexualHarassment-of-workplace - Act.pdf,

अनुबंध

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण

आय और संपत्ति प्रमाण पत्र के लिए प्रारूप

सरकार_____

(प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधिकारी का नाम और पता)

आर्थिक और आर्थिक वर्गों (ईडब्ल्यूएस) द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र

दिनांक_____

प्रमाण पत्र संख्या _____

वर्ष के लिए मान्य _____

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री / श्रीमती / कुमारी_____

की बेटा/बेटी/पत्नी_____स्थायी निवासी_____

ग्राम /गली_____डाक घर_____जिला_____

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में _____पिन कोड_____

जिसकी तस्वीर नीचे दी गई है, वह आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का/ की है। उसके /उसकी परिवार की सकल वार्षिक आय 8 लाख रुपये से कम है (केवल आठ लाख रुपये) वित्तीय वर्ष _____उसके परिवार के पास निम्नलिखित में से कोई संपत्ति नहीं है।

1. 5 एकड़ कृषि भूमि और ऊपर

2. 1000 वर्ग फुट और उससे अधिक का आवासीय फ्लैट

3. अधिसूचित नगरपालिकाओं में 100 वर्ग गज और उससे अधिक का आईआर आवासीय भूखंड

IV अधिसूचित नगरपालिकाओं के अलावा अन्य क्षेत्रों में 200 वर्ग गज और उससे अधिक का आवासीय भूखंड

श्री/श्रीमती / कुमारी_____के अंतर्गत आता/आती है।

जिस जाति को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है।

(केंद्रीय सूची)

मुहर के साथ हस्ताक्षर_____

कार्यालय_____

नाम_____

पद_____

नवीनतम पासपोर्ट फोटो

नोट 1: आय के सभी स्रोतों अर्थात वेतना, कृषि व्यवसाय आदि को कवर किया गया।

नोट 2: इस उद्देश्य के लिए परिवार में वह व्यक्ति शामिल है, जो आरक्षण का लाभ अपने माता - पिता और 18 वर्ष से कम उम्र के भाई-बहनों के साथ-साथ अपने जीवन साथी और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को भी शामिल करना चाहता है।

नोट 3: आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की स्थिति निर्धारित करने के लिए भूमि या सम्पत्ति धारण परीक्षण को लागू करते समय एक परिवार द्वारा अलग स्थान या अलग जगह और शहरों में रखी गई सम्पत्ति को क्लब किया गया है।

परिशिष्ट

ओबीसी प्रमाण पत्र का प्रारूप

यह प्रमाणित करना है कि श्री/श्रीमती/कुमारी..... बेटा/बेटी..... गाँव / शहर..... जिला/प्रभाग .....राज्य अथवा केन्द्र शासित प्रदेश के ..... अन्तर्गत आता है.....समुदाय जिसे पिछड़ा के रूप में मान्यता दी जाती है, भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय के संकल्प संख्या .....दिनांक श्री श्रीमती/ कुमारी..... और उसका / उसके परिवार का आमतौर पर निवास होता है मैं जिला/ प्रभाग का..... राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश। यह भी प्रमाणित करना है कि वह व्यक्ति वर्गों, क्रीमीलेयर से संबंधित नहीं है, जो अनुसूची 3 के कॉलम में भारत के शासन, कार्मिक प्रशिक्षण विभाग से संबंधित है।

ओ एम क्रमांक. 36012/22/93

ईस्ट (एस सी टी) दिनांक 8.9.93

जिला मजिस्ट्रेट

उपायुक्त आदि

दिनांक

सील

प्रमाण पत्र जारी करने वाले प्राधिकरण को भारत सरकार के संकल्प के विवरण का उल्लेख करना पड़ सकता है, जिसमें उन व्यक्ति की जाति का उल्लेख ओबीसी के रूप में किया गया है। जैसा कि समय-समय पर संशोधित किया जाता है

शैक्षिक छूट प्रमाण पत्र का प्रारूप

प्रारूप

शैक्षिक छूट प्रमाण पत्र

प्रापर लेटर हेड पर

पूरा पता, फोन नम्बर और ईमेल।

कार्यालय.....

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमान श्रीमती.....पुत्र/पुत्री हैं .....संख्या .....निवास ..... उपरोक्त नामित अधिकारी, जेसीओ अथवा प्राथमिकता I सैनिक कार्रवाई में मारे गए रक्षा कर्मिकों की विधवाएं / बच्चें। प्राथमिकता II सैनिक कार्रवाई में निःशक्त हुए रक्षा कार्मिकों के बच्चें। तथा सैनिक सेवा के लिए अनिवार्य क्षमता न होने के कारण सेवा से निकाले गए कार्मिकों के बच्चें।

प्राथमिकता. III उन रक्षा कार्मिकों की विधवाओं / बच्चें जो सेवा में रहने के दौरान मारे गए।

प्राथमिकता IV सेवा में रहने दौरान अक्षम हुए रक्षा कार्मिक और सैन्य सेवा से निकाले गए कार्मिकों के बच्चें।

प्राथमिकता. V (क) निम्नलिखित शौर्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिस कार्मिकों सहित सेवारत/सेवानिवृत सैनिकों के बच्चें।

I. परमवीर चक्र
II. अशोक चक्र
III. सर्वोत्तम युद्ध पदक
IV. महावीर चक्र
V. कीर्ति चक्र
VI. उत्तमयुद्ध सेवा पदक
VII. वीर चक्र
VIII. शौर्य चक्र
IX. युद्ध सेवा पदक
X. सेना, नौ सेना, वायु सेना पदक
XI. उल्लेख.इन.प्रेषण

प्राथमिकता V (ख) उन पुलिस कार्मियों के बच्चें जो वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और पुलिस पदक प्राप्त करते हैं।

प्राथमिकता-VI पूर्व सैनिकों के बच्चे।

प्राथमिकता. VII निम्नलिखित की पत्नियाँ:

I सैनिक कार्रवाई में अक्षम होने के कारण सेवा से बाहर निकाले गए रक्षा कार्मिक।

II सेवा के दौरान अक्षम/दिव्यांग होने के कारण सैनिक सेवा से निकाले गये कार्मिक।

III शौर्य पुरस्कार पाने वाले पूर्व सैनिक और सेवारत कर्मी।

। प्राथमिकता.VIII सेवारत कार्मिकों के बच्चें।

प्राथमिकता. X सेवारत कार्मिकों की पत्नियाँ।

सुश्री/ श्रीमती----------पुत्र/पुत्री पत्नी---------- अधिकारी/ जेसीओ अथवा प्राथमिकता के तहत सशस्त्र बल श्रेणी के खिलाफ दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए शैक्षिक रियायत के पात्र हैं।

संख्या

दिनांक

हस्ताक्षर

नाम और पदनाम के साथ मुहर सील करें।

प्रवेश वापसी पर शुल्क वापसी के नियम

वापसी की मांग करने का कारण	शुक्ल की राशि वापस की जायेगी
1. जब कोई छात्र प्रवेश वापसी के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि तक आवेदन करता है। 2. . जब कॉलेज, विश्वविद्यालय, कमीशन की ओर से जाने अनजाने में चूंक/ त्रुटि हो जाए।	1000 की कटौती के बाद पूर्ण शुल्क और पूर्ण परीक्षा शुल्क। पूर्ण शुल्क और पूर्ण परीक्षा शुल्क
3. गलत/ नकली प्रमाण पत्र भ्रामक पैदा करते हैं । तथ्यों को प्रस्तुत करते समय छात्र द्वारा कोई भी त्रुटि या गलती होती है तो प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा। 4. जब छात्र सेल्फ फाइनेंसिंग कोर्स का आवेदन करता है तो प्रवेश की अंतिम तिथि से पहले ही प्रवेश को वापस ले सकता है / 5. छात्र को प्रवेश के अंतिम तिथि के एक महीने के अंदर उसके प्रवेश की समय सीमा समाप्त हो जाती है।	कोई शुल्क वापस नहीं किया जायेगा। 1000 की कटौती के बाद पूर्ण शुल्क और पूर्ण परीक्षा शुल्क। परीक्षा शुल्क उसके मातापिता को सहित पूरा शुल्क वापस कर दिया जाए । शुल्क

फोटो गैलरी

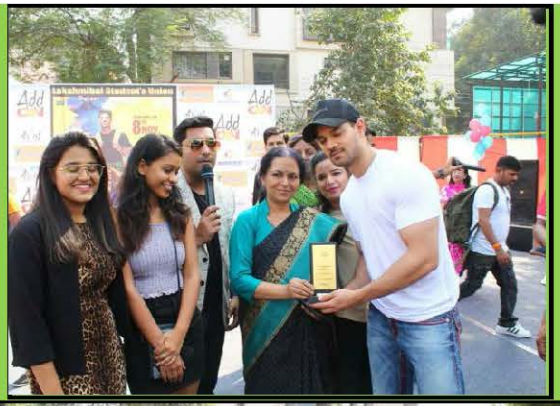

STUDENT UNION LAKSHMIBAI COLLEGE
IN ASSOCIATION WITH
ROTARACT CLUB OF MAHARAJA AGARSAIN
दिवाली मेला
दिनांक :- 25/10/2019
समय : सुबह : 11:50
स्थान :- लक्ष्मीबाई कॉलेज प्रांगण
चर्चा सत्र
SILENCE IN LIBRARY
1Pro
Camera

Department of Home Science at a Glimpse (Field Visits)

Visit to Dastkar, Crafts Fair

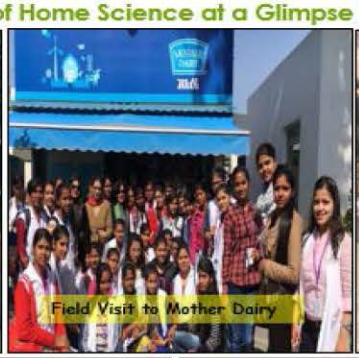
Field Visit to Mother Dairy

Visit to Craft Museum

Field Visit to Yakult

Field Visit to ICDS Kitchen

Department of Home Science at a Glimpse (Workshops/Seminars)

SEXUAL HARASSMENT OF
WOMEN AT WORKPLACE
(PREVENTION,

Janki Devi Memorial College
(University of Delhi)
National Cadet Corps-5DGBN
Kargil Diwas-Inter College Poster Making Competition
'गाथा बलिदान की'
1st Position-
Shagun Rathore
Lakshmibai College,
7DGBN

परिसर सुरक्षा

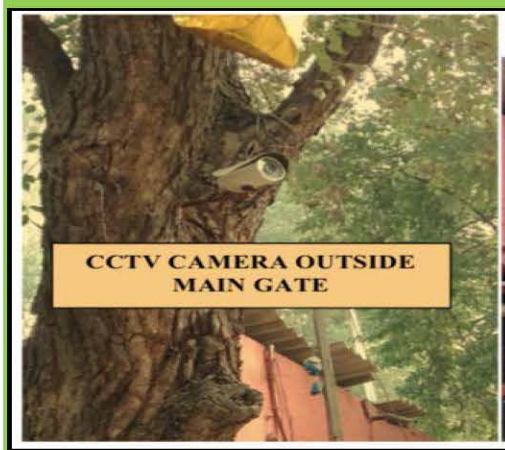
CCTV CAMERA OUTSIDE
MAIN GATE

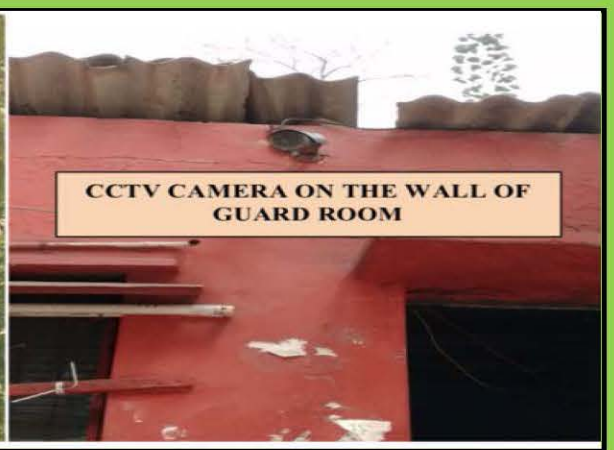
CCTV CAMERA ON THE WALL OF
GUARD ROOM

CCTV CAMERA IN THE
LOBBY

बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India
CCTV CAMERA OUTSIDE
BANK

सूचना विवरणिका
2021–2022

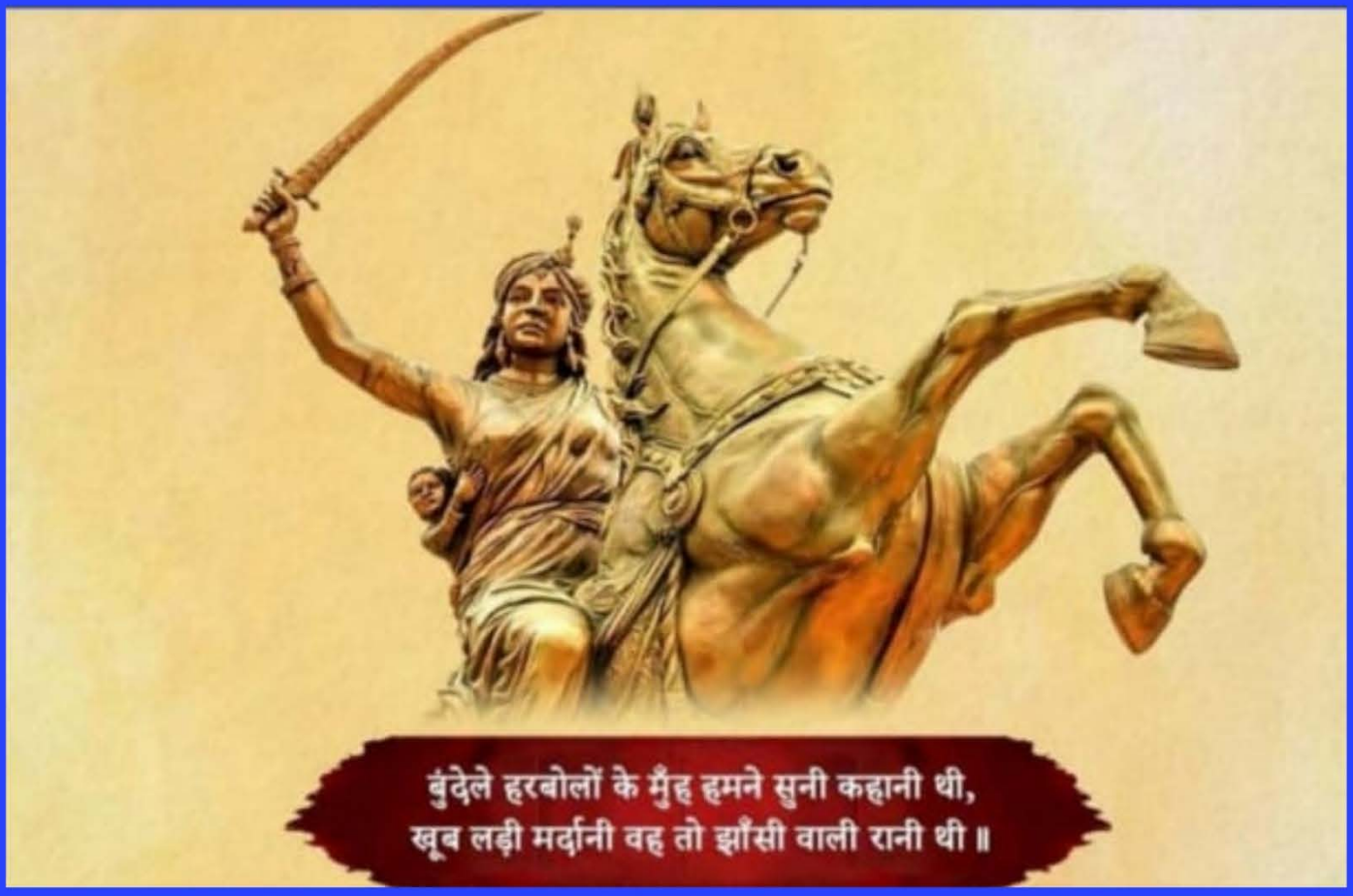

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

अशोक विहार फेस– III, दिल्ली–110052

EMAIL : INFO@LB.DU.AC.IN
HTTPS://LAKSHMIBAICOLLEGE.IN/
CALL: + (91)-11-273085985